आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 02, अंक : 83 रांची, मंगलवार, 04 मार्च 2025 (फाल्गुन शुक्ल 05, संवत 2081), पृष्ठ : 12, मूल्य : 3 रुपये, email: jharkhandwanitaudyog@gmail.com

अबुआ सरकार का अबुआ बजट

पढ़ाई-दवाई और कमाई पर फोकस ○ वित्त मंत्री ने की नए विश्वविद्यालय, मेडिकल और लॉ कॉलेज की घोषणा

रांची, खूंटी, गिरिडीह, जमशेदपुर, धनबाद, देवघर और जामताड़ा में मेडिकल कॉलेज की होगी स्थापना

राज्य सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 450 रुपये में देने का वादा फिर से दोहराया, आगामी वित्तीय वर्षों में इस योजना को लागू किया जाएगा

मंईयां सम्मान योजना की राशि होली से पहले लाभुकों के खाते में पहुंचने का भरोसा, तकनीकी कारणों से कुछ विलंब

राज्य की आर्थिक विकास दर 2023-2024 में 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान, राजस्व आय में भी उत्तरोत्तर वृद्धि देखी गई है

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने मंगलवार को अपना पहला बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने एक लाख 45 हजार 400 करोड़ का वार्षिक बजट पेश किया। बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार समेत झारखंड वासियों के लिए कई बड़े एलान किए गए हैं।

बाल बजट का भी प्रस्ताव : वित्त मंत्री ने बाल बजट का भी एलान किया है। इसके लिए 9411.27 करोड़ का प्रविधान किया गया है।

मंईयां सम्मान योजना की किस्त जल्दी होगी जारी : उन्होंने एक सवाल के जवाब में स्पष्ट किया कि जनकल्याण की योजनाओं को संचालित करने के लिए धन की कोई कमी नहीं है। मंईयां सम्मान योजना की राशि के संबंध में उन्होंने कहा कि कुछ तकनीकी कारणों से ऐसा हो रहा है। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि एक साथ मंईयां सम्मान योजना की राशि होली से पहले लाभुकों के खाते में चली जाएगी।

घरेलू गैस सिलेंडर 450 रुपए में देने की घोषणा होगी पूरी : झारखंड सरकार ने एक बार फिर दोहराया है कि घरेलू गैस सिलेंडर 450 रुपये में देने की घोषणा पूरी होगी। सोमवार को विधानसभा में बजट पेश होने के बाद मीडिया से रूबरू वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि वे इसका भरोसा दिलाते हैं। कांग्रेस ने चुनाव घोषणा पत्र में इसकी घोषणा की है। गठबंधन के सहयोगी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा और राजद की भी सहमति है। अभी सरकार ने कार्य आरंभ किया है। आगामी वित्तीय वर्षों में इसके लिए प्रविधान किया जाएगा। यह अगले वित्तीय वर्ष में भी हो सकता है।

बजट में प्रमुख घोषणाएं

- झारखंड में 80 प्रतिशत विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं। इसलिए सरकारी स्कूलों का विस्तार किया जायेगा, उन्हें सुदृढ़ बनाया जायेगा।
- स्टेट टेक्नोलॉजी पार्क, स्टेट रिसर्च पार्क, जे-हब, जे-वर्क्स, पीएफआइसी, इनोवेशन हब की स्थापना की जायेगी, जो इनोवेशन का केंद्र बनेंगे। शिक्षा, उद्योग एवं अनुसंधान संस्थानों के बीच सेतु का काम करेंगे।
- पर्यटन की असीम संभावनाओं को देखते हुए बेतला, मंडल, मलय, केचकी, माड़ोमाड़, बूढ़ाघाघ, नेतरहाट, सुगाबांध और अन्य प्रमंडलों में टूरिस्ट सर्किट की योजना पर काम चल रहा है।
- प्री एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की राशि में 3 गुणा की वृद्धि की गयी।
- 2025-26 में झारखंड की विकास दर 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान।
- आधारभूत संरचनाओं के विकास पर 25,702.41 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार।
- ओल्ड पेंशन स्कीम को फिर से लागू करने के लिए पेंशन कोष का गठन, इसके लिए बजट में 832 करोड़ रुपए की व्यवस्था।
- अपने स्रोत से सरकार की लगातार बढ़ रही है आय।
- राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 2.02 प्रतिशत रहने का अनुमान।
- 2025-26 में आर्थिक विकास दर 2011-12 के करेंट प्राइस पर 9.9 प्रतिशत रहने का अनुमान।
- झारखंड की जीएसडीपी 4.6 ट्रिलियन है, जिसे 2029-30 तक 10 ट्रिलियन करने का लक्ष्य है।
- झारखंड के श्रमिकों के लिए राज्य में ही अधिक से अधिक रोजगार के साधन उपलब्ध कराकर पलायन रोकेगी सरकार।
- बिरसा बीज उत्पादन, विनमय वितरण एवं फसल विस्तार योजना पर 2025-26 में 95 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार।
- मृदा एवं जल संरक्षण के लिए 1200 सरकारी, निजी तालाबों का गहरीकरण/जीर्णोद्धार कराया जा रहा है, जिससे 9600-12000 हेक्टेयर भूमि में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।
- खेती में कृषि यंत्रों को बढ़ावा देने के लिए कृषि यंत्र वितरण योजना के तहत मिनी ट्रैक्टर, पावर टिलर, पंप सेट, रीपर, ट्रांसप्लांटर का वितरण हो रहा है। इस पर सरकार 140 करोड़ रुपए खर्च करेगी।
- सुखाड़ से निबटने के लिए झारखंड राज्य मिलेट मिशन से किसानों को जोड़ा जा रहा है। इस मद में सरकार 1 लाख किसानों को 24.50 करोड़ रुपए देगी।
- पशुपालन एवं गव्य विकास के क्षेत्र में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत 79 हजार लाभुकों को 255 करोड़ रुपए देगी सरकार।
- कृषि उत्पादन में आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए बिरसा-प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए सरकार 350 करोड़ रुपए खर्च करेगी।
- सहकारी संघों को मजबूत बनाने के लिए 77.76 करोड़ रुपए खर्च किये जायेंगे।
- किसानों की उपज के भंडारण एवं संरक्षण के लिए लैम्प्स/पैक्स के जरिये 118 गोदामों का निर्माण कराया जायेगा। इस पर 259.52 करोड़ रुपए खर्च किये जायेंगे।
- कृषि एवं संबद्ध प्रक्षेत्र के लिए 4587.66 करोड़ रुपए का प्रावधान
- मनरेगा के तहत 12 करोड़ मानव दिवस सृजित रोजगार सृजित किये जायेंगे।
- अबुआ आवास योजना के तहत 6.50 लाख आवास बनाने का लक्ष्य। 6,01,135 आवास के निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है। 19,685 आवास बनकर तैयार। बाकी आवास 2025-26 में पूरा करने का लक्ष्य।
- सखी मंडलों के उत्पादों को उचित मूल्य एवं आर्थिक सहायता देने के लिए पलाश मार्ट पर 30 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार।
- ग्रामीण विकास के लिए बजट में 9,841.42 करोड़ रुपए का प्रावधान।

शेष पेज 08 पर

केंद्र से बकाए की वसूली के लिए कानूनी कार्रवाई की घोषणा

रांची। राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बजट भाषण के दौरान केंद्र के पास झारखंड का 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपए बकाया होने का दावा दोहराया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन लगातार केंद्र से बकाया राशि की मांग कर रहे हैं। अगर राज्य का पैसा नहीं मिला, तो हम कानूनी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र का बकाया पैसा नहीं मिलने की वजह से कई विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। केंद्रांश मद की राशि भी राज्य को कम उपलब्ध कराई जा रही है। इस वर्ष पेश किए गए बजट का आकार पिछले वर्ष की तुलना में 12.81 प्रतिशत ज्यादा है। वित्त मंत्री ने कहा कि झारखंड को भारत सरकार से लगभग 1.36 लाख करोड़ रुपये प्राप्त होने हैं। यह राशि कोयले की रॉयल्टी, कॉमन कॉज जजमेंट के तहत देनदारियों और सरकारी भूमि अधिग्रहण से संबंधित बकाया के रूप में केंद्र सरकार के पास लंबित है।

पूंजीगत खर्च में वृद्धि सरकार की बड़ी उपलब्धि: सीएम

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा में बजट पेश किये जाने के बाद अपनी प्रतिक्रिया दी। हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार ने अपना बजट पेश कर दिया है। यह एक संतुलित बजट है। उन्होंने कहा कि पूंजीगत खर्च में वृद्धि हुई है। यह सरकार की बड़ी उपलब्धि है। हेमंत सोरेन ने कहा कि यह बजट हर वर्ग के लिए है। सरकार आने वाले दिनों में ऐसा काम करेगी कि जो लोग इस बजट में छूट गये हैं, उन्हें भी शामिल किया जा सके।

जनादेश को अपमानित करने वाला बजट: मरांडी

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार द्वारा सदन में पेश बजट पर तीखी प्रतिक्रिया दी। मरांडी ने कहा कि यह बजट देखने में बड़ा है, लेकिन प्राण विहीन है, ताकत विहीन है। उन्होंने कहा कि बजट में दूरदर्शिता का घोर अभाव है। इससे न राज्य की बेरोजगारी दूर होने वाली है न गरीबी दूर होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चुनावी घोषणाओं को बजटीय धरातल पर उतारने में पूरी तरह विफल साबित हुई। यह जनादेश को अपमानित करने वाला बजट है।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व सेबी प्रमुख के खिलाफ एफआईआर पर रोक

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को निर्देश दिया कि वह भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश पर चार मार्च तक कोई कार्रवाई न करे। शेष पेज 08 पर

भारत-नेपाल में जल और स्वच्छता को लेकर समझौता

नई दिल्ली। भारत और नेपाल ने सोमवार को जल, स्वच्छता और सफाई क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और नेपाल के जल आपूर्ति मंत्री प्रदीप यादव की उपस्थिति में हुआ।

शेष पेज 08 पर

मानवाधिकारों पर छह दिवसीय कार्यशाला में 14 देश हुए शामिल

नई दिल्ली। वैश्विक दक्षिण के देशों में मानवाधिकार संस्थानों (एनएचआरआई) के वरिष्ठ पदाधिकारियों में क्षमता निर्माण की छह दिवसीय कार्यशाला का आज यहां शुभारंभ हुआ। न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यन ने कहा कि आईटीईसी जैसे मंच एक-दूसरे की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और मानवाधिकार मूल्यों को साझा करने और आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करते हैं। शेष पेज 08 पर

सरेंडर कर चुके तीन नक्सालियों को मिला भूमि बंदोबस्ती का पर्चा

लातेहार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लातेहार। झारखंड सरकार की आत्मतसमर्पण एवं पुनर्वास नीति नयी दिशा से प्रभावित होकर आत्मिसमर्पण करने वाले तीन नक्सलियों को जमीन बंदोबस्ती का पर्चा दिया गया। सोमवार को बरवाडीह सीओ मनोज कुमार एवं छिपादोहर थाना प्रभारी धीरज कुमार सिंह की उपस्थिति में गृह निर्माण के लिए आवंटित भूमि का बंदोबस्ती पर्चा वितरण किया गया। सीओ ने बताया कि यह भूमि सरकार के निर्देश पर आत्मसमर्पण करनेवाले नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत दी गयी है।

शेष पेज 08 पर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए रहा दोहरी खुशी का दिन

बजट पेश करने के बाद मनाया पत्नी कल्पना सोरेन का जन्मदिन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में बजट पेश करने के बाद, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने पति और पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर अपना जन्मदिन मनाया। सोमवार को कल्पना सोरेन 40 साल की हो गईं हैं। इस अवसर पर उन्होंने केक काटकर अपनी खुशी का इज़हार किया।

पति और पार्टी के साथ मनाया खास दिन : कल्पना सोरेन का जन्मदिन सोमवार को बहुत खास था, क्योंकि उन्होंने इसे अपने परिवार और पार्टी के साथ मनाया। हेमंत सोरेन और पार्टी के अन्य प्रमुख नेता इस मौके पर उनके साथ उपस्थित थे। इस आयोजन में पार्टी कार्यकर्ताओं की भी उपस्थिति रही, जिन्होंने उनकी खुशियों में भाग लिया। शेष पेज 08 पर

क्रिकेटर काशीनाथ शिवालकर का निधन, क्रिकेट जगत में शोक

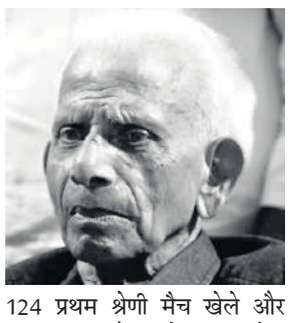

मुंबई। मुंबई के पूर्व दिग्गज स्पिनर पद्माकर काशीनाथ शिवालकर, जिन्हें क्रिकेट जगत में पैडी के नाम से जाना जाता था, उनका सोमवार को मुंबई में निधन हो गया। शिवालकर 84 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर की पुष्टि मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने की है। शिवालकर यकीनन सबसे महान क्रिकेटर थे, जो भारत के लिए नहीं खेल सके।

मुंबई के दिग्गज स्पिनर का हुआ निधन : उम्र संबंधी समस्याओं के कारण दिवंगत हुए शिवालकर दुनिया छोड़कर चले गए। क्रिकेटर उनको श्रद्धांजलि दे रहे हैं। बाएं हाथ के स्पिनर शिवालकर ने 1961-62 और 1987-88 के बीच 124 प्रथम श्रेणी मैच खेले और 19.69 की औसत से 589 विकेट लिए। बीसीसीआई ने उन्हें 2017 में सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया था।

रवि शास्त्री ने पोस्ट कर दी श्रद्धांजलि : पूर्व भारतीय ऑलराउंडर और कोच रवि शास्त्री ने अपनी संवेदना व्यक्त की है।

शेष पेज 08 पर

टाटा व आईआईएससी की साझेदारी से जल्द स्थापित होगा 500 करोड़ का मेडिकल स्कूल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा समूह, जो पहले ही कला, विज्ञान और इंजीनियरिंग में अपनी उपस्थिति स्थापित कर चुका है, अब चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में भी कदम रखने जा रहा है। टाटा समूह ने भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बंगलुरू के साथ मिलकर एक मेडिकल स्कूल की स्थापना करने का एलान किया है। इस स्कूल की स्थापना के लिए 500 करोड़ रुपये का योगदान किया जाएगा, जो चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार और शोध को नई दिशा देगा।

चिकित्सा क्षेत्र में नए शोध का केंद्र बनेगा यह स्कूल : यह मेडिकल स्कूल भारत में नैदानिक और बुनियादी विज्ञानों का संयोजन करेगा। इसे ऐसे एक अद्वितीय मॉडल के रूप में स्थापित किया जाएगा, जो चिकित्सा शिक्षा और शोध को एक नई दिशा देगा। इस स्कूल में कई विशिष्टताओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जैसे कि ऑन्कोलॉजी, कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, मधुमेह, संक्रामक रोग, और सार्वजनिक स्वास्थ्य। इसके अलावा, यह एकीकृत चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में भी कार्य करेगा।

चिकित्सा वैज्ञानिकों व तकनीकी विशेषज्ञों का नया कैडर : टाटा आईआईएससी मेडिकल स्कूल, चिकित्सक-वैज्ञानिकों और चिकित्सा प्रौद्योगिकीविदों का एक नया कैडर तैयार करने की दिशा में काम करेगा। यह स्कूल एमडी-पीएचडी और अन्य दोहरे डिग्री कार्यक्रमों की पेशकश करेगा, जिससे छात्रों को न केवल चिकित्सा क्षेत्र में, बल्कि विज्ञान और इंजीनियरिंग में भी व्यापक प्रशिक्षण मिलेगा।

शेष पेज 08 पर

वैश्विक सहयोग और स्वास्थ्य क्षेत्र में नया दृष्टिकोण

इस मेडिकल स्कूल का उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य सेवा क्रांति में भारत को सबसे आगे रखना है। इसे दुनियाभर के प्रसिद्ध मेडिकल स्कूलों के साथ साझेदारी करने की योजना है, जिससे छात्रों को वैश्विक विशेषज्ञता और ज्ञान प्राप्त हो सके। इस संस्थान का उद्देश्य आधुनिक चिकित्सा के नवीनतम दृष्टिकोण को अपनाते हुए एक उच्च योग्य चिकित्सक-वैज्ञानिक कैडर तैयार करना है, जिसका प्रभाव पूरे स्वास्थ्य क्षेत्र पर पड़ेगा।

10 हजार रुपये घूस लेते मुखिया गिरफ्तार

- कार्तिक महतो पीएम आवास योजना के नाम पर मांग रहा था रिश्वत

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद में एसीबी की बड़ी कार्रवाई

धनबाद। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी), धनबाद की टीम ने सोमवार को चंद्रपुरा की पपलो पंचायत के मुखिया कार्तिक महतो को 10 हजार रुपए घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। टीम ने मुखिया को उसके घर से गिरफ्तार किया। आरोप है कि मुखिया कार्तिक महतो पीएम आवास योजना के नाम पर रिश्वत मांग रहा था। रिश्वतखोर मुखिया को गिरफ्तार कर टीम धनबाद एसीबी कार्यालय लाई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। बताया गया कि मुखिया ने कुल 20 हजार रुपए रिश्वत मांगी थी। दो किस्तों में रकम देने पर सहमति बनी थी। एसीबी के अधिकारी बिनोद कुमार महतो ने बताया कि पीएम आवास योजना के आवेदक से जीरो टैग के नाम पर मुखिया रिश्वत मांग रहा था। आवेदक इतनी बड़ी राशि देने में असमर्थ था। उसने इसकी शिकायत धनबाद एसीबी से की।

शिकायत के सत्यापन में एसीबी ने मामला सही पाते हुए रिश्वतखोर मुखिया को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। मुखिया से दस-दस हजार रुपए दो किस्तों में देने पर सहमति बनी थी। सोमवार को पहली किस्त लेने के लिए मुखिया ने आवेदक को घर बुलाया। इधर, टीम भी मुस्तैद थी। मुखिया जैसे ही लाभुक से रिश्वत की रकम ले रहा था, टीम ने उसे धर दबोचा।

संक्षिप्त

इटकी सरहुल पूजा समिति का गठन

इटकी। इटकी के झखरा सरना स्थल में सोमवार 12 पड़हा द्वारा आयोजित सभा में सरहुल पूजा समिति का गठन किया गया। सर्वसम्मति से अध्यक्ष बीरा उरांव, उपाध्यक्ष मंगा उरांव, सचिव सूरज उरांव, कोषाध्यक्ष अजय उरांव , कार्यकारी अध्यक्ष श्रीनाथ उरांव सहित ग्यारह कार्यकारणी सदस्य चुने गये। सभा में 12 पड़हा के भोला उरांव, सुधीर उरांव,अमन उरांव, विजय खलखो, बंधन उरांव, चंदन उरांव ,मुन्ना कुजूर सहित कई गांव दर्जणों लोग उपस्थित थे।

अखिल झारखंड छात्र संघ की बैठक सम्पन्न

रांची। सोमवार को अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) की बैठक आजसू पार्टी प्रधान कार्यालय हरमू रोड रांची में बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा उपस्थित हुए। बैठक में संगठन के मजबूती, एवं विस्तार ,कॉलेज कमिटी, विश्विद्यालय कमिटी को पुनः गठन एवं आगामी कार्यक्रम इत्यादि विषय को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में रांची आजसू के रांची विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों में कमिटी बनाने तथा रांची विश्वविद्यालय कमिटी बनाने हेतु 5 सदस्य संयोजक मंडली का गठन किया गया। जो इस प्रकार है रोशन कुमार नायक, पवन कुमार सिंह, सक्षम झा, यश साहू, रौनक कुमार इस बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, राजेश सिंह, रौनक, प्रिंस लिंडा, दुर्गेश यादव, रौनक कुमार इत्यादि लोग उपस्थित थे।

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रांची। झालसा के निर्देश में न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची मार्गदर्शन में सिल्ली प्रखंड के लोवादाग पंचायत भवन में 90 डेज जागरूकता कार्यक्रम के तहत डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलएडीसी डिपुटी चीफ राजेश कुमार सिन्हा, पीएलवी कौशल्या देवी, ब्रजेश कुमार माहतो, बंशीधर महतो, बंशीधर घटवार, सुनील कुमार माहतो, राजकुमार माहतो एवं राजा वर्मा उपस्थित थे।

युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार दिलायें कौशल विकास केंद्र : उपायुक्त

- संचालित कौशल विकास केंद्र के संचालन की समीक्षा

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में सोमवार को जिला कौशल विकास योजना अंतर्गत विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों के बेहतर संचालन को लेकर उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिले में संचालित कौशल विकास केंद्र के संचालन की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसी को निर्देश दिया कि वे कौशल विकास कार्यक्रमों को प्रभावी बनाते हुए अधिक से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित करें, उन्हें प्लेसमेंट दिलाए, जिससे उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें। बैठक के दौरान कौशल विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार, प्रशिक्षुओं के प्लेसमेंट, उद्योगों के साथ समन्वय और आगामी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित एजेंसियों को किए गए एमओयू एवं कायार्देश के अनुरूप प्रशिक्षण केंद्र के सुचारू संचालन का निर्देश दिया। वहीं जिले में सोलर टेक्नीशियन एवं फूड प्रोसेसिंग यूनिट से जुड़े नए प्रशिक्षण केंद्रों के संचालन प्रारंभ करने को लेकर भी विचार विमर्श किया गया।

जिला नियोजन पदाधिकारी को ससमय प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण कर रिपोर्ट साझा करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला नियोजन पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक, जेएसएलपीएस के अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि सहित अन्य उपस्थित थे।

राज्य के विकास को नई दिशा देने वाला बजटः सुदीप गुड़िया

खूंटी। तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने झारखंड सरकार की ओर से पेश किए गए बजट को राज्य के विकास को नई दिशा प्रदान करने वाला बजट बताया है। उन्होंने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार ने एक लाख 45 हजार 400 करोड़ का ऐतिहासिक बजट पेश किया, जो पिछले वित्तीय वर्ष से 13 फीसदी अधिक है। उन्होंने कहा कि यह बजट झारखंड की शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, अधारभूत संरचना और सामाजिक कल्याण को मजबूती देने के साथ-साथ युवाओं, किसानों और मजदूरों के सशक्तीकरण का रोडमैप तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि संतुलित, समावेशी और विकासोन्मुखी बजट झारखंड को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की ओर एक बड़ा कदम है। इसके लिए उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं वित्त मंत्री का आभार जताया। विधायक सुदीप गुड़िया ने सोमवार को गांडेय की विधायक और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन को उनके जन्मदिन पर बधाई दी और उनके सफल जीवन की कामना की।

शादी से मुकरा, तो कोर्ट ने सुनाई युवक को कठोर कारावास की सजा

सिल्ली। रांची सिविल कोर्ट के पोक्सा मामले के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में दोषी करार सिल्ली निवासी युवक उत्तम कुमार महतो को 20 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 20 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया है। अदालत ने दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट की धारा में दोषी पाकर सजा सुनाई है। अदालत ने अभियुक्त को 21 फरवरी को दोषी करार दिया था। अभियुक्त घटना के बाद से ही जेल में है। घटना को लेकर 25 जुलाई 2021 को सिल्ली थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अभियुक्त को पुलिस ने 27 जुलाई 2021 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। तब से वह लगातार जेल में ही है। उस पर नाबालिग को जाल में फंसा कर दुष्कर्म करने और बाद में शादी करने का झांसा देकर लगातार शारीरिक संबंध बनाने का आरोप था। बाद में आरोपी शादी करने से मुकर गया। अभियुक्त ने पहली बार जनवरी 2020 में नाबालिग के साथ जबरदस्ती की थी।

सिल्ली की लड़की की सड़क दुघर्टना में मौत

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। सिल्ली लुपुंगटोला निवासी रविकुमार रजवार के 14 वार्षिय पुत्री रिमझिम रजवार का रामगढ़ के चितरपुर के समीप एक सड़क दुघर्टना से मौत हो गई। उनका अंतिम संस्कार रविवार देर शाम मुरी स्वर्ण रेखा नदी घाट पर किया गया।

जानकारी के मुताबिक रिमझिम अपने मामा घर बड़कागांव से अपने मामा और मां के साथ मोटरसाइकिल से सिल्ली आ रही थी इसी क्रम में रामगढ़ गोला पथ पर चितरपुर बारालोंग के समीप पीछे से आ रही एक ऑटो के तेज गति से पास ले कर आगे निकलने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान अचानक एक ट्रेलर सामने से आ गया। जिसके कारण ऑटो चालक ने ब्रेक लगाते हुए स्टेरिंग को बाई ओर काटा। जिसके कारण मोटरसाइकिल सवार सीधे ऑटो से जा टकराई। जिससे मोटरसाइकिल में सवार तीनो लोग सड़क पर जा गिरे। जिससे रिमझिम का सर सड़क पर गिरने से फट गया। और वह गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं मोटरसाइकिल में सवार रिमझिम के मां एवं मामा को मामूली चोटें आई। उधर ऑटो भी अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे उसमें सवार कई लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पर रजरप्पा थाना के एएसआई पिसी मुर्मू सदल बल घटनास्थल पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल रामगढ़ पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने रिमझिम का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। रिमझिम ग्राम विकास मध्य विद्यालय में वर्ग 8 वीं की छात्रा थी। उनकी मौत पर विद्यालय के प्राचार्य सुधांशु रंजन एवं सीआरपी रुबी देव ने उनके के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया।

उद्यानिकी प्रशिक्षण के लिए 100 कृषक समस्तीपुर रवाना

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत जिला उद्यान कार्यालय की ओर से जिले के विभिन्न प्रखंडों से चयनित 100 कृषकों को पांच दिवसीय उद्यानिकी प्रशिक्षण और परिभ्रमण के लिए सोमवार को डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा समस्तीपुर, बिहार भेजा गया।

उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर कृषकों के दल को रवाना किया। मौके पर जिला उद्यान पदाधिकारी, उप परियोजना निदेशक (आत्मा) सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बताया गया कि समस्तीपुर में सभी कृषक उन्नत उद्यानिकी तकनीकों, सीडलिंग उत्पादन, संरक्षित खेती के तरीके, मधुमक्खी पालन और उद्यानिकी फसलों पर सकारात्मक प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे।

जिला उद्यान पदाधिकारी ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से कृषक आधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपनी कृषि उत्पादकता में वृद्धि कर सकेंगे। साथ ही अन्य किसानों को भी प्रेरित करेंगे। इस पहल से जिले में उद्यानिकी खेती को बढ़ावा मिलेगा।

छात्रों को अग्नि वीर योजना की दी गई जानकारी

लोहरदगा। जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय नदिया हिंदू लोहरदगा के सभागार में रांची आर्मी भर्ती कार्यालय के एआरओ सूबेदार मेजर राम पॉल , हवलदार समरजीत के जरिये अग्निवीर योजना के बारे में बताया गया। पॉल ने छात्रों को बताया कि अग्निवीर योजना में रजिस्ट्रेशन, ऑनलाइन आवेदन, लिखित परीक्षा, शॉर्टलिस्टिंग, रनिंग , शारीरिक फिटनेस टेस्ट, डॉक्यूमेंटेशन , मेडिकल कैसे होता है। साथ ही उन्होंने बिचौलिए से दूर रहने को कहा ।सेना में जाने के लिए कुछ बोनस मार्क्स दिए जाते हैं।

सिल्ली व्यवसायी संघ के अध्यक्ष बिनोद चौधरी का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। सिल्ली स्टेशन रोड निवासी सिल्ली व्यवसायी संघ के अध्यक्ष 71 वर्षीय बिनोद चौधरी का रविवार रात को आकस्मिक निधन हो गया। वे कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उनके निधन का समाचार से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

स्व बिनोद चौधरी लुपुंग महावीर चौक दुर्गा पूजा समिति के संरक्षक, आजसू पार्टी बुद्धिजीवी मंच के सदस्य एवं समाजसेवी थे। वे सामाजिक व धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को मुरी स्थित स्वर्ण रेखा नदी तट के मुक्ति धाम घाट पर किया गया। उनके पुत्र अमित कुमार चौधरी ने मुखाग्नि दी। उनके अंतिम संस्कार में गूंज परिवार के संयोजक जयपाल सिंह, पुर्व जिप सदस्य गौतम कृष्ण साहू, अरविंद कुशवाहा, दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, नारायण अग्रवाल, गणेश साहु, अजित साहु, अनंत साहु ,धीरु चांद, पंचानन विश्वकर्मा, नेपाल साव, विनय साव, विजय साव, दिवाकर प्रसाद, विश्वनाथ साय, बबलु साव, संजीव भगत, सुशांत भगत, दिनेश महतो, रमेश जालान, अरुण जालान, विजय जालान, प्रकाश अग्रवाल, रमेश बड़ाइक, मनोज सिंह, संजय मंडल, मदन सिंघानिया, कपील कुम्हार, पवन अग्रवाल समेत विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठन के लोग एवं व्यवसायी संघ के सदस्य एवं सैंकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। उनके निधन पर पुर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो, रतन लाल महतो, जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, उप प्रमुख आरती देवी, मुखिया सीमा कुमारी गोंझु, संजय भगत आदि ने गहरा शोक संवेदना व्यक्त किया है।

इटकी के 223 स्कूली बच्चों की हुई हार्ट जांच

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

इटकी। प्रखण्ड के तीन विद्यालयों में झारखण्ड सरकार और कोल इंडिया द्वारा सोमवार को आयोजित शिविर में छात्र छात्राओं के हाट संबंधि जांच किया गया।

श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल जमशेदपुर के टेक्निशियनों के देख रेख में रा० मध्य विद्यालय बारीडीह के 56, उर्दू मध्य विद्यालय बालक 64 और लक्ष्मी गजेंद्र मध्य विद्यालय के 103 कुल 223 बच्चों का इसीजी,पीसीजी की जांच कर हार्ट का परीक्षण किया गया जिसमें लक्ष्मी गजेंद्र मध्य विद्यालय की एक बच्ची में हाट का लक्षण दिखाई दिया है। श्री सत्य साईं अस्पताल के को-ऑर्डिनेटर निरंजन त्रिपाठी ने बताया कि जिस बच्ची में लक्षण पाया गया है उसका पूरा मेडिकल फाइल को जमशेदपुर के द्वारा फॉरवर्ड कराया जाएगा । जहां बच्ची के सुविधा अनुसार उसका मुफ्त इलाज कराया जाएगा इसकी सारी व्यवस्था अस्पताल करेगी । इस जांच शिविर में श्री सत्य साइन अस्पताल के टेक्नीशियन राधिका रंजीत, बंटी सहित अन्य लोग ने अपना योगदान दिया।

सरकार को मिले जनादेश का दिखा बजट में असरः साजिद कौसर

ओरमांझी। झामुमो के जिला सचिव साजिद कौसर ने बताया कि प्रचंड जनादेश को देखते हुए हेमंत सरकार की कोशिश सबको लुभाने की हैं। बजट में हर माह 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, 201 से 400 यूनिट खपत पर अनुदान, मंईयां सम्मान, रियायती धोती-साड़ी, लुंगी, सर्वजन पेंशन समेत अन्य योजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, अबुआ आवास, अबुआ स्वास्थ्य, गुरुजी क्रेडिट कार्ड, छात्रवृत्ति योजनाएं, मरांग गोमके पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना आदि शामिल हैं। बजट समृद्ध, खुशहाली, विकसित झारखंड को लक्ष्य कर बनाया गया है। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, गरीब, श्रमिक, किसान, महिला, एसटी, एससी, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक सहित सभी वर्ग का ध्यान रखा गया हैं। खेल, पर्यटन, कला-संस्कृति सहित इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर भी जोर दिया गया हैं।

बजट सत्र में विधायक राज सिन्हा ने ओपी और थानों के सृजन का उठाया सवाल

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रांची। झारखंड विाानसभा बजट सत्र के पांचवे दिन सोमवार को राज सिन्हा ने धनबाद में ओपी और थानों के सृजन का सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जितने भी ओपी हैं, उनमें एफआईआर नहीं होती। नये ओपी और थानों का भी सृजन नहीं हुआ है। ओपी किराए के भवन में चल रहा है। आज 80 फीसदी केस में अपराधी बरी हो जा रहे हैं।

धनबाद में लोगों को रोज फोन आ रहा है। एक करोड़ दो नहीं तो खोपड़ी खोल देंगे। एसएसपी बोलते हैं कि फोर्स की कमी है। धनबाद में आर्थिक अपराध के साथ रोज छीना-झपटी हो रही है। इस पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रताप ने कहा कि धनबाद में 37 थाना और 24 ओपी हैं। हाइटेक तरीके से थाना भी काम कर रहे हैं। विधि व्यवस्था में कोई समस्या नहीं है। आवश्यकतानुसार थाना खोले जा रहे हैं। आगे भी आवश्यकतानुसार थाना खोलने का काम किया जायेगा। इस दौरान वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि एसी-डीसी बिल का समायोजन किसी एक वित्तीय वर्ष का मामला नहीं है। ये निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। सरकार इसको लेकर गंभीर है। वे विधायक पूर्णिमा साहू के सवाल का जवाब दे रहे थे। वित्त मंत्री ने कहा कि इस मसले को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आठ बैठकें हो चुकी हैं। बिल समायोजन की प्रक्रिया चल रही है। प्रदीप यादव ने व्यवस्था पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि सभा सचिवालय को भी ट्रेनिंग देना चाहिए। इसके लिए कमेटी बनाये।

ओरमांझी : सरहुल पूजा को लेकर हुई बैठक

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

ओरमांझ। प्रखंड क्षेत्र स्थित हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आदिवासी 22 पड़हा सरना समिति सदमा ओरमांझी - कांके क्षेत्र के अध्यक्ष बाबूलाल महली ने महापर्व प्राकृतिक सरहुल पूजा 2025 को लेकर मायापुर सरना स्थल में समय सुबह 07 बजे बैठक रखी गई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की दिनांक 31-03-2025 दिन सोमवार को सामूहिक उपवास, 01-04-2025 दिन मंगलवार को सभी ग्राम के सरना में पाहन के अगुवाई से 11 बजे पूजा पाठ, वो 02-04-2025 दिन बुधवार को 29 वां सरहुल जुलुस शोभा यात्रा समय 2 बजे से समाप्ति तक मायापुर सरना स्थल मे कार्यक्रम आयोजित किया गया है। अध्यक्ष बाबूलाल महली ने अपना विचार दिय की इस बार सरहुल पूजा में हमारे आदिवासी के घरों पर सरना झंडा अवश्यक लगाएं , 22 पड़हा के हर गांव में सरहुल के लेकर बैठक अभियान चलेगी सरहुल पूजा में नया फल चढ़ता है जैसे कटहल, जिरूल फूल, पुटकल साग, नया सखुवा पता वैगरहा बहुत सा ऐसा फल है जो पूजा से पहले नहीं खाना चाहिए।

पदक विजेता वुशु खिलाड़ियों का सिल्ली कॉलेज में हुआ स्वागत

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। सिल्ली कॉलेज सिल्ली में पदक विजेता खिलाड़ियों का सोमवार को भव्य स्वागत किया गया। खेल प्रभारी प्रभा मेहता ने बताया कि चंडीगढ़ में 22 से 28 फरवरी तक आयोजित ऑल इंडिया वुशु यूनिवर्सिटी गेम्स में रांची यूनिवर्सिटी की ओर से प्रतियोगिता में भाग ले करर कॉलेज की सोनाली कुमारी ने एक स्वर्ण एक कांस्य पदक तथा अंजना कुमारी, सुमित कुमार, निशांत कोइरी ने रजत पदक प्राप्त किया है। सभी खिलाड़ी बिरसा मुंडा वृशु सेंटर के प्रशिक्षु हैं। इन खिलाड़ियों की सफलता पर कॉलेज शशि निकाय के अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो, सचिव मुकुन्द चन्द्र मेहता, कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ अनंत कुमार महतो, वूशु कोच वाहिद अली, प्रो नकुल महतो, प्रो योगेन्द्र महतो, प्रो विश्वनाथ मुंडा, प्रो केशव रॉय, कविता, मंजुलता, अर्चना, हुलसी, अनन्त, हेमलता ,ऋचा, कृष्णा, रूपा आदि ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

प्रधान जिला जज ने की राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। व्यवहार न्यायालय परिसर में आठ मार्च को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी को लेकर प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को बैठक का आयोजन किया गया।

प्रधान जिला जज ने बैठक में उपस्थित अधिवक्ताओं को निर्देश दिया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में इंश्योरेंस से संबंधित अधिक से अधिक वादों का निष्पादन करने में सहयोग करें और वैसे लोग जिनका मामला न्यायालय में लंबित है और वाद सुलहनीय है, वे अपने वादों का निष्पादन करा सकेंगे।

प्रधान जिला जज ने लोगों से अपील की है कि वे मामले के निष्पादन के लिए व्यवहार न्यायालय अवश्य पहुंचे और न्यायालय में चल रहे लंबित मामलों का जल्द से जल्द निष्पादन कराएं।डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित बैठकें लगातार हो रही हैं और कुछ मामलों का निष्पादन प्रि-कॉन्सिलिएशन बैठकों के माध्यम से पिछले आठ जनवरी से ही जारी है। किसी भी कार्य दिवस में व्यवहार न्यायालय मामलों का निष्पादन किया जा सकता है। सक्षम निःशुल्क और सुलभ न्याय के लिए लोग अपने वादों को समाप्त करने के लिए न्यायालय में उपस्थित हो।

शिक्षक संघ ने की आर्थिक मदद

सोनाहातू। राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय बाजार टांड़ के सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) स्व पुष्कर सिंह मुंडा की विधवा पत्नी शांति देवी को सोमवार को अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ और सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) संघ के द्वारा संयुक्त रुप से सहायता के तौर पर दोनों संगठनों ने संयुक्त रूप में 60 हजार रुपये सौंपें। मौके पर अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत बैठा, सहायक अध्यापक संघ के अध्यक्ष पुरन महली, सचिव अनिल कुमार महतो, रविंद्र कुमार, विद्यासागर महतो, कमला देवी, शिक्षक राजेंद्र बेदिया, प्रदीप सिंह मुंडा, हरेकृष्ण महतो, मनोज सिंह मुंडा, योगेंद्र महतो,आदि मौजूद थे। ज्ञात हो कि सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) पुष्कर सिंह मुंडा का 24 फरवरी को आकस्मिक निधन हो गया था।

संक्षिप्त

सेल सेट के सोलर पीवी सिस्टम का उद्घाटन

रांची। सेल सेट के इस्पात एक्जीक्यूटिव होस्टल में लगाये गये 40 किलोवाट सोलर पीवी सिस्टम का शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन सेल के निदेशक (टेक्निकल, प्रोजेक्ट्स एवं रॉ मैटीरियल्स) मनीष राज गुप्ता ने किया। उद्घाटन समारोह की मेजबानी ईडी (सेट) श्रवण कुमार वर्मा ने की।
उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में ईडी (एसएसओ) अनूप कुमार, ईडी (डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन) वेद प्रकाश, ईडी (आरडीसीआईएस) संदीप कर एवं सेल रांची यूनिट के सभी मुख्य महाप्रबंधक शामिल थे।
यह सोलर पीवी सिस्टम इस्पात एक्जीक्यूटिव होस्टल के ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणीकरण का एक हिस्सा है। इस सोलर सिस्टम के लगने से ग्रिड द्वारा ली गई विद्युत ऊर्जा में बहुत कमी आ गई है। वातावरण शुद्धिकरण के लिए सेल सेट द्वारा लिया गया यह पहल काफी सराहनीय है।

पेट्रोलियम डीलर्स रांची जिला परिवहन पदाधिकारी से मिले

रांची। पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन साउथ छोटानागपुर का प्रतिनिधिमंडल ने राजहंस मिश्रा के नेतृत्व में रांची जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार से मुलाकात की। लंबित डीटीओ लाइसेंस के नवीनीकरण, प्रदूषण जांच केंद्र में हो रही समस्या, नो हेलमेट-नो पेट्रोल के आदेश को अनुपालन कराने में हो रही दिक्कत समेत अन्य समस्याओं से अवगत कराया।
प्रतिनिधि मंडल में नीरज भट्टाचार्य, सुदीप तिग्गा, कमलेश सिंह, कुशध्वज नाथ शाहदेव, प्रमोद कुमार, निपुण मृणाल, नरेंद्र कुमार शामिल थे।

जिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 20 मार्च से

रांची : रांची जिला वॉलीबॉल संघ के तत्वावधान में रांची जिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 20 मार्च 2025 से किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले में वॉलीबॉल खेल को बढ़ावा देना और प्रतिभावान खिलाड़ियों को चयनित करना है। इस प्रतियोगिता में केवल रांची जिले की टीमें ही भाग ले सकती हैं। इच्छुक टीमें निम्नलिखित पदाधिकारियों से संपर्क कर 18 मार्च 2025 तक अपनी प्रविष्टियां जमा कर सकती हैं। प्रतियोगिता के सभी मैच ऑक्सीजन पार्क स्थित वॉलीबॉल मैदान में आयोजित किए जाएंगे।
इस आयोजन के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर श्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा, जो आगे जिले का प्रतिनिधित्व करने के अवसर प्राप्त करेंगे। रांची जिला वॉलीबॉल संघ सभी खेल प्रेमियों एवं संबंधित टीमों से आग्रह करता है कि वे अधिक से अधिक संख्या में प्रतियोगिता में भाग लें और इस आयोजन को सफल बनाएं।

राज्यपाल से विधायक ने की योजनाओं में गड़बड़ी की शिकायत, कार्रवाई का आग्रह

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने राज भवन में 2 मार्च को भेंट की। विधायक ने पलामू जिले की विभिन्न योजनाओं में हुई अनियमितताओं के संबंध में अवगत कराते हुए विधिसम्मत कार्रवाई के लिए ज्ञापन सौंपा।
राज्यपाल को ज्ञापन के माध्यम से बताया कि मेसर्स सिलदिलिया कंस्ट्रक्शन्स, स्टेशन रोड, रेड़मा, वार्ड नं-15, डाल्टनगंज, पलामू द्वारा पांकी प्रखंड के अंतर्गत ढूब-छतरपुर मार्ग में निमार्णाधीन पुल ध्वस्त हो जाने के मामले में ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा 23 जुलाई, 2021 को उच्चस्तरीय जांच दल का गठन किया गया था। मुख्यमंत्री के अनुमोदन से गठित जांच समिति को संयुक्त जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करना था, लेकिन साढ़े तीन वर्षों के बाद भी यह प्रतिवेदन समर्पित नहीं किया जा सका।
सहायक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, डाल्टनगंज के (पत्रांक : 01, दिनांकः 13/01/2025) के द्वारा कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, डाल्टनगंज

को मेसर्स सिलदिलिया कंस्ट्रक्शन्स द्वारा की जा रही योजनाओं में अनियमितता के संबंध में पत्र लिखा गया। सहायक अभियंता के पत्र के आलोक में कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, डाल्टनगंज के (पत्रांकः 93, दिनांक : 13/01/2025) के द्वारा संवेदक को पत्र लिखा गया, परन्तु स्थिति यथावत है।
ज्ञापन के माध्यम से यह भी अवगत कराया गया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-ककक और एफडीआर योजना के तहत पलामू जिले में लिए गए 5 कार्यों की खराब स्थिति और अपूर्णता को लेकर उपायुक्त ने 13 दिसंबर 2024 को ग्रामीण कार्य विभाग को पत्र लिखा था। इसके बावजूद अब तक दोषी संवेदक के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।
विधायक के मुताबिक 'जल जीवन मिशन योजना' के तहत निर्मित लघु पेयजलापूर्ति योजनाओं में भी गंभीर वित्तीय अनियमितताएं सामने आई हैं। कार्यपालक अभियंता, मेदिनीनगर प्रमंडल के 6 नवंबर, 2024 के प्रतिवेदन के अनुसार, कुल 63 क्लस्टर सब-क्लस्टर योजनाओं में कई अपूर्ण कार्यों को पूर्ण दिखाकर भुगतान कर दिया गया है। क्लस्टर-86 में 1.80 करोड़ रुपये का कार्य दर्शाकर एफएचटीसी लक्ष्य 1302 के विरुद्ध 1305 पूर्ण दिखाया गया, जबकि एकरारनामे की राशि 4.718 करोड़ रुपये है। विधानसभा रिपोर्ट में 935 एफएचटीसी पूरा बताया गया है, जिससे विभागीय रिपोर्ट और वास्तविकता में भारी भिन्नता स्पष्ट होती है।
मनातू और तरहसी प्रखंडों में भी कई योजनाएं अधूरी हैं, लेकिन उन्हें 100 प्रतिशत पूर्ण दिखाकर भुगतान किया गया है। कई स्थानों पर बोरिंग नहीं हुआ, कुछ जगहों पर केवल नींव बनाई गई और कुछ अधूरी संरचनाएं छोड़ दी गईं। इसके कारण स्थानीय जनता अब भी शुद्ध पेयजल से वंचित है और दूषित जल पीने को मजबूर है।
राज्यपाल से विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने सभी मामलों की निष्पक्ष और गहन जांच कर दोषी संवेदकों और अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करने की पहल करने का आग्रह किया, ताकि ग्रामीण जनता को त्वरित न्याय मिल सके।

आईसीएआई की रांची शाखा के पदधारियों ने राज्यपाल से की मुलाकात

रांची। दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की रांची शाखा के नवनियुक्त पदधारी और कार्यकारिणी सदस्यों ने 3 मार्च को राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की। इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष सीए अभिषेक केडिया के इसका नेतृत्व किया। मुलाकात में सीए अभिषेक केडिया ने राज्यपाल को बताया कि रांची शहर सीए कोर्स के अध्ययन के लिए विद्यार्थियों के बीच एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। रांची शाखा सीए विद्यार्थियों के लिए आवश्यक आईटी और सॉफ्ट स्किल की ट्रेनिंग के साथ-साथ परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार मॉक टेस्ट, विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों की सलाह, विभिन्न विषयों पर सेमिनार, कांफ्रेंस, टैलेंट सर्च, स्पोर्ट्स आदि कराती है।
अध्यक्ष ने बताया कि चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के लिए विभिन्न विषयों पर सेमिनार, वर्कशॉप, नेशनल

कांफ्रेंस आदि देश के नामी विशेषज्ञों के सानिध्य में कराया जाता है। उन्होंने बताया कि एक वाणिज्यिक विशेषज्ञ के रूप में राज्य और देश के विकास में भी चार्टर्ड एकाउंटेंट्स महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान रांची शाखा के उपाध्यक्ष सीए अनीश जैन, कोषाध्यक्ष सीए विवेक खोवाल, सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए दिलीप कुमार और सीपीइ कमेटी के अध्यक्ष सीए हरेन्दर भारती मौजूद थे।

गुरुनानक सेवक जत्था ने जरूरतमंद बच्चों के बीच बांटा स्कूल बैग

रांची। गुरुनानक सेवक जत्था के सदस्यों ने रांची-डालटनगंज मार्ग पर स्थित मांडर प्रखंड के मुड़मा गांव में जरूरतमंद बच्चों के बीच स्कूल बैग का वितरण 3 मार्च को किया। जत्था के सदस्य चार पहिया वाहन में स्कूल बैग लेकर रांची से 28 किलोमीटर दूर मुड़मा गांव सुबह नौ बजे पहुंचे। वहां ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से बच्चों को कतार में खड़ा कर उनके बीच एक एक कर बैग बांटे गए। स्कूल बैग पाते ही बच्चों के चेहरों पर मुस्कान छा गई। ग्रामीणों ने इस तरह के पुनीत कार्य करने के लिए जत्था की प्रशंसा की और उनका आभार जताया।
संस्था के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि जत्था द्वारा इस तरह के सामाजिक कार्य पिछले पंद्रह वर्षों से लगातार किए जा रहे हैं। जत्था द्वारा अनाथ आश्रम, वृद्धा आश्रम के अलावा दूर दराज के गांव के जरूरतमंद बच्चे को समय-समय पर जाकर उनकी जरूरत की वस्तुएं उन्हें उपलब्ध कराई जाती है।
स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम में जत्था के सूरज झंडई, हर्ष सरदाना, आयुष पपनेजा, राहुल दुआ, वंश डावरा, गीत सचदेवा, ऋषभ शर्मा, छोटू सिंह एवं अमन डावरा शामिल थे।

मुख्यमंत्री से मिला शिक्षक संघ, एमएसीपी लागू करने का आग्रह

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से 3 मार्च को मिला। विधानसभा के मुख्यमंत्री कक्ष में हुई इस मुलाकात में शिक्षक प्रतिनिधियों ने सरकार द्वारा राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा लागू करने के लिए मुख्यमंत्री को आभार ज्ञापित किया। आश्रित सहित कर्मियों को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदान करने के कदम को सरकार का ऐतिहासिक निर्णय बताया।
शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री को पुनः शिक्षकों के लिए संशोधित सुनिश्चित वृत्ति उन्नयन योजना (एमएसीपी) लागू करने की मांग की और

स्वास्थ्य बीमा लागू करने के लिए सीएम को दिया आभार

ध्यानाकृष्ट कराया। इस क्रम में मुख्यमंत्री को बताया गया कि इस मामले में प्रारंभिक कार्य शिक्षा विभाग द्वारा पूर्ण कर लिया गया है। संघीय प्रतिनिधियों, वित एवं कार्मिक विभाग के साथ बैठक कर आवश्यक विमर्श का कार्य भी शिक्षा विभाग द्वारा किया जा चुका है, लेकिन अब तक इसके आगे की कार्रवाई लंबित है। इसे पूर्ण कराए जाने की सरकार से अपेक्षा है।
मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार सदैव ही राज्यकर्मियों के हितों का संरक्षण करने के लिए तत्पर रही है। आगे भी सकारात्मक भाव से आप सबों की मांगों पर कार्रवाई की जाएगी। शिक्षकों के लिए एमएसीपी की स्वीकृति प्रदान करने का विषय उनके संज्ञान में है।

संयुक्त शिक्षक मोर्चा ने ईवीवी पोर्टल पर सचिव के समक्ष साक्ष्य रखा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश संयुक्त शिक्षक मोर्चा ने झारखंड उच्च न्यायालय में दायर याचिका पर न्यायालय के आदेश के आलोक में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सचिव उमाशंकर सिंह ने अपने कार्यालय कक्ष में मोर्चा के प्रतिनिधि को अपना पक्ष रखने के लिए 3 मार्च 2025 को आमंत्रित किया। इसके तहत मोर्चा के प्रदेश संयोजक अमीन अहमद, विजय बहादुर सिंह, जिला संयोजक सोमेश कुमार मिश्रा, प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार दास एवं संयोजक आशुतोष कुमार के साथ उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता सहदेव चौधरी कार्यालय कक्ष में उपस्थित हुए।
विभाग की ओर से विभागीय सचिव उमा शंकर सिंह, विशेष कार्य

आधार आधारित बायोमेट्रिक नियमावली 2015 राज्य के सभी शिक्षकों के लिए लागू करने की मांग

पदाधिकारी मुकेश कुमार सिन्हा, प्रशासी पदाधिकारी सच्चिदानंद द्विवेंदु तिग्गा मौजूद रहे। विभागीय सुनवाई में वरिष्ठ अधिवक्ता सहदेव चौधरी एवं मोर्चा के प्रदेश संयोजक अमीन अहमद ने आधार आधारित बायोमेट्रिक नियमावली-2015 के अनुरूप कई बातें सचिव के समक्ष रखीं।
शिक्षा सचिव ने मोर्चा के प्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिवक्ता के द्वारा प्रस्तुत तथ्यों एवं उपस्थापित नियमावली के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर न्यायादेश के अनुरूप अंतिम निर्णय लेने की बात कही।
इन बातों को रखा
बायोमेट्रिक नियमावली 2015 के अनुरूप विद्यालय में शिक्षकों को अपना हाजरी बनाने के लिए उच्च गुणवत्ता युक्त डिवाइस दिया जाय ना कि शिक्षकों को निजी मोबाईल से बायोमेट्रिक अटेंडेंस बनाने के लिए बाध्य किया जाय।
नियमावली 2015 के अनुरूप नेटवर्क अथवा अन्य तकनीकी कारणों जैसे फिंगर नोट मैच्ड, आउट ऑफ कैंपस दशार्ने, मोबाईल हैंग होना आदि समस्या के समाधान के लिए नियमानुकूल ऑफलाईन व्यवस्था को लागू रखा जाय।
उक्त व्यवस्था की खामियों के फलस्वरूप निकासी सह व्ययन पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा विभिन्न जिलों एवं प्रखंड के शिक्षकों को भयादोहन करने पर प्रकाश डाला गया।

गंधहीन, रंगहीन और दिशाहीन बजट : रघुवर दास

युवाओं और किसानों के लिए बजट में कुछ भी नहीं : अमित मंडल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने बजट की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे गंधहीन, रंगहीन और दिशाहीन बजट करार दिया है। रघुवर दास का मानना है कि यह बजट राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने में विफल रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बजट में किसानों और ग्रामीणों की उपेक्षा की गई है, जो सबसे अधिक निराश है।
बजट पर सवाल उठाते हुए कहा कि 2030 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को 10 लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन सरकार ने यह नहीं बताया है कि यह लक्ष्य कैसे हासिल किया जाएगा, रघुवर दास ने यह भी पूछा है कि क्या झारखंड सरकार 15 प्रतिशत के दर से विकास दर प्राप्त करने में सफल होगी, इस बजट से किसान और ग्रामीण सबसे अधिक निराश हुए हैं क्योंकि किसानों की ऋण माफी पर सरकार चुप है।
भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक अमित मंडल ने बजट पर राज्य सरकार को घेरा। मंडल ने यह भी कहा कि राज्य सरकार को सीएजी द्वारा उठाये मामले में 19132 हजार करोड़ का जवाब देना चाहिए।
उन्होंने कहा कि 1.36 लाख करोड़ का राज्य सरकार रोना बंद करे। उन्होंने कहा कि सच्चाई ये भी है कि झारखंड कोयला प्रोडक्शन में तीसरे स्थान पर है। बावजूद इसके केंद्र सरकार की ओर से झारखंड को मिलने वाला राजस्व सर्वाधिक 22 प्रतिशत है।
मंडल सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड के जीडीपी में सेकेंडरी सेक्टर का योगदान सर्वाधिक है और केंद्र की योजनाएं इसमें समाहित है जैसे

एयरपोर्ट, रेल, हाईवे, सेज निर्माण आदि। उन्होंने कहा कि युवाओं और किसानों के लिए इस बजट में कुछ भी नहीं है।
उन्होंने कहा कि सात गारंटी में कोई गारंटी सरकार पूरा नहीं कर पाई है। न धान क्रय में 3200 रुपये एमएसपी मिला, न 450 रुपये में सिलेंडर मिली, न सात किलो अनाज मिला और ना ही हर जिले में मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने की बात हुई।
उन्होंने कहा कि राजस्व खर्च सरकार ने 20.1 प्रतिशत पिछले बजट की तुलना में बढ़ाया, वहीं पूंजीगत खर्च मात्रा 7.81 प्रतिशत ही बढ़ा। उन्होंने कहा कि सरकार भविष्य में इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण नहीं कर पाएगी। राजस्व खर्च को पूरा करने के लिए और अधिक कर्ज लेगी जो राज्य के अर्थव्यवस्था के हित में ठीक नहीं होगा।
उन्होंने कहा कि सरकार बजट की राशि को खर्च करने के बजाये सरेंडर करवा रही है जिससे सरकार को योजनाओं को धरातल पर उतरने में रुचि नहीं दिख रही।
उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान की राशि 13000 करोड़ भी कम है। 57 लाख महिलाओं के लिए 17000 करोड़ का प्रावधान करना चाहिए था और यदि तीन महीनों का बकाया मिला लिया जाए तो 4200 करोड़ और प्रावधान करना चाहिए था जो नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि बजट से जनता में निराशा हुई है।
प्रेसवार्ता में अशोक बड़ाइक, जेपी शर्मा, सीए राजकुमार भी उपस्थित थे।
इससे पूर्व भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के द्वारा प्रदेश कार्यालय में झारखंड बजट भाषण को सुना गया। अध्यक्षता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक जेपी शर्मा ने की।

सिंगल विंडो सिस्टम की समीक्षा अच्छी सोच : चेंबर

रांची। राज्य सरकार के बजट पर चेंबर ने मिली जुली प्रतिक्रिया दी है। चेंबर ने कहा कि बजट में सिंगल विंडो सिस्टम की समीक्षा अच्छी सोच है। कहा गया है कि वर्तमान में चल रहा सिंगल विंडो सिस्टम होना न होना बराबर है।
चेंबर के अध्यक्ष परेश गट्टानी ने कहा कि सरकार ने उन छोटे-छोटे कारणों जिससे उद्योगों की स्थापना में दिक्कतें आ रही थी उसे कुछ हद तक चिन्हित करने की कोशिश बजट के जरिए की है। सरकार ने बजट के माध्यम से आगामी वर्ष में 20 हजार करोड़ रुपए के निवेश की बात कही है। यह स्वागतयोग्य है।
वित मंत्री ने राज्य के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित योजनाएं कार्यान्वित करने की प्रतिबद्धता दिखाई है। यह होना ही चाहिए क्योंकि वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्र में आधारभूत संरचना को अभाव है। औद्योगिक क्षेत्रों को मॉडल क्षेत्र के रूप में विकसित करने की पहल होनी चाहिए ताकि नये निवेशक इससे संतुष्ट हो सकें।
चेंबर के उपाध्यक्ष राहुल साबू ने कहा कि झारखंड सरकार की ओर से प्रस्तुत बजट 2025-26 संतुलित, प्रगतिशील और विकासोन्मुखी है, जो राज्य के औद्योगिक, व्यापारिक और सामाजिक विकास को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि यह बजट उद्योगों और एमएसएमई को प्रोत्साहित करने, आधारभूत संरचना को मजबूत बनाने, लॉजिस्टिक्स और परिवहन सुविधाओं में सुधार लाने, स्टार्टअप्स और नवाचार को बढ़ावा देने तथा कृषि आधारित उद्योगों को सशक्त करने पर केंद्रित है।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन के लिए पोर्टल का शुभारंभ

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (आरटीई) के तहत अब रांची जिला में ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने 3 मार्च, 2025 को आरटीई पोर्टल का शुभारंभ किया। समाहरणालय स्थित एनआईसी सभागार में पोर्टल के ऑनलाइन शुभारंभ के दौरान उपविकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रांची श्रीमती उर्वशी पांडेय एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।
मान्यता रद्द करने की होगी अनुशंसा
रांची जिला में आरटीई के तहत नामांकन के लिए नियमों का अनुपालन नहीं करनेवाले स्कूलों पर

- 04 से 31 मार्च तक होगा ऑनलाइन आवेदन
- नामांकन के लिए रांची के 121 स्कूल पंजीकृत

कार्रवाई की जायेगी। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा शिकायत मिलने पर स्कूलों की मान्यता रद्द करने के लिए बोर्ड से अनुशंसा की जायेगी।
ये है ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया
नामांकन की पूरी प्रक्रिया जिले की वेबसाईट पर ऑनलाईन पूरी की जायेगी। संबंधित माता-पिता/अभिभावकों को वेबसाईट पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा।
रजिस्ट्रेशन उपरात संबंधित वेबसाईट पर पूरा फॉर्म ऑनलाइन भरा जाना है। फॉर्म भरने के क्रम में माता-पिता/अभिभावक वेबसाईट पर

अंकित विद्यालयों की सूची में से अपने आवास के आस-पास निर्धारित दूरी में अवस्थित तीन विद्यालयों का नाम अंकित कर सकेंगे। ऑनलाइन रैंडमाइज करने के क्रम में फॉर्म में अंकित किसी भी एक विद्यालय में चयन हो सकता है। निर्धारित सीट से अधिक संख्या में आवेदन होने पर किसी भी विद्यालय में चयन नहीं भी हो सकता है।
फॉर्म भरने के क्रम में जहां से फॉर्म भरा जायेगा, उसका ऑनलाइन लोकेशन वेबसाईट पर स्वतः अंकित हो जायेगा। यदि माता-पिता/अभिभावक प्रज्ञा केन्द्र अथवा साईबर कैफे के सहयोग से आवेदन करेंगे तो उन्हें अपने घर का वास्तविक लोकेशन गूगल मैप पर सेलेक्ट करना होगा। संबंधित प्रखंड का गूगल मैप फॉर्म मरने के क्रम में अपने आप खुल जायेगा। सावधानीपूर्वक अपने घर का लोकेशन चिन्हित करने की जवाबदेही माता-पिता/अभिभावक की होगी।
फॉर्म भरने के बाद संबंधित दस्तावेज एवं बच्चे का फोटोग्राफ वेबसाईट पर अपलोड करना है। जन्म प्रमाण पत्र एवं अंचलाधिकारी से निर्गत आय प्रमाण-पत्र (सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय 72 हजार रुपये से कम हो) को भी अपलोड किया जाना है। उपरोक्त प्रमाण पत्रों की ऑनलाइन जांच संबंधित सक्षम प्राधिकार के द्वारा इसी वेबसाईट पर किया जायेगा। गलत जानकारी अथवा तत्थों को छुपाना अथवा गलत दस्तावेज अपलोड करने की स्थिति में जांच के क्रम में नामांकन की प्रक्रिया के किसी भी समय आवेदन को निरस्त कर दिया जायेगा, जिसकी समस्त जवाबदेही माता-पिता/अभिभावक की होगी।
निर्धारित आरक्षित सीट से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में संबंधित गेबासाईट के माध्यम से रैंडमाइज करते हुए लॉटरी के माध्यम से अंतिम चयन पूर्ण किया जायेगा जो सभी को मान्य होगा।
अंतिम रूप से वयनित सूची विद्यालय संबंधित वेबसाईट पर विद्यालय के लॉग-इन में उपलब्ध होगी जिसे विद्यालय के प्राचार्य द्वारा नामांकन उपरांत ऑनलाइन अद्यतन किया जायेगा।

15 अप्रैल को की जाएगी लॉटरी

पोर्टल के लॉन्चिंग के दौरान उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने बताया कि आरटीई के तहत 4 से 31 मार्च, 2025 तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। इस दौरान पोर्टल के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कर डॉक्यूमेंट अपलोड किया जा सकेगा। डॉक्यूमेंट का वेरिफिकेशन 10 अप्रैल को होगा और 15 अप्रैल 2025 को ऑनलाइन लॉटरी की जायेगी। रांची जिला में आरटीई के तहत नामांकन के लिए 121 स्कूलों को पंजीकृत किया गया है।

संक्षिप्त

झारखंड के विकास को नई गति देने वाला बजट : निसार

हजारीबाग। जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान ने 2025-26 वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर द्वारा पेश किए गए वित्तीय अबुआ बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट पिछले वित्तीय वर्ष से 13% अधिक का है। इसी से यह सिद्ध होता है कि वर्तमान सरकार झारखंड में जन कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए कितनी प्रतिबद्ध है। इस बजट में झारखंड की बेटियों, झारखंड के किसानो, झारखंड के उद्यमी, झारखंड के युवा विद्यार्थियों सभी का ध्यान रखा गया है और सभी को केंद्र में रखकर सर्वस्पर्शी और समावेशी बजट तैयार किया गया है। यह बजट झारखंड को विकास की नई गति देने वाला बजट हैं। उन्होंने बजट के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर के प्रति आभार व्यक्त किया।

परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करने पहुंचे जैक मेम्बर

पलामू। पांकी प्रखंड में सोमवार को वार्षिक माध्यमिक एवं इंटर परीक्षा 2025 में परीक्षा केंद्र का निरीक्षण के लिए जैक मेंबर डॉ प्रसाद पासवान ने पांकी के राजकीय कृत कन्या मध्य विद्यालय, बुनियादी विद्यालय, प्रोजेक्ट नारायण हरिवंश बालिका विद्यालय, फ.ड +2 उच्च विद्यालय, मजदूर किसान इंटर महाविद्यालय डंडार कला में परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। जैक मेंबर डॉ प्रसाद पासवान ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण ढंग से पाया गया। मौके पर परीक्षा केंद्र कन्या मध्य विद्यालय के केन्द्रधीक्षक अमित कुमार गुप्ता, उपकेंद्रधीक्षक राम प्रसाद मिश्र,केंद्र मजिस्ट्रेट इंद्रदेव यादव,पांकी थाना ए.एस.आई श्याम लाल यादव, परीक्षा केंद्र विक्षक संजीव कुमार, ओम प्रकाश कुमार, शैलेंद्र कुमार यादव, सतीश कुमार, मो. इम्तियाज अहमद, सुरेंद्र सिंह, जितेंद्र यादव, रंजीत पांडे, राहुल चक्रवर्ती सहित कई शिक्षक उपस्थित थे।

घरेलू विवाद से आहत महिला ने खाया जहर, इलाज के दौरान मौत

लातेहार। जिले के बालुमाथ थाना क्षेत्र के मुरगांव में पारिवारिक तनाव एक महिला की जान ले बैठा। घरेलू विवाद से आहत महिला, फोटोइया देवी, ने जहर खा लिया, जिसके बाद उसकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी। परिजन तुरंत हरकत में आए और उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बालुमाथ ले गए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। महिला की हालत नाजुक देख चिकित्सक अलीशा टोप्पो ने उसे सदर अस्पताल, लातेहार रेफर कर दिया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी स्थिति और खराब हो गई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। इस घटना से गांव में मातम छा गया है।

बाइक-ट्रैक्टर की टक्कर में परीक्षार्थी की मौत

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के गंगपाचो पंचायत के ढोढ़ीया पूल के नजदीक एक ट्रैक्टर व बाइक के टक्कर से एक मैट्रिक के परीक्षार्थी की घटनास्थल पर मौत हो गई है, दूसरा गंभीर रूप से घायल है। चुगलामो निवासी मृतक रोहित कुमार, पिता-अर्जुन महतो, एवं घायल दूसरा लड़का राहुल कुमार, पिता मंटू महतो है। दोनों का घर ग्राम चुगलामो, पोस्ट चुगलामो, थाना बरकट्ठा है। मौके वारदात पर बरही डीएसपी अजित कुमार विमल, इंस्पेक्टर इमदाद अंसारी, थाना प्रभारी राजेश कुमार भोगता व जिला परिषद सदस्य कुमकुम देवी के द्वारा परिजनों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है।

नकटीझरिया गांव में पहुंची सोलर पैनल से बिजली

गुमला। जिला प्रशासन,गुमला के पहल पर रायडीह ब्लॉक के पीभीटीजी गांव नकटिझरिया में सोलर पैनल लगवाया गया है। यह सोलर पैनल 25 केवी का है। जिससे कि गांव के दो टोले के कुल 40 घरों के लोग अब बिजली की सुविधा ले सकेंगे। यह गांव सुदूर इलाके में होने के कारण यहां तक बिजली की सुविधा अबतक नहीं पहुंच सकी थी। किंतु उपायुक्त महोदय के पहल पर नकटिझरिया गांव में सोलर पैनल लगवा कर ग्रामीणों को बिजली की सुविधा दी गयी।

श्री श्याम रंगीलो फाल्गुन निशान यात्रा दिव्य वातावरण में संपन्न

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। अग्रवाल युवा मंच द्वारा आयोजित श्री श्याम रंगीलो फाल्गुन निशान यात्रा सोमवार को भव्य, ऐतिहासिक और दिव्य वातावरण में संपन्न हुई। नगर भर में भक्तिमय उल्लास और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। यात्रा राणी सती मंदिर प्रांगण से शुरू होकर शहर के विभिन्न चौक-चौराहों से होती हुई पुनः मंदिर परिसर में समाप्त हुई।

- जय श्री श्याम के जयकारों से गूंज उठा शहर
- जगह-जगह पर लोगों ने किया भव्य निशान यात्रा का स्वागत, महिलाएं-पुरुष झूमते नजर आए

हजारों भक्तों की आस्था, भजन-कीर्तन की गूंज और पुष्पवर्षा ने इस आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया। पूरे शहर में जय श्री श्याम के उद्घोष, भजन-कीर्तन और फूलों की होली के बीच भक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के जयकारे लगाते हुए पूरे श्रद्धा भाव से निशान यात्रा में भाग लिया। जगह-जगह भक्तों ने श्री श्याम की भजन-कीर्तन किए और प्रसाद वितरण किया। नगर के विभिन्न चौक-चौराहों पर सामाजिक संस्थाओं, विभिन्न समाज के द्वारा भव्य स्वागत कर निशान यात्रा का पुष्पवर्षा से भव्य अभिनंदन किया इस पावन यात्रा में 251 महिला एवं पुरुष श्रद्धालु पवित्र निशान लेकर चले।

हजारों भक्तों ने बाबा श्याम की भक्ति में लीन होकर फूलों की होली खेलते हुए, भजनों पर झूमते हुए नगर भ्रमण किया। इस दौरान महिलाओं ने लाल-पीली साड़ी और पुरुषों ने कुर्ता-पायजामा धारण कर भक्ति भाव से बाबा श्याम का गुणगान किया। श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम की महिमा गाते हुए नृत्य, कीर्तन और भजनों का आनंद लिया। इस आयोजन ने बाबा श्याम के प्रति भक्तों की अनन्य श्रद्धा और प्रेम को दर्शाया।

यात्रा के दौरान बाबा श्याम की विशेष आरती का आयोजन किया गया, जिसमें कई भक्तों ने सहभागिता की। यात्रा के समापन पर प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने प्रेमपूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। यात्रा ने शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए धार्मिक उल्लास का अद्भुत वातावरण बनाया।

यात्रा का रूट निम्नलिखित रहा जिसमें राणी सती मंदिर से प्रारंभ होकर बड़ा अखाड़ा चौक, जादो बाबू चौक, महावीर स्थान, कुम्हार टोली, बजरंगी चौक, सेठ महुल्ला, पंच मंदिर चौक, मस्जिद रोड, बड़ा बाजार, बंशीलाल चौक, झंडा चौक होते हुए राणी सती मंदिर परिसर पहुंच कर समाप्त हुई. हर चौक-चौराहे पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा और भजन-कीर्तन के साथ यात्रा का स्वागत किया। अग्रवाल युवा मंच ने सभी श्याम प्रेमियों, नगरवासियों, प्रशासन और विभिन्न समाज तथा सामाजिक संगठनों का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बाबा श्याम की कृपा से यह आयोजन दिव्य रूप से संपन्न हुआ। हम सभी भक्तों के सहयोग से अगले वर्ष और भी भव्य रूप में इस आयोजन को आयोजित करने का संकल्प लेते हैं। आयोजकों ने यह विश्वास जताया कि बाबा श्याम की कृपा से अगले वर्ष यह आयोजन और भी अधिक भव्य और ऐतिहासिक रूप में आयोजित किया जाएगा।

गढ़वा में दिनदहाड़े 2.5 लाख की लूट, पीड़ित ने लुटेरे को दबोचा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। शहर के मेन रोड स्थित जवाहर भोजनालय के पास सोमवार को दिनदहाड़े दो अज्ञात लुटेरों ने एक राहगीर से 2.5 लाख रुपये लूट ली। इस दौरान पीड़ित ने साहस दिखाते हुए एक लुटेरे को पकड़ लिया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पकड़े गए लुटेरे की जमकर धुनाई की। पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई।

कैसे हुई लूट

जानकारी के अनुसार पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के रबदा गांव निवासी दिलीप चौधरी छत्तीसगढ़ जाने के लिए गढ़वा आए थे। वह रंका मोड़ के पास एक ऑटो से उतरे और बस स्टैंड की ओर पैदल जा रहे थे। इस दौरान जवाहर भोजनालय के पास एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक उनके पास पहुंचे और बहाने से

मोबाइल मांगा। दिलीप चौधरी ने जैसे ही मोबाइल दिया, दोनों लुटेरों ने उनके गले में टंगे बैग को रुपये समेत झपट लिया। मोटरसाइकिल तेज भगाने लगे।

पीड़ित ने दिखाई बहादुरी

घटना के बाद भी दिलीप चौधरी ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना लुटेरों की बाइक के पिछले हिस्से को पकड़ लिया। लुटेरे बाइक की गति बढ़ाने लगे, जिससे दिलीप नीचे गिर गए, लेकिन उन्होंने बाइक को नहीं छोड़ा। कुछ दूर तक घसीटे जाने के बाद बाइक असंतुलित होकर गिर गई। इसी दौरान एक लुटेरा फरार हो गया, लेकिन दिलीप ने दूसरे लुटेरे को दबोच लिया।

लोगों ने कर दी धुनाई

घटना के तुरंत बाद मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। उन्होंने पकड़े गए लुटेरे को जमकर पीटा और पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों के सहयोग से पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और उसे गिरफ्तार कर थाने ले गई।

पुलिस कर रही जांच

इस संबंध में थाना प्रभारी बृज कुमार ने बताया कि लूट की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। एक आरोपी को पकड़ लिया गया है। फरार लुटेरे की तलाश जारी है। हालांकि, अब तक पीड़ित द्वारा लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जल्द ही, पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा।

हाइवा की चपेट में आकर चालक की मौत मुआवजे की मांग पर की सड़क जाम

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लातेहार। मगध कोलियरी में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 45 वर्षीय हाइवा चालक पुनीत राम की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब पुनीत राम कोयला लोड करने के बाद अपने वाहन से नीचे उतरे थे। इसी दौरान एक अज्ञात हाइवा ने उन्हें कुचल दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनका सिर और शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। मृतक चतरा जिले के सिमरिया प्रखंड स्थित दाड़ी गांव का निवासी था।

घटना की खबर मिलते ही मौके पर मौजूद अन्य हाइवा चालकों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया, जिससे सीसीएल का कोयला परिवहन पूरी तरह ठप हो गया। चालकों का कहना था कि मृतक के परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता दी जाए और दोषी वाहन चालक की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

सूचना मिलते ही बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि मामले की गहराई से जांच की जाएगी। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि अज्ञात हाइवा और उसके चालक की पहचान की जा सके। घटना के बाद से कोलियरी क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

विभिन्न कानूनों के प्रति सजग करने के लिए चल रहा जागरूकता अभियान

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चांडिल। जिला विधिक सेवा प्राधिकार सरायकेला की ओर से 90 दिवसीय जागरूकता एवं आऊरीच अभियान के तहत राजकीयकृत बामनी मध्य विद्यालय, केतूंगा के विद्यार्थियों एवं शिक्षक के साथ पीएलवी ने नीमडीह प्रखंड के बाँधटाँड ग्राम में प्रभात फेरी निकाली। इस अवसर डीएलएसए के पीएलवी शुभंकर महतो जानकारी देते हुए कहा कि उक्त अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में जादू-टोना, नशीली दवाओं की लत और साइबर अपराध जैसे खतरों के प्रति जागरूकता फैलाना है, ताकि लोग इन खतरों से बच सकें और सुरक्षित रह सकें।

इसके अतिरिक्त पीएलवी ने विद्यार्थी को बाल विवाह, बाल श्रम, डायन प्रथा, मौलिक अधिकार आदि कानूनी जानकारी दी। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक कल्याण राय, गंगाधर सिंह, पीएलवी स्नेहलता महतो, साधन महतो, भरत दास, मंटू महतो, सिमा महतो डिलिसा महतो , मनिमेस मंडल, नयन सिंह, रचित सिंह, अनिल कपूर कालिंदी सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएँ उपस्थित हुए।

संस्कृतिक कार्यक्रम कोलोसियम से कॉलेज परिसर हुआ गुलजार

- संस्कृतिक नृत्य, रैंप वॉक, गायन एवं फैशन शो का अद्भुत अभिलक्षण प्रस्तुत कर छात्रों ने सभी का लिया मन मोह
- संस्कृतिक कार्यक्रम से समाज में एकता और सामाजिकता का भाव-जागृत होता है : डॉ प्रवीण श्रीनिवास

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल में दीक्षांत समारोह के उपरांत रविवार की रात्रि संस्कृतिक कार्यक्रम 'कोलोसियम- 2025' का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य रूप से फिजिशियन डॉ विजय शंकर, डॉ वाई जगी, सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास, परी फाउंडेशन के निदेशक रोली गुप्ता, डेंटल कॉलेज के प्राचार्य के श्रीकृष्ण एवं उप प्राचार्य डॉ अंकुर भार्गव सहित कई गणमान्य लोग हुए।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलित एंव अतिथि अभिवादन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। संस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों ने एक से बढकर एक प्रस्तुति दिया। दर्शक दीर्घा में उपस्थित लोगों का मंत्रमुग्ध कर दिया। संस्कृतिक कार्यक्रम से कॉलेज परिसर सरोबार रहा। संस्कृतिक नृत्य, रैंप वॉक, गायन एवं फैशन शो का अद्भुत अभिलक्षण प्रस्तुत कर छात्रों ने सभी का मन मोह लिया।

जिसमें फाइनल ईयर यूजी बीडीएस बैच 2021-2025 के छात्रों ने संस्कृतिक कार्यक्रम में विजेता रहे। अतिथियों ने स्मृति चिन्ह के साथ छात्रों को सम्मानित किया। उनकी उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की। डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने अपने संबोधन में कहा कि संस्कृति के प्रति जागरूकता व एकता और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने हेतु संस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

संस्कृतिक कार्यक्रम से समाज में एकता और सामाजिकता का भाव-जागृत होता है। अपनी संस्कृति के संरक्षण और विविधता को बढावा मिलता है। उन्होंने कहा कि समाज में समाजिकता एवं एकता का अटूट का बंधन स्थापित होता है।

झामुमो की संगठनात्मक मजबूती को लेकर मनिका में बैठक, पंचायत स्तर पर कमेटी गठन पर जोर

मनिका/लातेहार । झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की संगठन को मजबूती देने के लिए सोमवार को मनिका स्थित पार्टी कार्यालय में अहम बैठक आयोजित की गई। इस दौरान 15 पंचायतों में संगठन के विस्तार और नई समितियों के गठन पर गहन चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता झामुमो के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष सिकेश्वर राम ने की। बैठक में तय किया गया कि जल्द ही पंचायत स्तर पर अध्यक्ष और सचिव पद का चयन कर संगठन को और मजबूत किया जाएगा। झामुमो युवा नेता सकेंद्र बड़ा उरांव ने कहा कि पार्टी को बूथ से लेकर जिला स्तर तक संगठित करने के लिए पंचायत कमेटियों का गठन आवश्यक है।

स्वामी विवेकानंद सेंट्रल स्कूल के वार्षिक उत्सव में शामिल हुए विधायक

हजारीबाग। जिले के टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र के झरपो में संचालित प्लस टू स्वामी विवेकानंद सेंट्रल स्कूल में वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ। बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव ने दीप प्रज्वल्लित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में यह विद्यालय बच्चों का भविष्य गढ़ रहा है। विधायक ने शिक्षकों से बच्चों को शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार देने की बात कही। साथ ही विद्यालय के छात्रों द्वारा विभिन्न कलाओं के प्रतिभागी बच्चो को शुभकामनाएं दिया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विधायक ने कहा शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास और सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय के निदेशक विजय प्रसाद, निलू रानी एवं समस्त विद्यालय परिवार को इस सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने राज्य सरकार के बजट को बताया दिशाहीन, जनता के साथ छलावा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। भारतीय जनता पार्टी से हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने राज्य सरकार द्वारा पेश किए गए वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट को पूरी तरह विफल और दिशाहीन करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट राज्य की जनता को भ्रमित करने और खोखले वादों से गुमराह करने वाला है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा की यह बजट पूरी तरह से जमीनी सच्चाई से कटा हुआ है। इसमें ना तो राज्य के युवाओं के लिए कोई ठोस योजना है, ना महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण पर ध्यान दिया गया है और ना ही राज्य की कानून-व्यवस्था को सुधारने के लिए कोई ठोस नीति बनाई गई है। सरकार केवल आंकड़ों की बाजीगरी कर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। विधायक ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार ने बेरोजगारी दूर करने के लिए कोई ठोस नीति नहीं बनाई। राज्य के हजारों शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं, लेकिन सरकार के बजट में उनके लिए कोई ठोस योजना नहीं है।

उन्होंने कहा कि सरकार की रोजगार सृजन योजनाएं केवल कागजों तक सीमित हैं और धरातल पर कुछ भी लागू नहीं किया जा रहा है। सरकार बार-बार नई योजनाओं की घोषणा करती है, लेकिन रोजगार सृजन के मामले में इसकी मंशा साफ नहीं दिखती। आज हजारों युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन सरकारी नौकरियों के दरवाजे उनके लिए बंद हैं। निजी क्षेत्रों में भी सरकार की उदासीनता के कारण निवेश नहीं हो रहा, जिससे बेरोजगारी की समस्या और गहराती जा रही है। विधायक

- यह बजट दिशाहीन और विफल है। सरकार ने युवा, महिलाओं और सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों की अनदेखी कर जनता को फिर से छलने का काम किया है : प्रदीप प्रसाद

प्रदीप प्रसाद ने कहा कि राज्य में महिला सुरक्षा की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं, लेकिन सरकार का इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के नाम पर केवल योजनाओं की घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका कोई असर नहीं दिखता। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार को ठोस नीति बनानी चाहिए थी, लेकिन बजट में इस दिशा में कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया है। महिलाओं को रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए जिस प्रकार की योजनाओं की जरूरत है, वह इस बजट में नहीं दिखती। विधायक ने कहा कि राज्य में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन बजट में कानून-व्यवस्था सुधारने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में लूट, हत्या, बलात्कार और भ्रष्टाचार की घटनाएं चरम पर हैं, लेकिन सरकार इससे आंख मूंदे बैठी है।विधायक ने कहा कि सरकार ने इस बजट में सिर्फ घोषणाओं और दावों की झड़ी लगाई है, लेकिन हकीकत में जनता के लिए इसमें कुछ भी नहीं है। पिछले वर्षों में भी सरकार ने कई लोकलुभावन योजनाओं की घोषणा की थी, लेकिन उन योजनाओं का लाभ किसी को नहीं मिला। अब फिर से नए वादों के साथ जनता को गुमराह किया जा रहा है। यह बजट सिर्फ दिखावे और प्रचार के लिए बनाया गया है, जो जनता के हितों को पूरी तरह नजरअंदाज करता है।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि भाजपा इस जनविरोधी बजट का पुरजोर विरोध करेगी और सरकार की नाकामियों को जनता के सामने लाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के हक की लड़ाई लड़ती रहेगी और सरकार की विफलताओं को सदन से लेकर सड़क तक उठाएगी। हम इस जनविरोधी बजट को स्वीकार नहीं करेंगे। भाजपा जनता के हक के लिए लड़ाई जारी रखेगी और सरकार से जवाब मांगेगी। अगर सरकार ने अपनी नीतियों में सुधार नहीं किया, तो भाजपा बड़े आंदोलन के लिए तैयार है।

संक्षिप्त

बैंक कर्मी को दी गई विदाई

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल स्थित एसबीआई की शाखा में वरीय सहायक के पद पर कार्यरत लक्ष्मण राम को को अवकाश प्राप्त करने पर बैंक परिसर में आयोजित समारोह में विदाई दी गई। मौके पर चीफ मैनेजर सुभाष प्रसाद सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मियों ने समारोह को संबोधित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा कहा कि बैंक में उनके साथ बिताये कार्यकाल को याद किया जाएगा। लक्ष्मण राम ने भी अपने अनुभवों को साझा किया। मौके पर डिप्टी मैनेजर मृत्युंजय कुमार, दुर्गा चरण दास, विनोद महाराज, एनके प्रसाद, विजय कुमार दास, अमित शर्मा, सलोनी चौहान, बबन राम, राकेश कुमार, सुरेश राम, क्रांति देवी, उदय सिंह आदि मौजूद थे।

केंद्रीय विद्यालय में कार्यशाला का आयोजन

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल स्थित केंद्रीय विद्यालय में सोमवार को एक दिवसीय शिक्षणशास्त्र अभ्यास विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन प्राचार्य डॉ बीआर डे ने दीप प्रज्वलित कर की। विद्यालय की एचएम विभा रानी श्रीवास्तव ने शिक्षणशास्त्र अभ्यास और क्रियान्वयन विषय पर शिक्षा के क्रियान्वयन, अतिरिक्त विषयों के पठन-पाठन, खिलौना आधारित शिक्षण, मूल्यांकन, कथा वाचन आदि विषयों पर सारगर्भित उद्बोधन दिया। विद्यालय ने संसाधन के रिसोर्सेज को सराहते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन शिक्षकों को नवीन जानकारी से अद्यतन रखते हैं और ऐसे कार्यक्रमों से शिक्षकों का सर्वांगीण विकास होता है। कार्यशाला का संचालन सारिका रानी और धन्यवाद ज्ञापन प्रभात कुमार ने किया। कार्यशाला में प्राइमरी के सभी शिक्षक मौजूद थे।

मजदूर संघ का होली मिलन 9 को

बोकारो। बोकारो इस्पात जनता मजदूर संघ की एक बैठक सोमवार को टू-टैंक गार्डेन, सेक्टर 3 में नवीन सिंह की अध्यक्षता में हुई, जिसमें सर्वसम्मति से सभी सदस्यों ने बोकारो इस्पात प्रबंधन को दिये गये मांग पत्र के आलोक में प्रबंधन के उदासीन रवैये पर दुख व्यक्त किया एवं आक्रोश रैली निकालने पर सहमति बनी। साथ ही, अगामी 9 मार्च को संघ की ओर से होली मिलन समारोह मनाने की सहमति बनी। यह कार्यक्रम संघ के कार्यालय-1155 /12 एफ में मनाया जाएगा।

समाहरणालय सभागार में जिला कौशल समिति की बैठक आयोजित

बेरोजगार युवक-युवतियों को स्वरोजगार से जोड़ने पर हुई चर्चा

आईटीडीए निदेशक ने कहा

जिले के युवाओं के हुनर और स्किल्स को ध्यान में रखते हुए एक कार्ययोजना तैयार की जाए

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

जमशेदपुर। जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल के निदेर्शानुसार समाहरणालय सभागार में जिला कौशल समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता परियोजना निदेशक आईटीडीए दीपांकर चौधरी ने की। बैठक में मुख्य रूप से जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगारपरक प्रशिक्षण देने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने पर चर्चा की गई।

परियोजना निदेशक आईटीडीए ने बैठक में कहा कि सरकार की योजनाएं न केवल युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर रही हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कौशल विकास योजना का मुख्य उद्देश्य जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को प्रशिक्षित करके उन्हें रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ना है।

स्थानीय नियोजन और स्वरोजगार के अवसर

बैठक में यह भी चर्चा की गई कि जिले में संचालित कौशल विकास केंद्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवक-युवतियों को स्थानीय नियोजन और स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जाएं। इसके साथ ही, ऑन जॉब ट्रेनिंग के विभिन्न पहलुओं पर भी विचार किया गया। बैठक में कौशल विकास से जुड़े विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने और क्षेत्रीय चुनौतियों पर विचार किया गया. इस संदर्भ में नियोजन पदाधिकारी, ट्रेनिंग पार्टनर और अन्य संबंधित लोग उपस्थित थे।

कार्ययोजना और प्रशिक्षण का महत्व

आईटीडीए निदेशक ने बैठक में कहा कि जिले के युवाओं के हुनर और स्किल्स को ध्यान में रखते हुए एक कार्ययोजना तैयार की जाए। साथ ही, उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकें। उन्होंने रोजगार मेला के माध्यम से युवाओं को नियोजित करने के लिए भी निर्देश दिए। परियोजना निदेशक आईटीडीए ने कौशल विकास प्लान 2045-25 के निर्माण और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश दिए. इस योजना के तहत स्थानीय जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण के नए सेक्टर और जॉब रोल का चयन करने पर विमर्श किया गया।

एसबीआई बोकारो थर्मल ने चार बीमा धारकों के आश्रितों को किया राशि का भुगतान

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल स्थित एसबीआई की शाखा द्वारा शाखा के ही चार खाताधारकों के आश्रितों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की राशि का भुगतान शाखा में ही कार्यक्रम आयोजित कर सोमवार को किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य चीफ मैनेजर सुभाष प्रसाद ने ग्राहकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना सभी खाताधारकों को 436 रुपये का भुगतान कर 50 वर्ष तक की आयु के प्रत्येक खाताधारक को प्रत्येक वर्ष के लिए लेना चाहिए। बीमा योजना के तहत किसी भी तरह से मृत्यु की स्थिति में तत्काल पूरी कागजी कार्रवाई पूरी कर दो लाख रुपए की राशि का भुगतान आश्रित को किया जाता है। इसी प्रकार दो हजार रुपया का भुगतान कर 40 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा का लाभ भी लिया जा सकता है। साथ ही बीस रुपये का भुगतान कर दो लाख रुपए का सुरक्षा बीमा का लाभ लिया जा सकता है। एसबीआई रीजनल ऑफिस बोकारो के चीफ मैनेजर दीपेश गोस्वामी ने कहा कि स्थानीय शाखा के चार खाताधारकों गोनियाटो निवासी स्व शंकर महतो, गोविंदपुर निवासी स्व बिरेंद्र साहू, सीसीएल गोविंदपुर कॉलोनी निवासी सुकेश कुमार महतो की मृत्यु होने पर तीनों की पत्नी क्रमशः मंजू देवी, मनीषा सुमन, प्रीति कुमारी तथा कंजकिरो निवासी तूकामणी पांडेय की पत्नी रेखा देवी की मौत पर उपरोक्त सभी के आश्रितों को चीफ मैनेजर सहित अन्य अतिथियों के द्वारा दो-दो लाख रुपए के चेक का भुगतान किया गया। मौके पर बोकारो के फिरोज अनवर, डिप्टी मैनेजर मृत्युंजय कुमार, दुर्गा चरण दास, बिनोद महाराज, अमित शर्मा, जेएसएलपीएस नावाडीह के मनोज कुमार, बैंक सखी संगीता कुमारी, राजेश चौधरी, बबन राम, उदय सिंह सहित कई कर्मी एवं लोग मौजूद थे।

बोकारो में शुरू हुआ अतिक्रमण हटाओ अभियान

13 आवासों को कराया खाली

बोकारो। सम्पदा न्यायालय, बोकारो द्वारा पारित आदेश के तहत सोमवार से बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन द्वारा अतिक्रमण पर आक्रमण अभियान प्रारंभ कर दिया गया। इस दौरान पहले दिन बीएसएल के 13 आवासों को अवैध कब्जे से खाली कराया गया। इस कार्रवाई में मजिस्ट्रेट धनंजय कुमार गिरि के साथ पुलिस बल और बीएसएल सुरक्षा विभाग की टीम की उपस्थिति रही। इस अभियान के दौरान सेक्टर-9 में कुल 13 आवास खाली कराए गए, जिनमें 09ए/ई/0585, 09ए/ई/0590, 09ए/ई/0748, 09ए/ई/1132, 09ए/ई/1270, 09ए/ई/1275, 09ए/ई/1277, 09ए/ई/1327, 09ए/ई/1484, 09ए/ई/1488, 09ए/डी/0189, 09ए/डी/0250 तथा 09ए/डी/0415 शामिल हैं।

डीवीसी चंद्रपुरा में एम1 स्तर के अधिकारियों का प्रशिक्षण प्रारंभ

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

चंद्रपुरा (बोकारो)। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के प्रशिक्षण संस्थान में डीवीसी में नव पदोन्नति पाए एम1 अधिकारियों को एक माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है।

डीवीसी के कार्यपालक निदेशक (ईंधन) संजय कुमार घोष, कोडरमा थर्मल पावर प्लांट के सीजीएम और परियोजना प्रधान मनोज कुमार ठाकुर, चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के वरिष्ठ महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान विजया नन्द शर्मा, वरिष्ठ महाप्रबंधक पीके मिश्रा, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के उप समादेष्टा नकुल कुमार वर्मा, डीवीसी प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक विनोद कुमार राय आदि ने दीप प्रज्वलित कर उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि डीवीसी में नव पदोन्नति अधिकारियों को आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस कर नेतृत्व से उन्हें पोषित करने और अपने कार्यकाल को मजबूत करने के लिए इन्हें प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम मानव संसाधन, वित्त, इंजीनियरिंग और अन्य सहित प्रमुख कार्यात्मक क्षेत्र में मूल्यवान साबित होगा। संबंधित अधिकारी प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने और योगदान के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस होंगे। यह प्रशिक्षण केवल जानकारी प्राप्त करने के बारे में नहीं, बल्कि डीवीसी में नेतृत्व और निर्णय लेने के लिए एक मजबूत आधार बनाने के लिए है।

शिक्षा और युवाओं के विकास की दिशा में बजट महत्वपूर्ण : डॉ. गंगवार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की ओर से सोमवार को झारखंड विधानसभा में पेश किए गए बजट पर बोकारो के शिक्षाविदों ने संतोष व्यक्त किया है।

डीपीएस बोकारो के प्राचार्य एवं डॉ. राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स, बोकारो के अध्यक्ष डॉ. ए. एस. गंगवार ने राज्य में शिक्षा तथा युवाओं व छात्र-छात्राओं के लिए इस बजट को काफी महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से बजट में बालिकाओं की उच्च शिक्षा पर सरकार का जोर है, कक्षा 8 से 12वीं तक की छात्राओं को आर्थिक मदद दी जा रही है और इसके लिए 310 करोड़ रुपये अलग से प्रावधान किया गया है, यह बालिका शिक्षा को बढ़ावा दिए जाने की दिशा में काफी अहम व सराहनीय है। इसके अलावा, प्राथमिक स्कूलों के विकास पर जोर, वर्ष 2025 तक भवनहीन आंगनबाड़ी केंद्रों में से 2500 केंद्र भवन का निर्माण, विद्यार्थियों में विज्ञान विषय को लेकर रुचि बढे, इसके लिए आगामी वर्षों में स्कूलों में 1050 समेकित गणित एवं विज्ञान लैब के अधिष्ठापन की योजना भी प्रदेश के शैक्षणिक विकास की दिशा में काफी लाभप्रद होगी। वहीं, उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में पीपीपी मोड पर खूंटी, गिरिडीह, जमशेदपुर, धनबाद, देवघर और जामताड़ा जिले में मेडिकल कॉलेज के निर्माण की घोषणा अत्यंत आवश्यक और महत्वपूर्ण है। बोकारो में मेडिकल कॉलेज का निर्माण-कार्य चल ही रहा है। राज्य में जब इतने सारे मेडिकल कॉलेज खुल जाएंगे, तो जाहिर है कि मेडिकल की पढ़ाई के लिए प्रदेश से विद्यार्थियों के पलायन में भी काफी कमी आएगी। हमारे झारखंड के विद्यार्थी अपने राज्य में ही पढ़ाई कर डॉक्टर बनने का सपना पूरा कर सकेंगे।

युवाओं के विकास की बात करें तो राज्य में 59 नए डे- बोर्डिंग क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र खोलना, वर्ष 2025-26 में राज्य के वैसे प्रखंड जिसमें स्टेडियम नहीं है, उन प्रखंडों में मॉडल प्राक्कलन पर स्टेडियम का निर्माण, राज्य के सभी गांवों में एक सिद्धो-कान्हू युवा क्लब की स्थापना तथा झारखंड उत्कृष्ट खिलाड़ी सीधी नियुक्ति (भर्ती एवं सेवा शर्त नियमावली 2025) की योजना आदि निश्चय ही खेल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। इस प्रकार कुल मिलाकर कहें, तो हेमंत सरकार का यह बजट सूबे में युवा-विकास तथा शैक्षणिक उत्थान की दिशा में काफी महत्वपूर्ण है। आवश्यकता अब इस बात की है कि उक्त योजनाओं को संजीदगी के साथ समय रहते धरातल पर उतारा जाए, ताकि इनकी महत्ता, इनके उद्देश्य और इनकी सार्थकता सिद्ध हो सके।

सीओ की मौजूदगी में मृत चालक की पत्नी को कंपनी ने दिए पांच लाख रुपए

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल के नूरी नगर स्थित डीवीसी के ऐश पौंड से छाई ट्रांसपोर्टिंग का कार्य करने वाली कंपनी लाइर्स के सुपरवाइजर मो हसमुद्दीन ने बेरमो सीओ संजीत कुमार की मौजूदगी में सोमवार को मृत हाईवा चालक मनोज नायक के कुरपनिया राइसा फाइल स्थित आवास जाकर मृतक की पत्नी सुमन देवी को नकद पांच लाख रुपए दिए। बेरमो विधायक कुमार जयमंगल एवं बेरमो सीओ की मौजूदगी में रविवार को डीवीसी के ऐश पौंड में मृतक के आश्रित को मुआवजा की राशि को लेकर सकारात्मक वार्ता हुई थी, जिसमें तय किया गया था कि कंपनी मृतक की पत्नी को पांच लाख रुपए का भुगतान करेगी। साथ ही, जब तक कंपनी का कार्य बोकारो थर्मल में चलेगा, प्रत्येक माह वेतन के एवज में पंद्रह हजार रुपए का भुगतान भी करेगी। मौके पर बेरमो प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष छेदी नोनिया, कांग्रेस नेत्री पम्मी सिंह, गांधीनगर थाना प्रभारी आदि उपस्थित थे।

मिथिला महिला समिति का होली मिलन समारोह आयोजित

बोकारो। प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो की इकाई मिथिला महिला समिति का होली मिलन समारोह सोमवार को सेक्टर 4 स्थित मिलन मंडप में आयोजित हुआ। इस मौके पर समिति की सदस्याओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। होली गीतों का गायन भी हुआ। सभी ने होली गीत पर नृत्य भी प्रस्तुत किए। मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा व सचिव आभा झा ने समिति की निवर्तमान अध्यक्षा सीमा झा को सम्मानित किया। अध्यक्ष पूनम मिश्रा ने कहा कि होली समाज में प्रेम व सदभावना को बढ़ावा देने वाला त्योहार है। सदस्याओं ने भगवती वंदना से कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके बाद होली गीतों- मिथिला में राम खेलथि होरी, मिथिला में.., बिरज में होली खेलत नंदलाल.., गौरी के दुल्हा होली खेलै छै मसाने में.., शिव मठ पर शोभे लाल ध्वजा... आदि की सुंदर प्रस्तुति से सभी को आनंदित किया। कार्यक्रम का संचालन कमला झा ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष पूनम मिश्रा, सचिव आभा झा सहित किरण मिश्रा, शीला मिश्रा, अमिता झा, लीला झा, रुबी ठाकुर, सीमा झा, बीणा झा, मीरा मिश्रा, जयंती पाठक, प्रीति प्रिया, कंचन झा, किरण झा, पूनम झा, आशा पाठक, पद्मा चौधरी, रंजना भगत, प्रेरणा ओझा, बिनीता राय, प्रेरणा अनुपम, मीरा राय, ऋतु मिश्रा, सविता मिश्रा, अलका झा, रीता झा, नंदा झा आदि उपस्थित रहीं।

नियोजनालय कार्यालय में भर्ती कैंप का आयोजन

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल स्थित श्रम एवं नियोजन कार्यालय में सोमवार को रोजगार भर्ती कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का उद्घाटन नियोजन पदाधिकारी रोशन जामुदा ने किया। रोजगार भर्ती कैंप में बोकारो थर्मल पावर प्लांट में कार्यरत आरके कंस्ट्रक्शन, पहाड़पुर कूलिंग टावर लिमिटेड एवं निप्पोन लाइफ इंश्योरेंस कुल तीन कंपनियों ने भाग लिया, जिसमें सभी कंपनी के पास कुल मिलाकर एक सौ सत्ताईस पद रिक्त थे। कैंप में कुल तीन सौ चार बेरोजगार युवकों ने आवेदन दिया, जिसमें से पहाड़पुर कूलिंग टावर लिमिटेड ने चार लोगों का आवेदन साक्षात्कार कर चयनित कर नियुक्ति पत्र दिया। रोजगार भर्ती कैंप को संबोधित करते हुए नियोजन पदाधिकारी रोशन जामूदा ने कहा कि रोजगार भर्ती कैंप में आवेदन देने वाले युवकों के आवेदनों की जांच कंपनियों के अधिकारी कर रहे हैं, जांच के बाद दूरभाष के जरिए जल्द ही चयनित सभी को साक्षात्कार के लिए कम्पनी के द्वारा सूचना दे दी जाएगी। जबकि चार लोगों को पहाड़पुर कूलिंग टावर लिमिटेड की कंपनी ने आज नियुक्ति पत्र दिया।

जेएन टाटा सशक्त भारत की पहचान : सुधीर

186वीं जयंती पर वकीलों ने की श्रद्धा सुमन अर्पित

प्रातः नागपुरी संवाददाता

जमशेदपुर। संस्थापक दिवस के मौके पर जमशेदपुर व्यवहार न्यायालय परिसर में शहर के वकीलों ने स्वर्गीय जमशेदजी नसरवानजी टाटा की 186 वीं जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

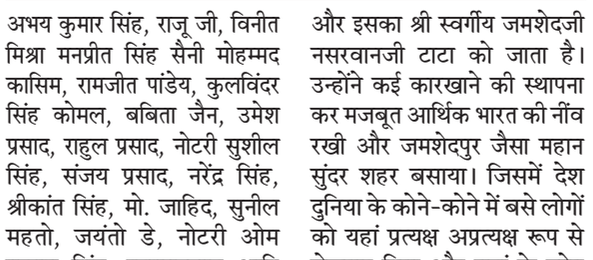

बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मनोरंजन दास, पूर्व अध्यक्ष तापस मित्रा, पूर्व लोक अभियोजक पीएनगोप, पूर्व जिला अभियोजन पदाधिकारी सुशील कुमार जायसवाल, पूर्व जिला अभियोजन पदाधिकारी जगत विजय सिंह, देवेंद्र सिंह, रतन चक्रवर्ती, झारखंड बार काउंसिल के पूर्व सदस्य प्रकाश झा, समाजवादी चिंतक सुधीर कुमार पप्पू, उपाध्यक्ष बोलाई पांडा कोषाध्यक्ष जयप्रकाश भगत, सदस्य अभय कुमार सिंह, राजू जी, विनीत मिश्रा मनप्रीत सिंह सैनी मोहम्मद कासिम, रामजीत पांडेय, कुलविंदर सिंह कोमल, बबिता जैन, उमेश प्रसाद, राहुल प्रसाद, नोटरी सुशील सिंह, संजय प्रसाद, नरेंद्र सिंह, श्रीकांत सिंह, मो. जाहिद, सुनील महतो, जयंतो डे, नोटरी ओम प्रकाश सिंह, रहमतुल्लाह आदि सैकड़ों अधिवक्ताओं ने श्रद्धांजलि दी। सुधीर कुमार पप्पू के अनुसार देश आज पूरी दुनिया में सशक्त है और इसका श्री स्वर्गीय जमशेदजी नसरवानजी टाटा को जाता है। उन्होंने कई कारखाने की स्थापना कर मजबूत आर्थिक भारत की नींव रखी और जमशेदपुर जैसा महान सुंदर शहर बसाया। जिसमें देश दुनिया के कोने-कोने में बसे लोगों को यहां प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार दिया और यहां के लोग एक गुलदस्ता के समान हैं। जिस पर हमें गर्व है और उनसे हमारी पहचान है।

लकवाग्रस्त व्यक्ति ने की आत्महत्या

गोमिया। गोमिया प्रखंड के आईईएल थाना अन्तर्गत ससबेड़ा पश्चिमी पंचायत बीडीओ रोड स्थित निवासी अमरसिंह ने रविवार देर शाम को अपने मकान पर फांसी पर लटककर आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पत्नी ने अपने मायके (हजारीबाग) से आने पर दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब न मिलने पर मकान मालिक और पास पडोस को बताया। लोगों ने किसी प्रकार खिड़की से देखा तो मृतक का शव रस्सी से लटक रहा था। इसकी जानकारी आईईएल थाना को दी गई। पुलिस ने आकर इधर-उधर जानकारी लेते हुए पीछे के दरवाजे को तोड़कर शव को उतारा और तहकीकात व कागजी कारवाई कर सोमवार को पोस्टमार्टम हेतु अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। बताया जाता है कि मृतक करीब एक साल से पैरालाइज बीमारी से ग्रस्त था।

भारतीय साहित्य परिषद की श्रद्धांजलि सभा आयोजित

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर 12 में अखिल भारतीय साहित्य परिषद की ओर से एस के बरियार की दिवंगत पत्नी मंजू सिन्हा की आत्मा की शान्ति के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लव कुमार ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि दिवंगत मंजू सिन्हा सामाजिक कार्यों से लगातार जुड़ी रहती थीं। कस्तूरी सिन्हा ने कहा कि मंजू सिन्हा एक सरल एवं सहृदय महिला थीं और वे सबके प्रति समभाव रखती थीं। गीता कुमारी गुस्ताख ने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच को शक्ति देने में मंजू सिन्हा का एक अहम योगदान था। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के महासचिव ब्रह्मानंद गोस्वामी ने कहा कि उनका प्रत्येक कार्य राष्ट्रीय विचार धारा से जुड़ा रहता था। उनके कार्य को देखकर एक उत्साह प्राप्त होता था। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता करते हुए डॉ नरेंद्र कुमार राय ने कहा कि वे जब तक जीवित रहीं, तब तक अखिल भारतीय साहित्य परिषद को स्वदेशी जागरण मंच की ओर से आयोजित मेला में प्रत्येक वर्ष मंच प्रदान करने के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान देती रहती थीं, जहां परिषद के सभी कवि-कवयित्री एकत्र होकर अपनी कविता का पाठ करते थे।

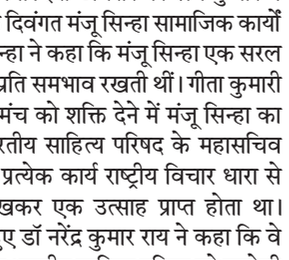

चंदनकियारी के खिलाड़ी अब देश-विदेश में बिखेरेंगे जलवा : रजक

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। चास प्रखंड स्थित पारटांड़ में आदिवासी क्लब की ओर से नॉकआउट फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक और विशिष्ठ अतिथि के रूप में युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सह- युवा लायंस फोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष देव शर्मा मौजूद थे।

इसमें फाइनल मैच साहिल क्लब और ब्रदर्स बॉयज बालीडीह के बीच हुआ। मैच में कांटे का मुकाबला हुआ और अंत में साहिल क्लब ने एक-शून्य से जीत दर्ज किया। विजेता टीम को मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक उमाकांत ने प्रथम पुरस्कार के रूप में पुरस्कृत 30,000/- व द्वितीय पुरस्कार उपविजेता टीम को 20 हजार प्रदान किया। साथ ही, उन्होंने सभी खिलाड़ियों से मिलकर उनका हौसला बढ़ाते हुए उन्हें भविष्य में राज्य और देश स्तर तक पहुंचने की अग्रिम बधाई दी। अपने स्तर पर उन्हें हर संभव मदद करने का भरोसा दिया।

विधायक ने कहा, अब वो दिन दूर नहीं, जब चंदनकियारी के खिलाड़ी भी धोनी और सचिन की तरह झारखंड का नाम रौशन करेंगे। इसके लिए वृहत कार्ययोजना पर काम किया जाएगा। झारखंड सरकार झारखंडियों के मान सम्मान के लिए हमेशा खड़ा है। वहीं, कांग्रेस नेता देव शर्मा ने कहा कि हमारे ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है। बस उन्हे तराशने की जरूरत हैं। ग्रामीण छेत्र के युवाओं के लिए हमारा सामाजिक संगठन युवा लायंस फोर्स भी व्यापक स्तर पर काम कर रही है। आगें भी खेल को बढ़ावा देने के लिए काम किया जाएगा। मौके पर जिला परिषद सदस्य सुषेण रजवार, मुधुनिया मुखिया प्रदीप कुमार, सुशील सोरेन, अशीन शर्मा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

यौन अत्याचारों के बढ़ने की त्रासदी पर लगे लगाम

ललित गर्ग

बालिकाओं एवं महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध, खासतौर पर यौन अपराध के ज्यादातर मामले सामने नहीं आ पाते, विशेषतः बालिकाएं समझ ही नहीं पाती कि उनके साथ कुछ गलत हो रहा है। अगर वे समझती भी हैं तो डांट के डर से अभिभावकों से इस बारे में बात नहीं करती हैं। महिला एवं बाल विकास कल्याण मंत्रालय के अध्ययन में भी यही बात सामने आई है।

यौन शोषण दुनिया के लिए बड़ी समस्या है, जो दुनिया भर में है। हालांकि कुछ देशों में महिलाएं अधिक असुरक्षित एवं यौन उत्पीड़न, शोषण एवं हिंसा की शिकार हैं, इनमें दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्वी यूरोप और कुछ लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों शामिल हैं, भारत की स्थिति भी बहुत ज्यादा अच्छी नहीं कहीं जा सकती। वेश्यावृत्ति के उद्देश्यों के लिए इन क्षेत्रों की तस्करी वाली महिलाओं को आम तौर पर तथाकथित विकसित दुनिया के देशों में ले जाया जाता है। महिलाओं को इसी त्रासदी से मुक्ति दिलाने के लिये ही दुनियाभर में 4 मार्च को यौन शोषण के विरुद्ध संघर्ष का विश्व दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं को यौन शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित करना है। दुनियाभर में महिलाओं और बच्चों के साथ रोजाना कई प्रकार के यौन शोषण के मामले सामने आते रहते हैं। यह अनुमान लगाया गया है कि हर दिन औसतन आठ महिलाएं, लड़कियां और अक्सर युवा लड़कों का यौन शोषण किया जाता है।

यौन उत्पीड़न किसी भी प्रकार का अवांछित यौन प्रस्ताव, यौन पक्ष के लिए अनुरोध, यौन प्रकृति का मौखिक या शारीरिक आचरण या इशारा, या यौन प्रकृति का कोई अन्य व्यवहार है, जिसकी उचित रूप से अपेक्षा की जा सकती है या जिसे किसी अन्य के लिए अपमान या अपमान का कारण माना जा सकता है, जब ऐसा आचरण काम में बाधा डालता है, जो सहायता कर्मियों द्वारा साथी सहायता कर्मियों के विरुद्ध किया जाता है। यूनिसेफ ऐसे सभी प्रकार के यौन दुराचार, यौन उत्पीड़न, अत्याचार और यौन हिंसा से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है। संयुक्त राष्ट्र यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार, यौन उत्पीड़न और बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के बीच अंतर करता है। यौन शोषण एक यौन प्रकृति का वास्तविक या धमकी भरा शारीरिक अतिक्रमण है, चाहे बलपूर्वक या असमान या बलपूर्वक परिस्थितियों में, सहायता कार्यकताओं द्वारा उन बच्चों और परिवारों के खिलाफ किया जाता है जिनकी हम सेवा करते हैं।

यौन उत्पीड़न समाज में हर जगह पसरा है, कार्यस्थल, शैक्षणिक संस्थान और घर से लेकर धार्मिक स्थलों में महिलाएं एवं बालिकाएं असुरक्षित है। ग्रामीण इलाकों में 26 प्रतिशत महिलाएं, शहरी इलाकों में 21 प्रतिशत और उपनगरीय इलाकों में 18 प्रतिशत महिलाएं यौन उत्पीड़न की शिकार होती हैं। जो महिलाएं अपनी आय का मुख्य स्त्रोत टिप पर निर्भर रहती हैं, उनके यौन उत्पीड़न की संभावना दोगुनी होती है। कॉलेज के दो-तिहाई छात्र यौन उत्पीड़न का अनुभव करते हैं। 12-17 साल की उम्र के 1.6 प्रतिशत बच्चे बलात्कार या यौन उत्पीड़न के शिकार होते हैं। यौन उत्पीड़न का शिकार हुई चार किशोर बालिकाओं एवं बच्चों

में से लगभग तीन यानी 74 प्रतिशत कोई ऐसी बालिका या बच्चे अपने ही किसी परिचित से हुए, जिसे वे अच्छी तरह से जानती थे। यौन शोषण कई तरह से किया जाता है, जैसे अवांछित यौन स्पर्श 49 प्रतिशत, साइबर यौन उत्पीड़न 40 प्रतिशत, अवांछित जननांग प्रदर्शन 30 प्रतिशत, शारीरिक रूप से पीछा किया जाना 27 प्रतिशत और यौन उत्पीड़न 23 प्रतिशत है।

यह दिवस देश एवं दुनिया में महिलाओं और बालिकाओं के साथ हो रहे यौन शोषण के मामलों पर लगाम लगाने के लिये जागरूकता की मुहिम है। इसका मुख्य उद्देश्य यौन शोषण और वेश्यावृत्ति में लिप्त महिलाओं को बचाकर उन्हें सामान्य जीवन जीने के लिए प्रेरित करना भी है। महिलाओं एवं बालिकाओं पर बढ़ते यौन अत्याचारों को देखते हुए यह प्रतीत होता है कि इक्कीसवीं सदी का सफर करते हुए तमाम तरह के विकास के वायदे खोखले साबित हो रहे हैं। भारत के लिये निश्चित रूप से यह चिंताजनक है और हमारी विकास-नीतियों पर सवाल भी उठाती है। बड़ा सवाल तो तब खड़ा हुआ जब सुप्रीम कोर्ट में पेश आंकड़ों के मुताबिक 2016 में ही देश भर में करीब एक लाख बच्चे यौन अपराधों के शिकार हुए। कितनी विडम्बना है कि देश में हम ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्ल का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाएं यौन शोषण का शिकार हो रही है। यह दाग ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्ल के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है। वे पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। उसका मुख्य कारण है सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिकओ को भोग्या समझने की विकृत मानसिकता।

बालिकाओं के साथ होने वाली त्रासद एवं अमानवीय घटनाएं -निर्भया कांड, नितीश कटारा हत्याकांड, प्रियदर्शनी मट्टू बलात्कार व हत्याकांड, जेसिका लाल हत्याकांड, रुचिका मेहरोत्रा आत्महत्या कांड, आरुषि मर्डर मिस्ट्री की घटनाओं में पिछले कुछ सालों में इंडिया ने कुछ और ऐसे मौके दिए जब अहसास हुआ कि भ्रूण में किसी तरह नारी अस्तित्व बच भी जाए तो दुनिया के पास उनके साथ और भी बहुत कुछ है बुरा करने के लिए। बहशी एवं दरिन्दे लोग ही बालिकाओं को नहीं नोचते, समाज के तथाकथित ठेकेदार कहे जाने वाले लोग और पंचायतें, तथाकथित राम-रहीम जैसे धर्मगुरु भी बालिकाओं की स्वतंत्रता एवं अस्मिता को कुचलने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं, स्वतंत्र भारत में यह कैसा समाज बन रहा है, जिसमें महिलाओं की आजादी छीनने की कोशिशें और उससे जुड़ी यौन उत्पीड़न एवं हिंसक की त्रासदीपूर्ण घटनाओं ने बार-बार हम सबको शर्मसार किया है। यौन शोषण के विरुद्ध संघर्ष का विश्व दिवस का यह अवसर इन त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरूद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 प्रतिशत है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है। माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है।

बालिकाओं एवं महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध, खासतौर पर यौन अपराध के ज्यादातर मामले सामने नहीं आ पाते, विशेषतः बालिकाएं समझ ही नहीं पाती कि उनके साथ कुछ गलत हो रहा है। अगर वे समझती भी हैं तो डांट के डर से अभिभावकों से इस बारे में बात नहीं करती हैं। महिला एवं बाल विकास कल्याण मंत्रालय के अध्ययन में भी यही बात सामने आई है। बालिकाओं पर बढ़ रहे यौन अपराधों पर नियंत्रण पाने के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। बालिकाओं एवं बच्चों से खुलकर बात करें। उनकी बात सुने और समझें। अगर बालिकाओं एवं बच्चे कुछ ऐसा बताते है तो उसे गंभीरता से लें। इस समस्या को हल करने की कोशिश करें। पुलिस में बेझिझक शिकायत करें। बालिकाओं एवं बच्चों को 'गुड टच-बैड टच' के बारे में बताएं- बालिकाओं एवं बच्चों को बताएं कि किस तरह किसी का उनको छूना गलत है। बालिकाओं के आस-पास काम करने वाले लोगों की पुलिस वेरिफिकेशन होनी चाहिए। जब कोई अपराध करता हुआ पकड़ा जाता है तो उसे फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए। अपराधियों को जल्द सजा समाज में सख्त संदेश देती है कि ऐसा अपराध करने वाले बच नहीं सकते। बालिका एवं बच्चों के यौन अपराधियों को सजा देने के लिए खास कानून है- पॉक्सो यानि प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंसेस। इस कानून का मकसद बालिकाओं एवं बच्चों के साथ यौन अपराध करने वालों को जल्द से जल्द सजा दिलाना है, इस कानून का सही परिप्रेक्ष्य में तत्परता से पालन होना चाहिए।

संपादकीय

'विकसित देश' बनना है तो...

हम हररोज और निरंतर सुनते रहे हैं कि 2047 में भारत एक 'विकसित राष्ट्र' होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार और भाजपा-एनडीए का यह संकल्प है और देश की जनता का भी आह्वान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत को दुनिया के लिए 'कारखाना' करार दिया है, जबकि यह अर्द्धसत्य लगता है, क्योंकि भारत मैन्यूफैक्चरिंग (विनिर्माण, उत्पादन आदि) में पिछड़ता जा रहा है। लक्ष्य तय किया गया था कि इस क्षेत्र का जीडीपी में योगदान कमोबेश 25 फीसदी होना चाहिए, लेकिन यह हिस्सेदारी 15 फीसदी से भी कम हो गई है। यह ऐसा क्षेत्र है, जिसमें रोजगार के व्यापक अवसर बनते हैं। दरअसल भारत 'मैन्यूफैक्चरिंग हब' के बजाय 'ट्रेडिंग देश' बनता जा रहा है। चीन से आयात बढा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इधर विश्व बैंक के साथ-साथ कुछ अन्य एजेंसियों और संस्थाओं की भी रपटें सामने आई हैं। ऐसी रपटें भारत की अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थितियों, श्रम-शक्ति और भागीदारी, हमारी औसत आय आदि के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन और सर्वेक्षण पर आधारित होती हैं, लिहाजा उन्हें सिरे से नकारा नहीं जा सकता। यदि भारत सरकार पारदर्शी, स्पष्ट और निष्पक्ष डाटा देश के सामने पेश करती रहती, तो इन रपटों की कोई जरूरत ही नहीं थी और देश के औसत नागरिक के सामने तमाम स्थितियां साफ होतीं। जो भी डाटा सरकारी विभाग जारी करते हैं, वे या तो अर्द्धसत्य होते हैं अथवा यथार्थ को ढक कर चलते हैं। बहरहाल अब आकलन यह किया जा रहा है कि यदि भारत को 2047 में 'विकसित राष्ट्र' बनना है, तो उसकी सालाना आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी लगातार होनी चाहिए, लेकिन अभी 2025-26 के बजट में विकास दर 6.5 फीसदी का अनुमान लगाया गया है। लगभग यही अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का है। वास्तव में यह विकास दर 5 फीसदी के करीब होगी, क्योंकि कई समीकरणों, तथ्यों, उत्पादन, मुद्रास्फीति की दर आदि का सही मूल्यांकन बाद में ही किया जा सकता है। अभी भारत में प्रति व्यक्ति आय करीब 2.20 लाख रुपए सालाना बताई जाती है, जबकि विकसित देश बनने के लिए यह कमोबेश 15.48 लाख रुपए होनी चाहिए। भारत में करीब 100 करोड़ लोगों के पास इतना अतिरिक्त पैसा नहीं है कि वे गैर-जरूरी चीजों पर भी खर्च कर सकें। मात्र 10 फीसदी भारतीयों के पास ही निरंतर खर्च करने की क्षमता है। क्या भारत की अर्थव्यवस्था और जीडीपी 10 फीसदी लोगों के बूते ही है?

चिंतन-मनन

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी।

एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर मैं लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है।

सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था जो उस प्रेमिका में था। उसके प्रेम में वह तीव्रता और वलंतता थी जिसने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।

आयकर सुधार की ऐतिहासिक पहल

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा लोकसभा में पेश किया गया नया आयकर विधेयक भारत की आयकर व्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता के साथ-साथ राजस्व बढ़ाने के लिए एक बड़ी कोशिश का अहम हिस्सा है। वित्तमंत्री सीतारमण ने पिछले वर्ष जुलाई 2024 के बजट भाषण में कहा था कि मौजूदा आयकर कानून की कई धाराएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। ये धाराएं विशेष आर्थिक क्षेत्र, दूरसंचार, पूंजीगत लाभ सहित कर छूट एवं कटौती जैसे मामलों में कारगर नहीं रह गई हैं। साथ ही इसके तहत कानूनी जटिलताएं कर अनुपालन में मुश्किलें और मुकदमेबाजी में लगातार वृद्धि हुई है। ऐसे में नया आयकर विधेयक कानून बनने के बाद आयकर कानून 2025 के रूप में एक अप्रैल 2026 से मौजूदा आयकर कानून 1961 की जगह ले लेगा। यदि हम देश में आयकर का इतिहास देखें तो पाते हैं कि वर्ष 1860 में सर जेम्स विल्सन द्वारा आयकर की शुरूआत की गई थी, लेकिन देश में एक सुव्यवस्थित कर प्रणाली के रूप में वर्ष 1922 में व्यापक आयकर कानून लागू हुआ, जिसने सही मायनों में न केवल विभिन्न आयकर प्राधिकरणों को औपचारिक रूप प्रदान किया, बल्कि एक सुव्यवस्थित प्रशासनिक रूपरेखा की नींव भी रखी। वर्ष 1961 में मौजूदा आयकर कानून लागू किए जाने के बाद से अब तक आयकर कानून की विभिन्न कमियों को दूर करने के लगातार छोटे-छोटे प्रयास किए जाते रहे। खासतौर से 1981 में कम्प्यूटरीकरण की शुरूआत के साथ हुई तकनीकी प्रगति ने इलेक्ट्रॉनिक रूप से आयकर चालान की प्रोसेसिंग करने पर ध्यान केंद्रित किया। इस परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2009 में ई-फाईल और पेपर रिटर्न की व्यापक प्रोसेसिंग को संभालने के लिए सेंट्रलाइज्ड प्रोसेसिंग सेंटर (सीपीसी) की स्थापना की गई।

पिछले एक दशक से आयकर कानून में जो अहम सुधार किए गए हैं, उससे जहां आयकरदाताओं को सुविधा मिली, वहीं आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने में भी मदद मिली है। इन सुधारों में प्रमुख रूप से करदाता चार्टर (टैक्सपेयर चार्टर) और पहचान रहित समीक्षा (फेसलेस असेसमेंट) तथा करदाताओं के लिए पहचान रहित अपील (फेसलेस अपील) व्यवस्था महत्वपूर्ण है। इसके अलावा नॉन फाइलर्स, मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमए) के जरिए ऐसे लोगों की पहचान की जाती है जिन्होंने हाई वैल्यू ट्रांजैक्शन किया है, पर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया है। इन विभिन्न प्रयासों से पिछले 10 वर्षों में आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या और आयकर संग्रह में तेज वृद्धि देखी गई है। लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी आरामदायक व विलासिता की वस्तुओं का उपयोग करने वाले तथा पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से भी बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या फिर बहुत कम आयकर देते हैं। स्थिति यह है कि वर्ष 2023-24 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 8.09 करोड़ लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल किए। इनमें से भी 4.90 करोड़ लोगों ने शून्य कर योग्य आय की सूचना दी। सिर्फ 3.19 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। ऐसे में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में आयकर का योगदान बहुत कम बना हुआ है। दुनिया की कई छोटी-छोटी अर्थव्यवस्थाओं में संग्रहित किए जाने वाले आयकर का उनकी जीडीपी में बड़ा योगदान है। वस्तुतः कर संग्रह में तेज वृद्धि से बुनियादी ढांचे, सामाजिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की क्षमता बढ़ती है। सरकार की मुठ्ठियों में बढ़ता कर राजस्व न केवल अर्थव्यवस्था के नवनिर्माण में मदद करता है, बल्कि यह सरकार को अपने करदाताओं के प्रति जवाबदेह भी बनाता है। साथ ही यह वित्तीय वर्ष की बेहतर योजना और बजट बनाने में मदद करता है। खासतौर से इस समय जब वर्ष 2047 में देश को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा गया है, तब जीडीपी में आयकर का योगदान बढ़ाया जाना जरूरी दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि आयकर संबंधी विभिन्न मुश्किलों और चुनौतियों के निराकरण के लिए नए आयकर विधेयक में प्रभावी प्रावधान दिखाई दे रहे हैं। नए आयकर विधेयक को संक्षिप्त, स्पष्ट तथा पढ?-समझने में आसान बनाते हुए 23 अध्यायों में समेटा गया है। इस विधेयक में 622 पृष्ठ हैं, जबकि मौजूदा कानून में 823 पृष्ठ हैं। शब्द संख्या भी घटाई गई है। मौजूदा कानून के 5.20 लाख शब्दों से घटाकर नए विधेयक में केवल 2.60 लाख रखी गई है। मौजूदा कानून में आरंभ में केवल 298 धाराएं थीं, मगर प्रावधान जुड़ते गए और अब कुल 819 धाराएं हो गई हैं। नए विधेयक ने इन्हें घटाकर 536 कर दिया है। नए आयकर विधेयक में ह्यचार्टर ऑफ टैक्सपेयर्सह्ल है, जिससे कर व्यवस्था में विश्वास और पारदर्शिता बढ़ेगी। वेतनभोगी करदाताओं के लिए विभिन्न प्रावधानों को सहज बनाते हुए हर तरह की कटौती को एक ही धारा के तहत रख दिया गया है। नए विधेयक में मुकदमेबाजी कम करने और टैक्स मामलों को जल्दी सुलझाने पर ध्यान दिया गया है। पुराने कानून में इस्तेमाल किए गए जटिल शब्दों को सरल बना दिया गया है। अब ह्यअसेसमेंट ईयरह्ल की जगह ह्यटैक्स ईयरह्ल होगा। टैक्स ईयर 1 अप्रैल से 31 मार्च तक रहेगा।

अब क्रिप्टोकरेंसी और अन्य डिजिटल एसेट्स को कैपिटल एसेट माना जाएगा और उन पर टैक्स लगाया जाएगा। इससे डिजिटल संपत्तियों पर टैक्स सिस्टम के बारे में अधिक स्पष्टता आएगी। नए टैक्स रिजीम के साथ ओल्ड टैक्स रिजीम भी जारी रहेगा। निश्चित रूप से नए आयकर विधेयक में आयकर अधिकारियों के अधिकारों और शक्तियों को बढ़ाया गया है। नए आयकर विधेयक में गलत या अधूरी जानकारी देने पर भारी जुमार्ना सुनिश्चित किया गया है। जानबूझकर टैक्स चोरी करने वालों पर मुकदमा चलाया जा सकता है। बकाया टैक्स का भुगतान न करने पर अधिक ब्याज और पेनल्टी है। आय छिपाने पर अकाउंट सीज और संपत्ति जब्त करने के अधिकार होंगे। इन सबसे आयकर संग्रहण बढ़ेगा और ईमानदार करदाताओं को लाभ होगा। निश्चित रूप से एक अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए आयकर कानून की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर होगी कि इस कानून को कितने कारगर तरीके से लागू किया जाता है। इस कानून की वास्तविक परीक्षा यह भी होगी कि यह कर संबंधी मुकदमों में कितनी कमी लाएगा। निःसंदेह व्यक्तिगत आयकर के मामले में सरकार ने नई कर प्रणाली लागू करके बेहतर किया है, लेकिन रियायतों और कर दरों का ढांचा अब भी जटिल बना हुआ है। इसे सरल बनाने के लिए सरकार को प्राथमिकता से ध्यान देना होगा। साथ ही कर दरें घटाने पर भी ध्यान देना होगा। हम उम्मीद करें कि नए आयकर कानून 2025 के तहत सरल कर ढांचा और सरल कानून सभी के लिए मददगार होंगे और देश की जीडीपी में आयकर का अधिक योगदान बढ? से अर्थव्यवस्था भी तेजी से आगे बढ़ेगी।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री हैं)

स्वस्थ भारत की ओर : मोदी की मुहिम से घटेगा मोटापा!

सोनम लववंशी

एक स्वस्थ देश के निर्माण की राह में नागरिकों का मोटापा किस कदर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चिंतित कर रहा है, इसकी बानगी हाल ही में आकाशवाणी पर माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम में देखने को मिली। आंकड़ों पर गौर करें तो विश्व भर के 250 करोड़ लोग मोटापे से जूझ रहे हैं, जबकि भारत में हर आठवां व्यक्ति मोटापे का शिकार है। यह समस्या केवल बड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि अब बच्चों को भी अपने आगोश में ले रही है, और हाल के वर्षों में तो यह समस्या चार गुना तक बढ़ गई है। इसके कारण हृदय रोग, तनाव, मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को आगाह किया और इससे बचने की सलाह दी। साथ ही, देशवासियों से खाने में तेल की खपत को 10 प्रतिशत घटाने का आग्रह किया। इस मुहिम के लिए दस नामी-गिरामी हस्तियों को अभियान से जोड़ा गया, जो मोटापे को समाप्त करने की श्रृंखला के प्रारंभिक व्यक्ति के तौर पर होंगे। इनमें उमर अब्दुल्ला, आनंद महिंद्रा, मनु भाकर, आर. माधवन, नंदन नीलेकणी, श्रेया घोषाल, निरहुआ, सुधा मूर्ति और मीरा बाई जैसी हस्तियां शामिल हैं।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, मोटापा एक महामारी बन चुका है, जो हर साल 28 लाख वयस्कों की जान ले रहा है। भारत में करीब 10 करोड़ से ज्यादा लोग मोटापे से जूझ रहे हैं, जिनमें 12 प्रतिशत पुरुष और 40 प्रतिशत महिलाएं बेली फैट से परेशान हैं। आंकड़ों के अनुसार, स्थिति वाकई डराने वाली है। ह्यद लांसेटह्ल पत्रिका के अनुसार, भारत में 5 से 19 वर्ष के करीब 1.25 करोड़ बच्चे मोटापे के शिकार हैं, जबकि 1990 में यह संख्या मात्र 4 लाख थी। वयस्कों की स्थिति भी कम भयावह नहीं है। 2022 में 4.4 करोड़ महिलाएं और 2.6 करोड़ पुरुष मोटापे से ग्रस्त थे। ऐसे में यह विकास है या विनाश, यह तय करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल ओबेसिटी ऑब्जर्वेटरी के आंकड़े बताते हैं कि मोटापे से आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। 2019 में जहां यह 2.4 लाख करोड़ रुपये था, वहीं 2030 तक यह 6.7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह दशार्ता है कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या और विकराल रूप धारण कर सकती है।

भारत विकासशील देश से विकसित बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है, लेकिन इसी रफ्तार में हमारा शरीर भी तेजी से फैलता जा रहा है। एक समय था जब ह्यतोंदह्ल को समृद्धि का प्रतीक माना जाता था, लेकिन अब डॉक्टर इसे बीमारी का घर बताते हैं। मोटापा आज केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बढ़ती समस्या को भांपते हुए इसे रोकने की ठानी और ह्यफिट इंडिया मूवमेंटह्ल जैसे अभियानों के माध्यम से पूरे देश को समझा रहे हैं कि ह्यस्वास्थ्य ही धन है।ह्ल देखा जाए तो मोटापे की समस्या आधुनिक जीवनशैली की देन है। पहले भोजन खाने से पूर्व हाथ धोने की आदत थी, अब ह्यऑनलाइन फूड डिलीवरीह्ल ऐप चेक करना प्राथमिकता बन गया है। बच्चे खेल के मैदान में कम, मोबाइल स्क्रीन में ज्यादा व्यस्त रहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने देहरादून में राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन के दौरान भी मोटापे की समस्या को लेकर चिंता व्यक्त की और ह्यफिटनेसह्ल को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर हम रोजमर्रा की भागदौड़ में से थोड़ा समय निकालकर व्यायाम करें, तो कई बीमारियों से बच सकते हैं। इस पूरी मुहिम में खानपान की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत का भोजन हमेशा से वैज्ञानिक रूप से संतुलित रहा है, लेकिन पिज्जा, बर्गर और इंस्टेंट नूडल्स की बढ़ती लोकप्रियता ने इसे हाशिए पर धकेल दिया है। जंक फूड की बढ़ती लत इस समस्या को और जटिल बना रही है। मोदी सरकार ने ह्यईट राइट इंडियाह्ल अभियान को बढ़ावा देते हुए लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया है कि ह्यस्वस्थ खाना ही असली खाना है।ह्ल प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल को कई मशहूर हस्तियों का भी समर्थन मिला है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या हम केवल सोशल मीडिया पर ह्यफिटनेस चैलेंजह्ल स्वीकार करने तक सीमित रहेंगे, या फिर वास्तव में अपने शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास करेंगे?

सरकार चाहे जितने भी अभियान चला ले, जब तक आम जनता खुद स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देगी, तब तक मोटापे की समस्या बनी रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी की इस मुहिम का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है कि फिटनेस कोई विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। मोटापे की समस्या केवल शरीर तक सीमित नहीं रहती, यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और कार्यक्षमता पर भी असर डालती है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपनी जीवनशैली में बदलाव लाएं, व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और संतुलित आहार अपनाएं। मोदी की इस मुहिम का उद्देश्य भारत को आर्थिक और शारीरिक रूप से मजबूत राष्ट्र बनाना है। लेकिन यह बदलाव तभी संभव होगा जब हम ह्यस्वस्थ भारतह्ल के सपने को सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी न मानें, बल्कि इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। वरना, वह दिन दूर नहीं जब अस्पतालों में मोटापे से ग्रस्त लोगों की लंबी कतारें होंगी।

बच्चों से लालच देकर न कराएं कोई काम

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं। इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।

सामाजिक व्यवहार का आईना होता है परिवार

परिवार समाज की सबसे छोटी इकाई तो होता ही है, यह सामाजिक व्यवहार का छोटा आईना भी होता है। यहां जैसा आचरण, जैसा स्वरूप इंसान रखता है, दुनिया में भी उसकी स्थिति कमोबेश वैसी ही होती है। इसीलिए कहा जाता है कि सारे रवैए घर से दुरुस्त करते चलें। अनुशासन और नियम इसमें मदद करते हैं।

घर का मुखिया अनुशासित होता है, तो परिवार भी अनुशासन में रहता है। परिवार कितना विकसित होता है और कैसे एक खुशहाल और मजबूत परिवार के रूप में उभरकर आता है यह निर्भर करता है उस घर के 'मुखिया' पर। उनका घर के छोटे और बड़े सदस्यों के प्रति व्यवहार व अनुशासन प्रणाली इस प्रकार होनी चाहिए जो परिवार को एक मजबूत व प्रेम की डोरी में बांधकर रख सके। और इसकी शुरुआत होती है घर के छोटे सदस्यों के बालपन से। परिवार के छोटे सदस्य अपने बड़ों से दो प्रकार से सीखते हैं, पहला, जो उन्हें बोलकर सिखाया जाता है, दूसरा, जो बोला है उसे करके दिखाकर। स्पष्ट है, आचरण बोलकर नहीं, अभ्यास में लाकर सिखाया जाता है।

पर अनुशासन जरूरी क्यों है

हम कई बार किसी भी व्यक्ति के लिए सुनते हैं कि 'वह अच्छे परिवार से है', लेकिन सवाल यह है कि 'अच्छा परिवार' बनता कैसे है अच्छा परिवार यानी अनुशासित और जिम्मेदार परिवार, जहां हर सदस्य नियम और कायदों के साथ चलता है। नियम ही परिवार, मनुष्य और वस्तुओं के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न करते हैं। परिजनों, मेहमानों, मूक प्राणियों की भावनाओं तथा वस्तुओं और व्यवस्थाओं के प्रति संवेदनशीलता की जैसी कद्र इंसान घर में करेगा, वैसा ही उसका आचरण बाहर की दुनिया में होगा। नियम और कायदे परिवार की नींव हैं, जो व्यक्ति को बेहतर इंसान बनाते हैं। इससे सबका जीवन समान रूप से व्यतीत होता है और वे परिवार के प्रति जिम्मेदार बनते हैं। जिम्मेदारी का भाव घर के साथ-साथ बाहर भी कायम रहता है।इस तरह तय कर सकते हैं नियम -

एक वक्त का खाना साथ खाएं

कहते हैं कि जो परिवार साथ बैठकर खाना खाता है वो हमेशा एक-साथ होता है। साथ खाना खाने से रिश्ते मजबूत होते हैं और एक-दूसरे के अनुभव साझा करने के लिए भी वक्त मिल जाता है। घर के बड़े एक ऐसा वक्त चुन सकते हैं जब पूरा परिवार घर पर मौजूद हो, जैसे कि रात का भोजन साथ कर सकते हैं। यह नियम भी होना चाहिए कि भोजन करते समय कोई अन्य कार्य नहीं करेगा जैसे कि ना तो मोबाइल का इस्तेमाल करना है और ना ही टीवी देखना है। ध्यान केवल परिवार और भोजन पर होना चाहिए।

प्रार्थना भी सभी सदस्यों के साथ करें

जब हम प्रार्थना, पूजापाठ या इबादत करते हैं, तो अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी प्रार्थना करते हैं। यदि बच्चों को इसमें शामिल करेंगे, तो उनमें स्वार्थ का भाव दूर होने के साथ-साथ दूसरों के लिए प्रार्थना करने का भाव विकसित होगा। इसका दूसरा फायदा यह भी है कि यदि रीति-रिवाज बच्चों में छुटपन से ही डालेंगे, तो वे इन्हें समझेंगे, संस्कारी बनेंगे और जानकार भी। सुबह और शाम के समय यदि बच्चे घर पर मौजूद हैं, तो उन्हें पूजापाठ में शामिल करें। बड़ों के द्वारा की जा रही विधियों को देखकर ही बच्चे सीख सकते हैं। एक समय की प्रार्थना में पूरे परिवार की उपस्थिति अनिवार्य करें। जब एक-साथ प्रार्थना करेंगे, तो साथ मजबूती से खड़े हो सकेंगे।

सबके दायरे तय करें

घर में किस समस्या की चर्चा पर कौन शामिल होगा और किस हद तक शामिल होगा यह घर के मुखिया को तय करना होगा। छोटे किन मुद्दों में शामिल होंगे और किन में नहीं ये दायरे तय करने का हक भी सिर्फ घर के मुखिया या बड़ों का होगा। इन सारी बातों से छोटों में एक अनुशासित व्यवहार विकसित होगा, साथ ही साथ परिवार के सदस्यों में प्रेम व सम्मान बना रहेगा।

समय सीमा का नियम बनाएं

कुछ चीजों के लिए समय सीमा तय करें जिसका पालन बच्चों से लेकर बड़ों तक सब करें। एक नियम आठ घंटे की नींद लेने का बनाएं। ये सबके लिए समान हो। ऐसा ना हो कि बच्चों को जल्दी सोने के निर्देश देकर बड़े देर रात तक जागते रहें। दूसरा नियम घर लौटने के समय का है। कोशिश यह करनी है कि हर सदस्य शाम को तय समय तक घर लौटकर आ जाए। हालांकि जिनकी देर रात तक दफ्तर में काम करने की मजबूरी है, उन्हें छूट दी जा सकती है, लेकिन अन्य सदस्यों के लिए यह नियम अपरिवर्तनीय होना चाहिए।

भेदभाव पैदा ना होने दें

प्रिय बच्चे या प्रिय बहू-बेटे को लेकर पक्षपात वाला रवैया बड़े ना बनाएं। जिन नियमों में लचीलापन है, वो सबके लिए है और जिनके पालन में छूट नहीं दी जा सकती, वो भी सबके लिए समान हो।
फिर भी सवाल उठ सकते हैं, जैसे पहले जिन मामलों में सख्ती थी, अब छूट क्यों है
ऐसे सवालों पर घर के मुखिया को खुलकर बात करनी चाहिए और अपना पक्ष इस तरह स्पष्ट करना चाहिए कि बच्चों के मन में कोई कड़वाहट ना उपजे। सवाल पूछने, जिज्ञासाओं को सामने रखने को प्रोत्साहित कीजिए, यह असरदार और कारगर प्रक्रिया है।

वित्तीय जिम्मेदारी बराबर रखें

संयुक्त परिवार में घर खर्च के हिस्सों को लेकर सबसे ज्यादा मुद्दे खड़े होते हैं। अगर परिवार में दो बेटे हैं, एक की आय दूसरे की तुलना में कम है तो इसे संतुलित करने की जिम्मेदारी भी मुखिया की है। जब घर खर्च को सदस्यों में बांटें, तो फीसदी के हिसाब से तय करें, जैसे हर सदस्य को अपनी आय का पांच या दस फीसदी देना है।

सेकंड हैंड सामान खरीदने से मिलते हैं ये जबरदस्त फायदे

जब भी कपड़े, खिलौने, फर्नीचर और फिर अन्य चीजों की खरीदारी की बात आती है, तो हम सभी उसे नया ही खरीदना चाहते हैं। इसे खरीदने के लिए हम एक बिग स्टोर या दुकान पर जाते हैं। नई चीजें देखने में भले ही आकर्षक लगे, लेकिन वास्तव में यह काफी महंगी होती हैं। कई बार तो आपका इन्हें लेने का मन भी करता है, लेकिन इन्हें खरीदने के बाद आपका पूरा बजट हिल जाता है। वहीं, दूसरी ओर अगर आप एक पॉकेट फ्रेंडली तरीके से अपनी सभी इच्छाओं की पूर्ति करना चाहती हैं तो ऐसे में सेकंड हैंड आइटम खरीदने पर विचार करें। कुछ लोगों को लगता है कि अगर वह सेकंड हैंड आइटम खरीदेंगे तो वह अच्छी नहीं होगी। जबकि ऐसा नहीं है। सेकंड हैंड आइटम खरीदने के अपने कई फायदे होते हैं। इससे आपके पैसों की बचत तो होती ही है, बल्कि इससे अन्य भी कई लाभ मिलते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको सेकंड हैंड आइटम खरीदने के कुछ बेमिसाल बेनिफिट्स के बारे में बता रहे हैं

सपनों को कर सकते हैं पूरा

कई बार किसी चीज को खरीदने का आपका बेहद मन होता है, लेकिन उसकी ऊंची कीमत के कारण आपकी हिम्मत ही नहीं होती कि आप उसे खरीद लें। लेकिन जब आप उसी आइटम को सेकंड हैंड खरीदते हैं तो इससे वही चीज आपको आधे से भी कम दाम में मिल जाती है। इस तरह आप अपनी सभी इच्छाओं की पूर्ति बेहद आसानी से कर पाते हैं। आप चाहें तो सेकंड हैंड आइटम में ब्रांड्स के टैग आदि को भी चेक कर सकती हैं ताकि आप रियल चीज ही खरीदें।

प्रकृति के लिए भी लाभदायक

सेकंड हैंड आइटम खरीदने का एक लाभ यह भी है कि यह आपकी प्रकृति के अनुकूल भी है। दरअसल, जब आप कोई नई आइटम खरीदते हैं तो उससे बनाने में केवल श्रम ही नहीं लगता, बल्कि कुछ सामग्री, ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन भी खर्च होते हैं। फिर चाहे वह मेटल्स की माइनिंग करना हो या फिर पेड़ों को काटना। इस तरह बार-बार नई आइटम खरीदकर हम कहीं ना कहीं अपने नेचुरल रिसोर्स को खर्च करते चले जाते हैं। वहीं, सेकंड हैंड सामान खरीदने से आप उस ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन को बचा सकते हैं। आप जिन्हें खरीद रही हैं, उनके लिए पहले ही संसाधनों का इस्तेमाल किया जा चुका है। इसके अलावा, जब आप इस्तेमाल किया हुआ खरीदते हैं तो आप उन वस्तुओं को दूसरा जीवन दे रहे होते हैं और उन्हें फेंकने से बचाते हैं।

खरीद सकती हैं यूनिक आइटम

यह सेकंड हैंड आइटम खरीदने के एक सबसे अच्छे फायदों में से एक है। दरअसल, जब आप एक नई आइटम खरीदते हैं तो अक्सर मास-प्रोड्यूस्ड आइटम को ही खरीद पाती हैं, जो अधिकतर लोगों के पास होती है। लेकिन अगर आप सबकी तरह नहीं बनना चाहतीं और कुछ अलग व यूनिक आइटम खरीदना चाहती हैं तो आपको एंटीक शॉप्स या सेकंड हैंड शॉप्स पर जाकर सर्च करना होगा। यहां पर आपको कुछ ऐसी बेहतरीन और यूनिक आइटम भी मिल सकती हैं, जिसके बारे में शायद आपने सोचा ही ना हो।

लोकल बिजनेस को सपोर्ट करना

सेकंड हैंड आइटम खरीदने का एक लाभ यह भी होता है कि इससे लोकल बिजनेस को बढ़ावा मिलता है। फिर चाहे आप उसे अपने पड़ोसी से खरीद रहे हों या फिर सोशल मीडिया के जरिए। ऐसे में अगर आप अपने पैसे खर्च करके इस बात की खुशी भी हासिल करना चाहती हैं कि आप लोकल बिजनेस को सपोर्ट कर रही हैं तो ऐसे में सेकंड हैंड आइटम खरीदना अच्छा विचार है।

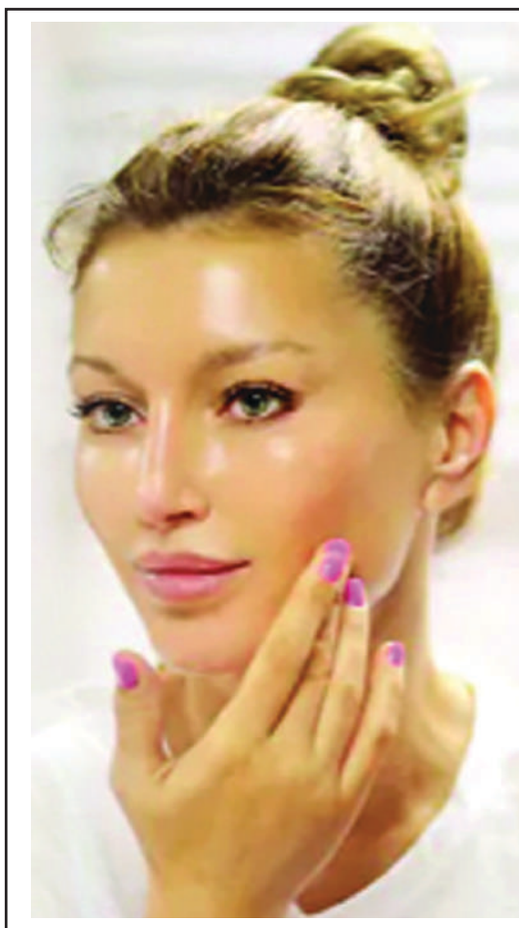

मिनटों में निखारें रंगत

अगर अपना बुझा हुआ सा चेहरा देखकर आप थकान महसूस कर रही हैं? तो आप कुछ ही देर में इसकी रंगत में दिए हुए टिप्स अपनाकर निखार ला सकती हैं।

पूरे हफ्ते के हेक्टिक शेड्यूल के बाद अपने चेहरे को फ्रेश देखने की चाह तो सबमें होती है। आपको बता दें कि बस कुछ मिनटों में ही ऐसा मुनासिब हो सकता है। बस हमारे टिप्स फॉलो करें।

बालों की रंगत

हेयर कलर की बात करें, तो कुछ समय के बाद ये आपके बालों को एक बोर सा लुक देने लगता है। इन्हें तुरंत शाइनी लुक देने के लिए आप कलर कंडीशनर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे बाल कुछ अलग लगेंगे। उनकी चमक में भी निखार आएगा।

पाएं नेचरल लुक

चेहरा कुछ मुरझाया सा दिख रहा है, तो इसके लिए क्विक रिजल्ट देने वाला एक ही तरीका है और वह है ब्लश ऑन। नेचरल लुक देने के लिए हल्का सा ब्लशर गालों पर लगाएं। इससे चेहरा एकदम खिला-खिला दिखेगा। हां, ऐसे में नेचरल शेड ही यूज करें।

आंखों की फ्रेशनेस

अगर आंखें पफी हो गई हैं और डार्क सर्कल्स दिख रहे हैं, तो इन पर गर्म टी-बैग रखने से फ्रेशनेस मिलेगी। इससे कालापन भी दूर होगा। आप खीरे का रस या उसकी स्लाइस काटकर भी आंखों पर रख सकती हैं। इसके अलावा कोई अच्छी आई क्रीम का इस्तेमाल करना भी बेहतर होगा।

ऐसे करें झटपट मेकअप

अगर आपके चेहरे पर ज्यादा थकान है तो अपने पास पर्स में थोड़े से कॉस्मेटिक, पाउडर, क्रीम, शीशा, कंघी और जरूरत की चीजों को रख सकती हैं। इससे ऑफिस या सफर के दौरान कहीं भी थोड़ा सा समय निकालकर झटपट मेकपट कर सकती हैं। इस मेकअप में महज दो मिनट से भी कम समय लगेगा। अगर आपके साथ सहेनियां हैं तो आपको और सुविधा होगी। अगर यात्रा में हैं तो भी आप कुछ ही मिनटों में मेकअप कर सकती हैं। प्रायः देखने में आया है कि महिलाएं किसी के सामने मेकअप करने में शर्मिंदगी लगती है। यह ठीक नहीं है।

पुरानी ऊनी टोपी को इस तरह से करें रियूज

अगर बच्चा बड़ा हो गया है और टोपी छोटी हो गई है या टोपी में रोएं निकल आएं हैं तो इसे फेंकने के बजाए आप किचन में इसे इस्तेमाल कर सकते हैं। जी हां...इसका इस्तेमाल करके किचन में बरतन रखने का स्टैंड बना सकते हैं। इसके लिए आप आप घर में रखी कोई भी दो ऊनी टोपी ले लीजिए। कपड़े टांगने वाले हैंगर ले लें।अब हैंगर के नीचे वाले सिरे में दोनों टोपी को एक एक करके सूई धागे की मदद से सिल दीजिए। हैंगर में टोपी सिलने के बाद आप इसे किचन में कहीं पर भी हैंग कर सकते हैं और इसमें बर्तन रख सकते हैं। कई बार हमारे किचन में कई ऐसी हाफ प्लेटें होती हैं जो कम इस्तेमाल होती हैं और इनपर तेल के छींटे पड़ने से गंदे हो जाते हैं। इन्हें इस स्टैंड में रखने से बर्तन गंदे भी नहीं होगे और टोपी भी इस्तेमाल में आ जाएगा। वहीं आप इसे अपने बाथरूम में भी सामान रखने के लिए टांग सकते हैं। इसमें काफी जगह होती है जिससे आपके कई सामान इसमें रखे जा सकते हैं। तो है ना यह मजेदार हैक्स। टोपी सिर्फ सिर में पहनने के काम नहीं आते हैं इससे आपक कई सारे काम ले सकते हैं। अगर आपके घर में भी कोई पुरानी टोपी रखी है तो आप भी इसे ट्राई कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

पूर्वी चंपारणः शादी के दौरान अचानक बीमार पड़ा दूल्हा, ग्रामीणों ने बारात को बनाया बंधक

पूर्वी चंपारण। जिले के चिरैया थाना क्षेत्र के मोहद्दीपुर गांव में एक शादी के दौरान जमकर हंगामा हुआ।बताया गया कि शादी समारोह के दौरान दूल्हे की तबीयत बिगड़ने पर लड़की पक्ष के लोगों ने पूरी बारात को ही बंधक बना लिया। दरअसल जीतना थाना क्षेत्र के गोबिंदपुर तिवारी टोला निवासी रामएकबाल प्रसाद यादव के बेटे राहुल की बारात रविवार को चिरैया थाना क्षेत्र के मोहद्दीपुर गांव पहुंची, जहां उसकी शादी नरेश प्रसाद यादव की बेटी से होनी थी। शादी में जयमाला की रस्म भी पूरी हुई,लेकिन जैसे ही सिंदूरदान की बारी आई, दूल्हे राहुल की अचानक तबीयत खराब हो गई और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। जिसे देख लड़की पक्ष के लोग नाराज हो गए और अपनी बेटी की शादी एक बीमार लड़के से नहीं करने की बात कहते हुए पूरी बरात को ही बंधक बना लिया और शादी में हुए खर्च की भरपाई की मांग करने लगे।

बंधन बैंक कर्मी से डेढ़ लाख रुपये की लूट

फारबिसगंज/अररिया। अररिया जिला के बथनाहा थाना क्षेत्र में एक बड़ी घटना घटी है, जहां अज्ञात बदमाशों ने बंधन बैंक के स्टॉप श्यामलकाशोर कुमार मिश्रा को बंदूक के नोक पर डरा कर डेढ़ लाख रुपये छीन लिए और दो फायरिंग भी की। यह घटना श्यामनगर चौक से सोनापुर बाजार जाने वाली सड़क पर हुई। घटना के बाद मौके पर बथनाहा थाना अध्यक्ष धनुष कुमार गुप्ता ने जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। लोगों ने बताया कि घटना को दिन के 2:00 बजे अंजाम दिया गया और बदमाशों ने बंधन बैंक कर्मी को बंदूक के नोक पर डरा कर पैसे छीन लिए।

पत्रकार की मौत पर मढ़ौरा में शोक

मढ़ौरा (सारण)। जिले के एकमा प्रखंड से जुड़े दैनिक अखबार के पत्रकार की असामयिक निधन पर मढ़ौरा के पत्रकारों ने शोक जताया है। पत्रकार एकमा निवासी विरेन्द्र कुमार यादव लम्बे समय से पत्रकारिता कर रहे थे। विरेन्द्र कुमार यादव बीते कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उन्हें पटना आईजीएमएस में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान ही उनकी मृत्यु हो गई। विरेन्द्र कुमार यादव की मृत्यु पर मढ़ौरा अनुमंडल के पत्रकार अरुण कुमार सिंह, भूपेश भीम, अवधेश वर्मा,संजीव कुमार, मनोकामना सिंह,सुरेश सिंह पंकज मिश्र, दिनेश सिंह, कुलदीप महासेठ, रंजन श्रीवास्तव, एनके नवल, राणा सिंह, अवधेश गुप्ता ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए शोक जताया है।

अफीम की फसल को पुलिस ने किया नष्ट

नवादा। नवादा जिले के रजौली थानाक्षेत्र के हरदिया पंचायत के परतौनिया जंगल मे सोमवार को लहलहाती अफीम की फसल को रजौली पुलिस और वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में विनष्ट किया है। इन फसलों को उग्रवादियों ने लगाया था ताकि अफीम बेचकर शास्त्रों की खरीदारी की जाए। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि थानाक्षेत्र के परतौनिया जंगल मे अफीम को खेती की जा रही है।सूचना के सत्यापन के बाद अपर थानाध्यक्ष रजौली अजय कुमार और वन विभाग के फोरेस्टर रवि कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई और त्वरित कार्यवाई करते हुए खुफिया इनपुट के आधार पर परतौनिया जंगल में छापेमारी अभियान चलाया गया और परतौनिया गांव के पूरब स्थित जंगल में अफीम की लहलहाती फसल को रजौली पुलिस और वन विभाग की टीम ने मौके पर ही विनष्ट कर दिया।

बिहार बिस में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ₹ 3.17 लाख करोड़ का बजट पेश

- बजट में 61 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे शिक्षा पर

योजना व्यय में खर्च होंगे 1,16,759.60 करोड़

पटना। बिहार विधानसभा में प्रदेश के वित्त मंत्री व उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज भोजनावकाश के बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 3 लाख 16 हजार 895.02 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। यह पिछले वित्तीय वर्ष के बजट आकर से 38,169 करोड़ रूपये अधिक है। बजट में सबसे ज्यादा 61000 करोड रुपये शिक्षा के क्षेत्र में खर्च किए जाएंगे। बजट भाषण में उप मुख्यमंत्री ने बताया कि अगले वित्तीय वर्ष में 2 लाख 60 हजार रुपये का राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य है। यह पिछले वर्ष के मुकाबले 34 हजार 33 करोड़ रुपये अधिक है। बिहार के बजट में इस बार वृद्धि हुई है। उन्होंने राज्य के निरंतर विकास के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया।

शिक्षा पर सबसे अधिक राशि खर्च होगीवित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार वित्तीय वर्ष 2025-26 में शिक्षा पर 60 हजार 954 करोड़, स्वास्थ्य पर 20 हजार 335, ग्रामीण विकास पर 16 हजार 193, ऊर्जा के लिए 13 हजार 483 करोड़ रुपये, समाज कल्याण विभाग व अन्य विभागों पर 13 368 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पटना में महिला हाट की स्थापना की जाएगी। सभी पंचायतों में कन्या विवाह मंडप की स्थापना की जाएगी।

बजट भाषण में सम्राट चौधरी ने कई बड़ी घोषणासम्राट चौधरी ने घोषणा किया है कि 534 प्रखंडों में से 358 प्रखंडों में चरणबद्ध तरीके से एक-एक डिग्री कॉलेज चाहे वो सरकारी हो या निजी खोले जाएंगे। 21 बाजार समिति के आधुनिकीकरण के लिए 1,289 करोड़ की लागत से योजना लाई गई है। सभी बाजार समिति को कार्यशील किया जायेगा। 21 के बाद 17 अन्य बाजार समिति को जोड़ने का काम किया जायेगा। बिहार में एमएसपी पर अरहर, मूंग और उरद दाल को खरीदने का काम करेगी। सभी अनुमंडल-ब्लॉक में कोल्ड स्टोरेज की स्थापना होगी। सुधा के तर्ज पर सभी प्रखंडों में तरकारी सुविधा आउटलेट खोले जायेंगे। इसके लिए समिति का गठन किया जायेगा। गरीब कन्याओं के विवाह हेतु सभी प्रखंडों में कन्या विवाह मंडपों का निर्माण होगा। पटना में चलंत व्यायामशाला की स्थापना की जायेगी, इसमें प्रशिक्षक महिलाएं होंगी। शहरों में पिंक टॉयलेट की स्थापना होगी। सभी जिलों में बस स्टैंड को चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जायेगा।

पटना। बिहार के वित्त मंत्री ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 3,16,895.02 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। जो पिछले बजट की तुलना में 13.69 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसमें से कुल योजना व्यय 1,16,759.60 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 16.7 प्रतिशत अधिक है। राज्य सरकार का स्थापना और प्रतिबद्धता व्यय 2,00,135.42 करोड़ रुपये अनुमानित है।

वेतन पर खर्च होंगे 81,473.45 करोड़ : वेतन व्यय के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा आवंटित किया गया है। बजट में वेतन के लिए 81,473.45 करोड़ रुपये और पेंशन के लिए 33,389.43 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। राज्य के बकाया ऋण पर ब्याज भुगतान की राशि 23,013.94 करोड़ रुपये होगी, जबकि सार्वजनिक ऋण के पुनर्भुगतान के लिए 22,819.87 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। बजट का लक्ष्य राजकोषीय घाटे को राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 2.98 प्रतिशत पर रखकर राजकोषीय अनुशासन बनाए रखना है, जो 3 प्रतिशत की सीमा से नीचे है। राज्य सरकार का कुल बकाया ऋण 4,06,476.12 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जो 2025-26 के लिए राज्य के अनुमानित जीएसडीपी 10,97,264 करोड़ रुपये का 37.04 प्रतिशत है। राज्य के राजस्व खाते से व्यय 2,52,000.26 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि पूंजीगत व्यय 64,894.76 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है, जो कुल व्यय का 20.48 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त, पूंजीगत व्यय को केंद्र सरकार से ऋण के रूप में और सहायता मिल सकती है।

बजट में समाज के हर वर्ग के लोगों का रखा गया ख्याल : मुख्यमंत्री

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बजट में किसानों, उद्यमियों, युवाओं एवं महिलाओं सहित समाज के हर वर्ग के लोगों का ख्याल रखा गया है। इस साल बिहार का बजट 3 लाख 17 हजार करोड़ रुपये का है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बिहार की विकास दर 14.5 प्रतिशत रही है।वह बिहार विधान सभा में सोमवार को पेश बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रस्तुत बिहार बजट (2025-26) न्याय के साथ विकास के हमारे संकल्प को मजबूत करेगा। हमें पूर्ण विश्वास है कि राज्य सरकार अपने राजकोषीय संसाधनों के समुचित प्रबंधन से बिहार के आर्थिक विकास को गति देगी। सड़कों का चौड़ीकरण कर आवागमन की सुविधा को बेहतर किया जायेगा। युवाओं को रोजगार देने के हमारे प्रयास जारी रहेंगे। हम सरकारी नौकरी के साथ-साथ रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कृत संकल्पित हैं, इसके लिए वित्तीय संसाधनों की कमी नहीं होने दी जायेगी। शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि में हमारे प्रयास से हुये विकास को आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रावधान इस बजट में किये गये हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था को समावेशी, तीव्र एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में बिहार बजट अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा, जहां एक ओर हर जिले को चार लेन सड़क से जोड़ा जायेगा, वहीं राज्य के लोगों के लिये सस्ती एवं सुलभ वायु सेवा उपलब्ध कराने के लिये बजट में कई प्रावधान किये गये हैं। विभिन्न जिलों में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्थापना से राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में गुणात्मक सुधार आयेगा। निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार हमेशा तत्पर रही है और इस बजट में इसके लिए कई नई नीतियों के साथ बड़े और महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार किए गए हैं।

सत्ता में बैठे लोगों को बिहार की तरक्की कैसे हो इसकी चिंता नहीं है : तेजस्वी

पटना। बिहार विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 का 3.17 लाख करोड़ रुपये का बजट आज पेश किया गया। वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने दूसरी बार राज्य का बजट पेश किया। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस बजट बेकार का बजट बताया। उन्होंने कहा कि बिहार के हित में यह बजट नहीं है। सत्ता में बैठे लोगों को बिहार की तरक्की कैसे हो इसकी चिंता नहीं है। हमारी पार्टी सत्ता में बैठे लोगों का पोल खोलने का काम करेगी। विधानसभा परिसर के में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार प्रति व्यक्ति आय और किसानों की आय में काफी पीछे है। सबसे ज्यादा बेरोजगारी और गरीबी में बिहार में है। नौकरी और रोजगार कैसे बढे, पेपर लीक कैसे रुके इसकी चर्चा बजट में नहीं की गयी है। लॉ एन्ड ऑर्डर पर भी चर्चा नहीं की गयी। पुलिस का मॉडर्नाइजेशन कैसे हो इसके बारे में कोई चर्चा बजट में नहीं की गयी। लोगों का पलायन को कैसे रुके इसकी भी चर्चा नहीं की गयी। दिव्यांग भाईयों की ना तो चर्चा हुई और ना ही महिलाओं को आर्थिक न्याय देने की बारे में कोई चर्चा की गयी। महिलाओं के लिए पिंक बस चलाने की योजना पर तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार ट्रांसपोर्ट का बस तो ठीक से चल नहीं पाता है ये पिंक बस चलाएंगे। तेजस्वी ने कहा कि यह बेकार का बजट है बिहार के हित में नहीं है। बिहार की तरक्की कैसे हो इन लोगों को चिंता नहीं है। अब हम इन लोगों का पोल खोलने का काम करेंगे। झूठ का पुलिंदा चलने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने गुजरात को क्या-क्या दिया और बिहार को केन्द्र ने कितना दिया इसकी भी चर्चा होनी चाहिए। इस सरकार से बिहार की जनता मायूस तो पहले से थी अब इस बजट से सरकार से विश्वास लोगों का उठ चुका है।

यात्री सुविधाओं से लेकर नई परियोजनाओं की समीक्षा को लेकर होगी बैठक

प्रातः नागपुरी संवाददाता

- सोनपुर रेल मंडल में 5 मार्च को सांसद रुडी की बैठक
- सोनपुर रेल मंडल से संबंधित संसदीय क्षेत्रों के 11 सांसदों सहित सभी रेल अधिकारी बैठक में होंगे शामिल।
- बैठक में 10 लोकसभा एवं 1 राज्यसभा सांसद, जिनमें 5 केंद्रीय मंत्री होंगे शामिल
- नई योजनाओं व लंबित परियोजनाओं तथा यात्रियों की सुविधाओं पर होगी विस्तृत चर्चा
- अमृत भारत ट्रेन के परिचालन व रेलवे के भविष्य की योजनाओं पर होगा विचार-विमर्श
- सोनपुर, दिघवारा और छपरा में नई ट्रेनों के ठहराव को लेकर होगी विशेष चर्चा

छपरा (सारण)। सारण सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रुडी, बुधवार, 05 मार्च को पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल संसदीय समिति की बैठक में सम्मिलित होंगे। सामुदायिक भवन, सोनपुर में आयोजित इस बैठक में सोनपुर मंडल के क्षेत्राधिकार में आने वाले 10 लोकसभा सांसदों और 1 राज्यसभा सांसद को आमंत्रित किया गया है।

बैठक में मुख्य रेलवे परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना और रेल यात्रियों की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए सुझावों पर चर्चा करना है। इस बैठक में हाजीपुर के सांसद एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर, केंद्रीय मंत्री राज भूषण चौधरी, सांसद वीणा देवी, राजेश वर्मा, अजय कुमार मंडल, तारिक अनवर और शाम्भवी चौधरी समेत अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

इस संदर्भ में सांसद श्री रुडी ने बताया कि बैठक के कुछ प्रमुख एजेंडे में वर्तमान रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा और लंबित कार्यों की स्थिति पर चर्चा, अमृत भारत ट्रेन और अन्य महत्वपूर्ण रेल योजनाओं की प्रगति का आकलन, नए रेलवे ओवरब्रिज और अंडरपास के निर्माण पर विचार-विमर्श, सोनपुर, दिघवारा और छपरा में नई ट्रेनों के ठहराव को लेकर निर्णय और रेलवे स्टेशनों की सफाई और यात्री सुविधाओं को लेकर विशेष चर्चा होगी। सांसद राजीव प्रताप रुडी ने कहा कि सोनपुर मंडल का रेलवे इतिहास बहुत पुराना और गौरवशाली रहा है। एक समय पर सोनपुर देश का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म वाला रेलवे स्टेशन हुआ करता था। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रेलवे को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कई ऐतिहासिक फैसले लिए गए हैं, जिससे परियोजनाओं की गति तेज हुई है और यात्री सुविधाओं में लगातार सुधार हो रहा है।

सड़क हादसे में दो की मौत, पांच घायल

भागलपुर। जिले के सजौर थाना क्षेत्र के कजरैली सजौर सड़क मार्ग पर दराधी गांव के पास सोमवार को एख तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने सामने से आ रही ई-रिक्शा में टक्कर मार दिया। इस दौरान ई-रिक्शा करीब पचास फीट तक ट्रैक्टर में फंस कर घसीटता रहा। इस घटना में ई-रिक्शा पर सवार दो लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीन घायलों को इलाज के लिए मायागंज अस्पताल भेजा है। वहीं ई-रिक्शा चालक राजा यादव को परिजन ईलाज के लिए ले गये हैं। घटना के समय नाले के उपर पुलिया पर बैठे राहगीर भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना से इलाके के लोगों में काफी आक्रोश है। मृतकों के परिवार के लिए मुआवजे की मांग की गई है।

मृतक की पहचान परमेश्वर ठाकुर (40) दरियापुर के रुप में की गई है। महिला की पहचान नहीं हो पाई है। परमेश्वर ठाकुर के परिजन शव को सड़क पर रखकर जिले से एसपी को बुलाने की मांग पर करने लगे। आक्रोशित लोगों ने घटना के विरोध में कई घंटो तक सड़क जाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस की सुस्ती से सड़कों पर गाड़ियां गलत तरीके से चलाई जाती हैं। उन्हें रोकने वाला कोई नहीं है। इस कारण निर्दोष लोग मौत के शिकार बन रहे हैं।

पेज एक का शेष

बजट में प्रमुख...

- वृहद एवं मध्यम सिंचाई के लिए 779.20 करोड़ का योजना प्रस्ताव तैयार। इसमें नयी सिंचाई परियोजना का निर्माण एवं पुरानी संचाई परियोजनाओं को पूरा करने का लक्ष्य। पूर्ण हो चुके और अपूर्ण वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के पुनर्स्थापन, जीर्णोद्धार, विस्तार एवं आधुनिकीकरण के लिए 136 करोड़ रुपए का बजट में किया गया प्रावधान। स्वर्णरेखा परियोजना के लिए सरकार ने आवंटित किये 350 करोड़ रुपए।
- बराकर नदी पर वीयर बनाकर भूमिगत पाईपलाइन से पीरटांड़ प्रखंड को मिलेगी सिंचाई की सुविधा। इस पर सरकार 3 साल में 639.20 करोड़ रुपए खर्च करेगी।
- पंचायती राज को सुदृढ़ करने पर सरकार 2144.78 करोड़ रुपए खर्च करेगी।
- झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए 13,363.35 करोड़ रुपए का प्रबंध सरकार ने बजट में किया।
- मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना का लाभ दिव्यांगों, आदिम जनजातियों, निराश्रित महिलाओं, एचआईवी/एड्स से पीड़ित और ट्रांसजेंडर/थर्ड जेंडर के लोगों के साथ-साथ 50 साल की उम्र पूरी करने वाले आर्थिक रूप से कमजोर सभी महिलाओं और एससी, एसटी के सभी लोगों को पेंशन का लाभ मिल रहा है। इसके लिए सरकार ने बजट में 3850.66 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इस योजना का लाभ 34 लाख लोगों को मिलेगा।
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना के मद में 1449.26 करोड़ रुपए सरकार खर्च करेगी। इन योजनाओं का लाभ 12 लाख लोगों को मिलेगा।
- झारखंड में 2500 आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए भवन का निर्माण कराया जायेगा
- 7700 आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए टेबुल, कुर्सी के लिए 250.17 करोड़ रुपए देगी सरकार।
- जनजाति बहुल क्षेत्रों में 275 आंगनबाड़ी केंद्रों के भवन निर्माण पर 33 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार।
- गर्भवती महिलाओं एवं जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर 60 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार। इस पैसे से 4 लाख लभार्थियों को मातृ किट दिये जायेंगे, जिसमें मच्छरदानी, जच्चा-बच्चा के लिए पोशाक, तेल, साबुन, बाल्टी-मग इत्यादि होगी।
- दिव्यांगों के कल्याण के लिए 5.5 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार।
- दिव्यांग बच्चों, परित्यक्त, निराश्रित, विधवा महिलाओं एवं बुजुर्गों के लिए विद्यालय, अनाथालय, आश्रम संचालन के लिए 15 करोड़ रुपए का बजट में किया प्रावधान।
- बालिकाओं एवं किशोरियों को उच्च शिक्षा के लिए आकर्षित करने, बाल विवाह पर रोक, कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत 8वीं से 12वीं तक की बच्चियों के लिए 310 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- कामकाजी गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था में समुचित आराम, देखभाल के लिए आर्थिक मदद के लिए 60 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- महिलाओं, बच्चों और सामाजिक सुरक्षा के लिए 22,023.34 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा के लिए 15198.35 लाख करोड़ रुपए।
- उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए 2409.21 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने पर 740.51 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार।
- पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के लिए बजट में 4710.03 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामलों के लिए 2,863.49 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान।
- श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विभाग के लए 1,085.74 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग को सरकार ने दिये 3384.46 करोड़ रुपए।
- पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के लिए बजट में 1,381.99 करोड़ रुपए की व्यवस्था।
- पथ निर्माण पर 5,900.89 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार।
- साहिबगंज में नये डोमेस्टिक एयरपोर्ट एंड कार्गो हब के लिए भूमि अधिग्रहण को सरकार मंजूरी दे चुकी है। टूरिस्ट सर्किट के लिए हेली शटल सेवा शुरू करने की योजना पर विचार चल रहा है।
- नागर विमानन के लिए 115.19 करोड़ रुपए का बजट में किया प्रावधान।
- ऊर्जा विभाग को वित्त मंत्री ने दिये 5,05 करोड़ रुपए।
- ग्रामीण एवं शहरी विद्युतीकरण पर 500 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार।
- बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर 9894.36 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार।
- 20 हजार करोड़ का निवेश लायेगी सरकार, 15 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से मिलेगा रोजगार। उद्योग विभाग के लिए बजट में 486.32 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- भवन निर्माण विभाग को वित्त मंत्री ने दिये 861.57 करोड़ रुपए
- नगर विकास एवं आवास विभाग के लिए बजट में 3,577.69 करोड़ रुपए की व्यवस्था।
- पर्यटन विभाग को मिला 336.64 करोड़ रुपए का बजट।
- सूचना, प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस पर 303.97 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार।
- गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन के लिए 9,916.95 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान।
- वित्त मंत्री ने व्यक्त किया आभार : वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए जे हब तथा स्टेट टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना होगी।
- बजट को अबुआ बजट का नाम : वित्त मंत्री ने बजट में झारखंड को शिक्षा में इनोवेशन हब बनाने का एलान किया। इसके साथ ही पर्यटक स्थलों को टूरिस्ट सर्किट बनाने का एलान किया है।
- राज्यपाल को सौंपी बजट की कॉपी : बजट पेश करने से पहले वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर राजभवन पहुंचे, यहां उन्होंने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को बजट की कॉपी सौंपी।

पूर्व सेबी प्रमुख...

बुच, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के प्रबंध निदेशक सुंदररमन राममूर्ति और चार अन्य अधिकारियों ने इस आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

विशेष अदालत के आदेश को दी गई चुनौती : मुंबई स्थित एसीबी की विशेष अदालत ने शनिवार को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के मामलों में बुच समेत अन्य अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया था। इस फैसले को याचिकाकर्ताओं ने अवैध और मनमाना करार देते हुए रद्द करने की मांग की। न्यायमूर्ति एस. जी. डिगे की अध्यक्षता वाली एकल पीठ ने इस मामले पर मंगलवार को सुनवाई तय की और तब तक एसीबी अदालत के आदेश पर कोई कार्रवाई न करने का निर्देश दिया।

टाटा व आईआईएससी...

आईआईएससी के विज्ञान और इंजीनियरिंग प्रयोगशालाओं में प्रशिक्षण के साथ-साथ, छात्रों को अत्याधुनिक नैदानिक अभ्यास का अनुभव मिलेगा।

स्वास्थ्य सेवा को लेकर टाटा समूह का दृष्टिकोण : टाटा संस के अध्यक्ष एन चन्द्रशेखरन ने कहा, "स्वास्थ्य सेवा भारत की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, लेकिन यह एक बड़ा अवसर भी है। यह मेडिकल स्कूल अत्याधुनिक अनुसंधान और वैश्विक सहयोग पर जोर देते हुए चिकित्सक-वैज्ञानिकों का एक उच्च योग्य कैडर तैयार करेगा। उनका प्रभाव स्वास्थ्य देखभाल के सभी क्षेत्रों में महसूस किया जाएगा और इससे लोगों को गुणवत्तापूर्ण उपचार तक पहुंचने में मदद मिलेगी।"

आईआईएससी के निदेशक का बयान : आईआईएससी के निदेशक प्रोफेसर जी रंगराजन ने कहा, "टाटा समूह के साथ इस साझेदारी से हमें चिकित्सा क्षेत्र में नई सीमाएं स्थापित करने का अवसर मिलेगा। टाटा और आईआईएससी की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता की एक सदी पुरानी विरासत है, और हम इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह साझेदारी भारत और दुनिया भर में किफायती स्वास्थ्य देखभाल समाधान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।"

बजट पेश करने...

राजनीतिक और व्यक्तिगत जीवन का संगम : कल्पना सोरेन का जन्मदिन इस बार खास मायनों में मनाया गया, क्योंकि झारखंड विधानसभा में बजट पेश किया गया था। उनके इस विशेष दिन पर राजनीति और व्यक्तिगत जीवन का संगम देखने को मिला, जिससे यह दिन और भी यादगार बन गया।

सरेंडर कर चुके...

सीओ ने बताया कि सोमवार को बरवाडीह अंचल के तीन लोगों को भूमि बंदोबस्ती पर्चा दिया गया है। इनमें उपेंद्र सिंह खरवार, (नवाडीह, थाना छिपादोहर), कमलेश सिंह उर्फ नाना जी, (लात, हरहे, थाना छिपादोहर) एवं मोहन परहिया ऊर्फ आलोक परहिया (नावाडीह, थाना छिपादोहर) का नाम शामिल है। थाना प्रभारी धीरज कुमार ने क्षेत्र के अन्य नक्सिल्यों से सरकार की इस नीति का लाभ लेकर सरेंडर करने की अपील की।

मानवाधिकारों पर छह...

ताकि प्रत्येक देश में अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं के साथ उभरती मानवाधिकार चुनौतियों का सर्वोत्तम तरीके से समाधान करने के तरीकों पर विचार और खोज की जा सके। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (भारत) ने भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम (आईईटीसी) के अन्तर्गत इसका आयोजन किया है। ग्लोबल साउथ के 14 देशों के राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थानों (एनएचआरआई) से लगभग 47 प्रतिभागी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। ये देश मेडागास्कर, युगांडा, समोआ, तिमोर लेस्ते, डीआर कांगो, टोगो, माली, नाइजीरिया, मिस्र, तंजानिया, मॉरीशस, बुरुंडी, तुर्कमेनिस्तान और कतर हैं।

भारत-नेपाल में जल...

इस समझौते के तहत दोनों देश जल संसाधन प्रबंधन, कचरा प्रबंधन और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग करेंगे। नेपाली कर्मियों को जल संसाधन प्रबंधन में प्रशिक्षित किया जाएगा और दोनों देशों के बीच तकनीकी व ज्ञान साझा किया जाएगा। समझौते में भूजल प्रबंधन पर भी विशेष जोर दिया गया है, जिसमें गुणवत्ता सुधार और वर्षा जल संचयन जैसे प्रयास शामिल होंगे। सीआर पाटिल ने इसे स्वास्थ्य, सतत विकास और क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया, जबकि प्रदीप यादव ने भारत की स्वच्छ जल और स्वच्छता योजनाओं की सराहना करते हुए सहयोग को और मजबूत करने की बात कही।

क्रिकेटर काशीनाथ...

एक्स पर एक पोस्ट में शास्त्री ने कहा, 'पैडी शिवालकर के निधन के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। एक अद्भुत, दयालु व्यक्ति, एक शानदार गेंदबाज और मेरे करियर के शुरुआती दिनों में एक बड़ी प्रेरणा। परिवार के प्रति संवेदना, और भगवान उनकी आत्मा को शांति दें'।

केंद्रीय मंत्री की बेटी और सहेलियों से छेड़छाड़ करने वाले तीन युवक गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता रक्षा खडसे की बेटी के साथ जो कुछ भी हुआ उसने सभी को हैरानी में डाल दिया है। अब हर किसी के मन में सवाल उठ रहा है कि अगर एक केंद्रीय मंत्री की बेटी ही सुरक्षित नहीं है, तो आम लड़कियों की सुरक्षा का क्या होगा। बता दें 24 फरवरी रात को कोथली गांव में संत मुक्ताई यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री खडसे की बेटी और उनकी कुछ सहेलियों के साथ कुछ मनचले लड़कों ने छेड़छाड़ कर दी थी। इस घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। रक्षा खडसे के सुरक्षा गार्ड की शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस के मुताबक अनिकेत भोई, किरण माली और अनुज पाटिल को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया है। पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामले से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। केंद्रीय मंत्री खडसे ने इस घटना के बाद कहा था कि अगर एक केंद्रीय मंत्री और सांसद की बेटी के साथ छेड़छाड़ की जा रही है, तो बाकी लोगों का क्या होगा? उन्होंने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस से भी बात की थी और मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

स्कूलों में स्मार्टफोन ले जाने पर रोक लगाने से हाईकोर्ट ने किया इनकार

-कहा- इसका अनुशासन या शैक्षिक वातावरण पर कोई नकारात्मक असर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने स्कूलों में बच्चों को स्मार्टफोन ले जाने पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि स्मार्टफोन के इस्तेमाल से कक्षा में शिक्षण, अनुशासन या समग्र शैक्षिक वातावरण पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ता है। यह फैसला एक छात्र की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुनाया, जिसमें स्कूल में मोबाइल फोन के प्रयोग को लेकर दिशा निर्देश जारी करने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले में अपना रुख साफ करते हुए कहा कि तकनीक के इस युग में स्मार्टफोन पूरी तरह से नकारात्मक नहीं माना जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि स्मार्टफोन का इस्तेमाल अगर सही दिशा में किया जाए तो यह बच्चों के लिए शैक्षिक संसाधन के रूप में काम कर सकता है। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि मनोरंजन के उद्देश्य से इसका इस्तेमाल स्कूल परिसर में करना स्वीकार नहीं है। इस फैसले के बाद स्कूलों को जिम्मेदारी दी गई है कि वे बच्चों के स्मार्टफोन इस्तेमाल पर उचित दिशा-निर्देश बनाएं ताकि इसका दुरुपयोग न हो। कोर्ट ने इस्तेमाल के नियमों का उल्लंघन रोकने के लिए पारदर्शी, निष्पक्ष नियम लागू करने का आदेश कोर्ट ने स्कूलों को दिया है। कोर्ट ने चेतावनी दी कि स्मार्टफोन का इस्तेमाल केवल शैक्षिक उद्देश्यों तक सीमित रहना चाहिए। मनोरंजन, सोशल मीडिया या गेमिंग जैसे कार्यों के लिए इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती।

पंजाब में हाईटेक बंटी-बबली ने कर दिया 3500 करोड़ का बड़ा कांड

चंडीगढ़(एजेंसी)। पंजाब के इस जोड़े की दास्तां सुनकर आपको भी शायद भरोसा ना हो। इस कपल ने सालों से लोगों को लूट-लूट कर 3500 करोड़ रुपए छाप लिए। पुलिस की आंखों में धूल झोंककर दोनों कई महीनों से पकड़ में नहीं आ रहे थे। हालांकि बीते शुक्रवार पुलिस ने इस जोड़े को धर दोबाचा और फिलहाल वे ईडी की हिरासत में हैं। शनिवार को जालंधर की एक पीएमएलए कोर्ट ने सुखविंदर सिंह खरौर नाम के शख्स को 10 दिन और उसकी पत्नी डिंपल खरौर को पांच दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया है। इस जोड़े की ठगी की लिस्ट लंबी है। दोनों ने मिलकर क्लाउड स्पेस खरीदने और उसे वापस लीज पर देने के नाम पर सालों तक लोगों को ठगा और उससे मोटी रकम छापी। कपल ने पिछले 2-3 सालों में 3,500 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम इकट्ठी की और उससे ऐश करते रहें। पिछले महीने ईडी ने इनके ठिकानों से 80 करोड़ रुपये की कम से कम 26 लग्जरी कारें जब्त की थीं। वहीं पंजाब में दोनों की 178 करोड़ रुपये की प्रापर्टी भी पुलिस ने जब्त की थी।जानकारी के मुताबिक आरोपियों ने अपनी काली कमाई को सफेद करने के लिए कई शेल कंपनी बनाईं। डिंपल के बैंक अकाउंट्स और उसकी फर्जी कंपनियों जैसे खरौर फिल्म्स एलएलपी, फूटचैट एंटरटेनमेंट प्राइवेट और अवनी आईटीइंफा वेंचर्स लिमिटेड के जरिए पैसे डायवर्ट किए गए। ईडी ने बताया है कि व्यूनाउ ग्रुप के सीईओ और संस्थापक सुखविंदर इस घोटाले के मास्टरमाइंड हैं।

जॉर्डन-इजरायल बॉर्डर पर सेना ने बरसा दीं गोलियां भारत के शख्स की मौत

तिरुवनंतपुरम(एजेंसी)। जॉर्डन-इजरायल बॉर्डर पर केरल के एक शख्स की उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि वह कथित तौर पर सीमा पार कर रहा था। आरोप है कि मृतक अवैध रुप से जॉर्डन-इजरायल सीमा पार करने की कोशिश कर रहा था। मरने वाले की पहचान थुंबा निवासी 47 वर्षीय एनी थॉमस गेब्रियल के रूप में हुई है। मृतक गेब्रियल के परिवार ने रविवार को बताया कि उन्हें एक मार्च को भारतीय दूतावास की तरफ से एक ईमेल मिला, जिसमें एनी की मौत के बारे में कन्फर्म किया गया था। एनी की रिश्तेदार मेटिल्डा ने रविवार को बताया, हमें जॉर्डन में भारतीय दूतावास से एनी की मौत के बारे में एक ईमेल मिला, लेकिन उसके बाद कोई और जानकारी नहीं मिली है। यह घटना 10 फरवरी को हुई, जब जॉर्डन के सैनिकों ने सीमा पर गोलीबारी की। परिवार के सूत्रों के अनुसार, गेब्रियल के रिश्तेदार एडिसन को भी गोली मारी गई, लेकिन वह बच गया और वह घायल अवस्था में घर लौट आया है। गेब्रियल के एक रिश्तेदार ने एक टीवी चैनल को बताया कि पांच फरवरी को जब वह घर से निकला था, तो तमिलनाडु में ईसाई धार्मिक स्थल वेलंकन्नी जाने की बात कही थी।इंडियन एंबेसी ने 'एक्स' पर लिखा, पार्थिव शरीर को ले जाने के लिए जॉर्डन के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

अब राफेल को टक्कर देने के लिए आ रहे केएफ-21 व एमकेएल लड़ाकू विमान

-दोनों की कीमत और मेंटेनेंस भी काफी कम, क्षमताएं भी एडवांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। राफेल फाइटर जेट की एक अलग पहचान है। ये एक मल्टीरोल लड़ाकू विमान है जो एडवांस टेक्नोलॉजी और युद्ध में अपनी क्षमता साबित कर चुका है, लेकिन फ्रांस का लालच जल्द ही इस फाइटर जेट के मार्केट को बर्बाद कर सकता है। फ्रांसीसी राफेल को अमेरिकी स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35 या रूसी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एसयू-57 से खतरा नहीं है, बल्कि दो ऐसे फाइटर जेट्स बाजार में आने वाले हैं, जो राफेल को चुनौती पेश कर सकते हैं। ये फाइटर जेट हैं दक्षिण कोरिया का केएफ-21 बोरामे और भारत का तेजस एमकेएल इन दोनों फाइटर जेट्स को लेकर दावा किया जा रहा है कि ये राफेल के बराबर शक्तिशाली हैं। इनमें एडवांस एवियोनिक्स और हथियार रखने की जगह है। इसके अलावा इन दोनों की कीमत भी राफेल की तुलना में काफी कम बताई जा रही है।

डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये क्षमताएं फ्रांसीसी राफेल के बाजार को खराब कर सकती हैं। फ्रांस के लिए राफेल फाइटर जेट लंबे वक्त से एक प्रीमियम प्रोडक्ट रहा है। इसमें एडवांस रडार सिस्टम, एडवांस इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और मल्टीरोल क्षमताएं हैं। इस वजह से भारत, कतर और मिस्र के देशों ने राफेल फाइटर जेट खरीदा है, लेकिन राफेल फाइटर जेट की कीमत बहुत ज्यादा है। राफेल के रखरखाव, अपग्रेडेशन और हथियारों के एकीकरण में बहुत ज्यादा खर्च होता है, जिसकी वजह से देशों के लिए राफेल फाइटर जेट का मेंटिनेंस करना मुश्किल है।इंडियन डिफेंस रिसर्च विंग की रिपोर्ट के मुताबिक 2016 में भारत ने 36 राफेल जेट के लिए 8.7 अरब डॉलर का सौदा किया था। इसमें कोई शक नहीं की राफेल को खरीदकर भारतीय वायुसेना की ताकत में जबरदस्त इजाफा हुआ है। डिफेंस एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर भागीदारी के तहत राफेल को बनाया जाता तो इस लागत को कम किया जा सकता था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दक्षिण कोरिया में बना केएफ-21 बोरामे लड़ाकू विमान और भारतीय तेजस फाइटर जेट डिफेंस बाजार में तहलका मचा सकते हैं। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह ये है कि राफेल के मुकाबले इसके मेटिनेंस में काफी कम है। केएफ-21 एक 4.5-पीढ़ी का लड़ाकू विमान है, जिसका डिजाइन और डेवलपमेंट कोरिया एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने किया है। इस फाइटर जेट को खास तौर पर राफेल और टाइफून जैसे विमानों को टक्कर देने के लिए डिजाइन किया गया है। वहीं केएफ-21 लड़ाकू विमान के एक यूनिट की कीमत करीब 65 मिलियन डॉलर होने की संभावना है। लिहाजा देशों के लिए ये एक आकर्षक पैकेज हो सकता है। जबकि राफेल फाइटर जेट के एक यूनिट की कीमत 120 मिलियन डॉलर है।

वहीं भारत का तेजस एमकेएल, जो स्वदेशी तेजास एमकेएल का एक विकसित वैरिएंट है, अगले कुछ सालों में ये बनकर तैयार हो जाएगा। इसमें एडवांस जीई एफ414 इंजन, एडवांस एवियोनिक्स और भारत के स्वदेशी हथियारों जैसे अस्त्र और ब्रह्मोस के साथ आसानी से एकीकरण की क्षमता है। लिहाजा तेजस एक बेहतरीन लड़ाकू विमान बन गया है। इसके अलावा इसका मेंटिनेंस और भी कम होने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक तेजस के एक यूनिट की कीमत सिर्फ 50 से 60 मिलियन डॉलर प्रति यूनिट हो सकती है। इसके अलावा क्षमताओं के लिहाज से ये राफेल फाइटर जेट से ज्यादा एडवांस होगा।

मायावती के एक्शन पर बोले आकाश आनंद : समाप्त नहीं हुआ मेरा राजनीतिक करियर

लखनऊ(एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी ऐलान किया कि उनके जीते जी पार्टी का कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। मायावती ने अपने भाई आनंद कुमार और रामजी गौतम को पार्टी का नेशनल कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है और उनके कार्यों का बंटवारा कर दिया है। मायावती के इस फैसले के बाद पहली बार आकाश आनंद की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर एक विस्तृत पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने इस फैसले का सम्मान करने की बात कही। उन्होंने कहा, कुछ विरोधी दल के लोग ये सोच रहे हैं कि पार्टी के इस फैसले से मेरा राजनीतिक करियर समाप्त हो गया, उन्हें समझना चाहिए कि बहुजन मूवमेंट कोई करियर नहीं, बल्कि करोड़ों दलित, शोषित, वंचित और गरीबों के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान की लड़ाई है। अपनी पोस्ट में आकाश आनंद ने आगे लिखा, मैं परमपूज्य आदरणीय बहन कुमारी मायावती जी का कैडर हूं, और उनके नेतृत्व में मैंने त्याग, निष्ठा और समर्पण के कभी ना भूलने वाले सबक सीखे हैं। यह सब मेरे लिए केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य हैं। आदरणीय बहन जी का हर फैसला मेरे लिए पत्थर की लकीर के समान है, मैं उनके हर फैसले का सम्मान करता हूं और उनके साथ खड़ा हूं। मायावती के इस निर्णय को बसपा में बड़े नेतृत्व परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से ऐसा माना जा रहा था कि आकाश आनंद पार्टी में उनकी राजनीतिक विरासत संभालेंगे, लेकिन अब मायावती के स्पष्ट संदेश से इन अटकलों पर विराम लग गया है।

पीएम मोदी, नड्डा के बाद अब संघ प्रमुख भागवत पहुंच रहे बिहार दौरे पर

सुपौल (एजेंसी)। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने है। यह देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित तमाम सियासी दिग्गज बिहार में दौरा कर रहे है। वहीं अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत 6 मार्च को बिहार के सुपौल जिले आ रहे है। विधानसभा चुनाव से पहले उनके इस दौरे को खासा महत्व है। इस दौरान भागवत वीरपुर नगर पंचायत के वार्ड संख्या 01 स्थित केशव नगर में बने सरस्वती विद्या मंदिर के नए भवन का उद्घाटन करने वाले है।

बता दें, यह पहली बार होगा जब संघ प्रमुख इंडो-नेपाल बॉर्डर पर किसी कार्यक्रम को संबोधित करने वाले है। उनके इस दौरे को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सर संघ संचालक भागवत गुरुवार को दिन के 11.30 बजे बीरपुर पहुंचकर 1 बजे से कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचने वाले है। फिर अपने संबोधन के बाद 2.30 बजे स्वयं सेवकों के साथ बैठक करने वाले है। नेपाल से सटे वीरपुर जैसे इलाके में इस तरह के आयोजन का खास महत्व है। यह क्षेत्र राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समृद्धि और सीमावर्ती इलाकों में शिक्षा के प्रचार-प्रसार का प्रतीक बन रहा है। सीमावर्ती इलाकों में विद्या भारती के स्कूल जैसे संस्थान न केवल शिक्षा का स्तर बढ़ा रहे हैं, बल्कि राष्ट्रवादी विचारधारा को भी मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

विद्या भारती बिहार के क्षेत्र संगठन मंत्री ख्याली राम ने कहा, भागवत जी का वीरपुर में आना हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। यह लंबे समय से योजना में था कि विद्यालय का उद्घाटन उनके हाथों कराया जाए। कोरोना महामारी के कारण यह संभव नहीं हो सका। अब यह मौका आ रहा है, और हम सभी कार्यकर्ता जोरदार तैयारी कर रहे हैं। उनके आगमन से यह संदेश जाएगा कि हिंदुत्व के सबसे बड़े चिंतक और मार्गदर्शक हमारे बीच आ रहे हैं। अपने दौरे के दौरान भागवत विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों और आम नागरिकों से मुलाकात करने वाले है। वे समाज और राष्ट्र निर्माण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने वाले है। इस मौके पर हिंदुत्व, शिक्षा और सामाजिक एकता को लेकर संवाद होगा। कार्यक्रम स्थल पर भारी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना है।

पप्पू यादव ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा: नीतीश के बिना कोई हैसियत नहीं

पटना (एजेंसी)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भाजपा और एनडीए पर तीखा हमला बोला और कांग्रेस को बेहतर पार्टी बताया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के बिना बीजेपी की कोई औकात नहीं है। पप्पू यादव ने दावा किया कि एनडीए में मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार से बेहतर कोई चेहरा नहीं है।

पप्पू यादव ने कहा, बीजेपी को कभी भी नीतीश कुमार का चेहरा पसंद नहीं था, लेकिन इस जन्म में उनसे बेहतर सीएम पद के लिए कोई नेता बीजेपी के पास नहीं होगा। उन्होंने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि किसी को जबरदस्ती पाउडर लगाकर मुख्यमंत्री बना सकते हैं, लेकिन असली नेतृत्व की कमी है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु के बयान– इस बार बिहार में ए टीम बनकर काम करेंगे– पर पप्पू यादव ने समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि बिहार में कांग्रेस ही बीजेपी को टक्कर दे सकती है और बिना कांग्रेस के एनडीए को हराना नामुमकिन है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा महिलाओं को 2500 रुपये भत्ता देने और वृद्धा पेंशन बढ़ाने की मांग पर भी पप्पू यादव ने तंज कसा। उन्होंने कहा, जब सरकार में थे, तब क्यों नहीं बढ़ाया? चुनावी मौसम में वैज्ञानिक बनने का क्या मतलब है? पप्पू यादव ने केंद्रीय बजट पर भी निशाना साधा और कहा कि इसका कोई फायदा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में प्रति व्यक्ति 8000 रुपये कर्ज बढ़ गया है, जबकि 91 लाख करोड़ शेयर मार्केट में बर्बाद हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनावी मार्केटिंग के लिए जनता के पैसे का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए और फ्री बिजली देने की योजना पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए।

पप्पू यादव के इस बयान के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। अब देखना यह होगा कि बीजेपी और अन्य विपक्षी दल इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

डब्ल्यूएचओ का दावा, दुनिया में 2 बिलियन से ज्यादा लोगों की आंखों की रोशनी कमजोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में बड़ी चीज हैं आंखें, आंखों की देखभाल करना बहुत जरूरी है। उम्र बढ़ने के साथ यह बढ़ा देनी चाहिए क्योंकि इनका स्वास्थ्य कमजोर होने लगता है और नजर कम होने लगती है। आंखों की केयर नजरअंदाज करने पर वक्त से पहले चश्मा चढ़ सकता है, जिसे हटाना मुश्किल हो सकता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने बताया कि दुनिया के 2 बिलियन से ज्यादा लोगों को आंखों की रोशनी कमजोर है। इनमें से किसी को पास का देखने में तो किसी को दूर का देखने में दिक्कत होती है, लेकिन इनमें से 1 बिलियन लोग कुछ टिप्स की मदद से समस्या को कम कर सकते हैं। ?आंखों की किसी समस्या से बचना है तो रेगुलर आई टेस्ट करवाते रहें। इससे आई डिजीज और कमजोर रोशनी को पहचानकर उसे वहीं रोका जा सकता है।

घर से बाहर जाते हुए सनग्लास और ब्रिम्ड हैट पहनें। इससे धूप में मौजूद यूवी रेज आंखों को नुकसान नहीं पहुंचाती है। साथ ही धूल-मिट्टी से इंफेक्शन का डर कम हो जाता है। वैसे तो डिजिटल डिवाइस का इस्तेमाल कम से कम करना चाहिए, अगर आपका काम इनके बिना नहीं चलता है तो बीच-बीच में ब्रेक लेना ना भूलें। इससे आंखों पर तनाव ज्यादा नहीं पड़ेगा। टूल और केमिकल इस्तेमाल करते हुए आई प्रोटेक्शन पहनें। क्योंकि इनके पार्टिकल्स आंखों में जा सकते हैं, जिससे जलन, इंफेक्शन, धुंधला दिखना या आई डिजीज हो सकती है।

अगर आप धूम्रपान करते हैं तो इससे ब्लड फ्लो बाधित हो सकता है, जिससे आंखों को पोषण मिलने में दिक्कत हो सकती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि अगर आंखों को हेल्दी रखना हैं तो स्मोकिंग ना करें। यह नुस्खे की जानकारी व दावे पर आधारित हैं। इसकी सटीकता और असर की जिम्मेदारी हम नहीं लेते है।

जम्मू-कश्मीर में भाजपा के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी के साथ इस तरह के गठबंधन की न तो कोई गुंजाइश है और न ही इसकी कोई जरूरत है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके विचार काफी अलग हैं। जम्मू-कश्मीर बजट सत्र से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हम (भाजपा के साथ) किसी गठबंधन की बात नहीं कर रहे हैं, न तो इसकी कोई गुंजाइश है और न ही इसकी जरूरत है। हमारे विचार भी मेल नहीं खाते।

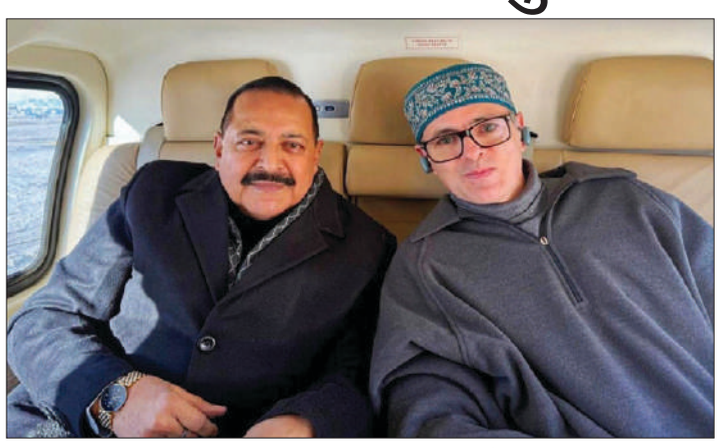

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर हम जम्मू-कश्मीर के बारे में बात करते हैं, तो हमारे विचार बहुत अलग हैं। हम (सत्र के दौरान) हर चीज पर चर्चा करेंगे। इससे पहले उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार लोगों से किये गये सभी वादों को पूरा करेगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कथित तौर पर छाया मंत्रिमंडल (शैडो कैबिनेट) गठित करने की आलोचना करते हुए कहा कि भारत में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमारे देश में सिर्फ एक ही मंत्रिमंडल है। कोई 'छाया मंत्रिमंडल' नहीं है। अब तक यहां भाजपा ने राज किया है। अब जनता की सरकार अपना काम करेगी।''

अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''छाया (मंत्रिमंडल) की कोई जरूरत नहीं है। हमने लोगों से उनकी उम्मीदों को पूरा करने का वादा किया है और हम अपने वादों पर कायम हैं।'' मुख्यमंत्री ने गुलाम सिब्तैन मसूदी के निवास पर जाकर अपनी संवेदना व्यक्त की, जिनका इस सप्ताह की शुरुआत में निधन हो गया था। मसूदी नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक हसनैन मसूदी के भाई और हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक के ससुर थे।

रमजान, ईद और होली को लेकर उत्तर प्रदेश में मजबूत की गयी सुरक्षा व्यवस्था

लखनऊ (एजेंसी)। रमजान, ईद और होली को देखकर उत्तर प्रदेश में सुरक्षा-व्यवस्था को मजबूत किया गया है। सुरक्षा कड़ी रहे इसके लिए उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने पुलिसकर्मियों को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए है। इसी कड़ी में 24 घंटे रेलवे ट्रैक से लेकर सोशल मीडिया पर हिमाकत करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

यूपी डीजीपी कुमार का कहना है कि ट्रेनों की आवाजाही के दौरान किसी तरह की अराजकता ना हो और ट्रैक पर कोई पथराव ना करे इसके लिए पर्याप्त बंदोबस्त किए जा रहे है। थानेदारों को रेलवे ट्रैक पर नजर रखने के निर्देश दिए गए है।

जानकारी के मुताबिक राज्य में होली के त्यौहार को देखते हुए ही अन्य कार्यक्रमों की अनुमति मिलेगी। त्यौहारों को देखते हुए किसी तरह की नई परंपरा या नया जुलूस निकाले जाने की अनुमति नहीं होगी। होलिका दहन हो या जुमे की नमाज सुरक्षा के इंतजाम भी पुख्ता किए जा रहे है।

डीजीपी कुमार ने टीम के सदस्यों को जरुरी दिशा निर्देश जारी किए है। डीजीपी के मुताबिक ट्रेनों पर पथराव ना हो इसके लिए भी पुख्ता इंतजाम किए गए है। इलाके के एसीपी को होलिका दहन और जुमे की नमाज को लेकर नागरिकों के साथ बैठक करने को कहा है। किसी तरह की समस्या आने पर तत्काल जानकारी दी जानी चाहिए। इतना ही नहीं डीजीपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि अपने क्षेत्र के रेलवे ट्रैक का नक्शा भी रखें। पुलिस को ट्रैक के आसपास रहने वाले लोगों का ब्यौरा अपने पास रखना चाहिए। रेलवे पटरियों के पास रहने वाले लोगों का ब्यौरा तैयार करने को कहा गया है। इतना ही नहीं, सभी थाना प्रभारियों को अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली की जांच के निर्देश दिए गए हैं। ड्रोन के जरिए निगरानी बढ़ाई जाएगी।

राम मंदिर में दर्शन के बाद जूते-चप्पल लेने के लिए लगाना पड़ रहा 5-6 किमी का फेरा

-लोग छोड़कर ही जा रहे जूते-चप्पल, इसे हटाना नगर निगम के लिए बना चुनौती

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के लिए पिछले डेढ़ महीने से भीड़ बढ़ने से नगर निगम अधिकारियों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। भीड़ को मैनेज करने कुछ नियमों में बदलाव किए हैं जिससे बहुत से श्रद्धालु अपने जमा जूते चप्पलों को लेने नहीं आ रहे हैं। अब इन्हें हटाना प्रशासन के लिए चुनौती बन गया है। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक मंदिर के प्रवेश द्वार पर प्रतिदिन जूते-चप्पल जमा किया जाते हैं, जिन्हें जेसीबी मशीनों से इकट्ठा कर ट्रॉलियों में भरकर दूर किसी स्थान पर डंप किया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार गेट नंबर 1 जो राम पथ पर स्थित है, वहां भक्तों से उनके जूते-चप्पल उतरवाकर जमा कराए जाते हैं। मंदिर परिसर में करीब आधा किलोमीटर का चक्कर लगाने के बाद श्रद्धालु उस गेट पर वापस आकर अपने जूते-चप्पल लेते हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अयोध्या प्रशासन ने भक्तों को गेट नंबर 3 और अन्य गेटों से बाहर निकलने के निर्देश दिए हैं। इससे अपने जूते-चप्पल लेने के लिए उन्हें 5-6 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है। इस कारण कई श्रद्धालु अपने जूते-चप्पल वहीं छोड़कर नंगे पांव ही चले जाते हैं।

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य ने बताया कि महाकुंभ के कारण भक्तों की संख्या बढ़ गई। पिछले 30 दिनों में व्यवस्थाओं में बदलाव किए गए हैं, ताकि भक्तों की भीड़ को बिना किसी अव्यवस्था के आसानी से दर्शन करने की सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर का गेट नंबर 3 खोल दिया गया है। मंदिर के दर्शन के बाद, भक्तों को इस गेट से बाहर जाने का मार्ग दिया जा रहा है। दर्शन के बाद, श्रद्धालु श्रीराम अस्पताल होते हुए आगे बढ़ते हैं। चूंकि राम पथ पर एकतरफा मार्ग है, इसलिए भक्तों को अपने जूते-चप्पल लेने के लिए 5 से 6 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। इसलिए वह इस परेशानी से बचने के लिए अपने जूते-चप्पल वहीं छोड़कर चले जाते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025

विराट कोहली ने रोनाल्डो स्टाइल में मनाया जश्न, फैंस हुए क्रेजी

दुबई, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले में विराट कोहली दुबई के मैदान पर फील्डिंग करते हुए खूब मजे लेते दिखे। भारतीय टीम जब पहली पारी में 249 रन बनाकर फील्डिंग कर रही थी, तभी विराट मस्ती के मूड में दिखे। उन्हें दर्शकों ने मशहूर फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की तरह सेलिब्रेशन मनाते हुए देखा गया। कोहली ने न्यूजीलैंड पारी के 8वें ओवर के दौरान यह सेलिब्रेशन मनाया जब रचिन रवींद्र की जल्द विकेट गिरने के बाद विल यंग और केन विलियमसन पारी को संभाल रहे थे। कोहली और रोनाल्डो सोशल मीडिया साइट्स पर सबसे ज्यादा फॉलो होने वाले एथलीट्स में से एक है। रोनाल्डो के इंस्टाग्राम पर जहां 650 मिलियन फॉलोअर्स हैं तो वहीं, विराट के 270 मिलियन फॉलोअर्स हैं। वह भारत के सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले व्यक्ति भी हैं। विराट कोहली जहां इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सिर्फ सचिन तेंदुलकर और कुमार संगाकारा से ही पीछे हैं तो वहीं, रोनाल्डो के नाम पर सबसे ज्यादा क्लब गोल का रिकॉर्ड है। विराट पहले ही क्रिस्टियानो को अपना फेवरेट फुटबॉलर मानते आए हैं। साल 2019 में उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि मैंने रोनाल्डो नाज़ारियो, रोनाल्डिन्हो, ओलिवर काह्न, लुका मोड्रिक, एंड्रेस इनिएस्ता, ज़ावी, लियोनेल मेस्सी और रोनाल्डो के प्रदर्शन का आनंद लिया। मेरे लिए क्रिस्टियानो हर किसी से पहले है। वह दृढ़ निश्चयी हैं और उनका काम किसी से पीछे नहीं है। वह सफलता चाहता है, आप इसे हर खेल में देख सकते हैं।

कोहली ने कहा कि रोनाल्डो। मुझे लगता है कि उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और उन्होंने उन सभी को पार कर लिया है। वह अब तक देखे गए खिलाड़ियों में सबसे पूर्ण हैं और उनकी कार्य नीति, जैसा कि आपने पहले कहा, किसी से पीछे नहीं है। वह बहुत से लोगों को प्रेरित करते हैं। बहुत से लोग ऐसा नहीं करते हैं। वह एक नेता भी हैं और मैं उन्हें पसंद करता हूं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केएल राहुल की होगी छुट्टी! ऋषभ पंत को मिलेगा मौका?

नई दिल्ली, एजेंसी ।भले ही बांग्लादेश के खिलाफ केएल राहुल ने फील्डर ऑफ द मैच का मेडल जीता, लेकिन यह विकेटकीपर बल्लेबाज अपनी फॉर्म को बरकरार नहीं रख सका. न्यूजीलैंड के खिलाफ केएल राहुल से कई गलतियां हुई. केएल राहुल की गलतियों ने कप्तान रोहित शर्मा और टीम मैनेजमेंट की परेशानी बढ़ा दी है. इस टूर्नामेंट के लिए केएल राहुल को फर्स्ट च्वॉइस विकेटकीपर के तौर पर चुना गया. जबकि ऋषभ पंत को बैकअप के तौर पर रखा गया है. अब सवाल है कि क्या भारतीय टीम मैनेजमेंट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में केएल राहुल के साथ उतरेगी या फिर ऋषभ पंत का रूख करेगी?

न्यूजीलैंड के खिलाफ केएल राहुल ने एक के बाद एक गलतियां की...

न्यूजीलैंड के खिलाफ केएल राहुल ने सबसे पहले केन विलियमसन का कैच छोड़ा. उस समय केन विलियमसन महज 1 रन बनाकर खेल रहे थे. इसके बाद केन विलियमसन 81 रन बनाकर पवैलियन लौटे. न्यूजीलैंड की पारी के 26वें ओवर में केएल राहुल से फिर बड़ी गलती हो गई. कुलदीप यादव की गेंद पर टॉम लेथम की बैट का एज लगा, लेकिन केएल राहुल कैच पकड़ने में नाकाम रहे. वहीं, केएल राहुल के कैच छोड़ने के बाद भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा का रिएक्शन देखने लायक था. रोहित शर्मा बेहद उदास नजर आए.

तो अब केएल राहुल पर गिरेगी गाज?

केएल राहुल की गलतियों का सिलसिला यहीं नहीं रूका... न्यूजीलैंड की इनिंग के 35वें ओवर में रवींद्र जडेजा की गेंद पर फिर से केन विलियमसन का कैच छोड़ा. दरअसल, भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तो जीत गई, लेकिन अगर इन गलतियों को दुरूस्त नहीं किया गया तो नॉकआउट मैचों में परेशानी का सबब बन सकता है. दरअसल, ऐसा माना जाता है कि इस समय भारतीय सपोर्ट स्टाफ और कप्तान का भरोसा केएल राहुल के साथ है, लेकिन इसके बावजूद अगर ऋषभ पंत जैसे विकल्प बेंच पर बैठे हैं तो विचार किया जा सकता है. बहरहाल, यह देखना मजेदार होगा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में कप्तान और टीम मैनेजमेंट का फैसला क्या होता है?

फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर

फैंस के लिए खुशखबरी, विश्व कप क्वालिफायर में अर्जेंटीना की कमान मेसी संभालेंगे

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंक लेकर शीर्ष पर है, जबकि उरूग्वे के 20 अंक हैं। पहला मैच मोंटेवीडियो में 21 मार्च को खेला जाएगा।

अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने उरूग्वे और ब्राजील के खिलाफ दक्षिण अमेरिका विश्व कप फुटबॉल क्वालीफाइंग मैचों के लिसे लियोनेल मेसी की अगुआई में 33 खिलाड़ियों की प्रारंभिक टीम चुनी है। टीम में अंडर 21 स्ट्राइकर क्लाउडियो इचेवेरी को भी शामिल किया गया है जो हाल ही में मैनचेस्टर सिटी से जुड़े हैं। इनके अलवा निकोलस पाज, बेंजामिन डोमिनगेज और सैंटियागो कास्ट्रो भी टीम में हैं जो 21 वर्ष से कम उम्र के हैं। अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंक लेकर शीर्ष पर है, जबकि उरूग्वे के 20 अंक हैं। पहला मैच मोंटेवीडियो में 21 मार्च को खेला जायेगा ।

वरुण चक्रवर्ती ने तोड़ा मोहम्मद शमी का यह बड़ा रिकॉर्ड, चैंपियंस ट्रॉफी में फाइफर लेने वाले दूसरे उम्रदराज गेंदबाज बने

दुबई, एजेंसी। भारतीय टीम के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के आखिरी लीग मैच में मौका दिया गया और उन्होंने क्या गेंदबाजी की। वरुण की गेंदबाजी को कीवी बल्लेबाज समझ ही नहीं पाए और उन्होंने 5 विकेट लेकर भारतीय टीम को 44 रन से जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। वरुण को उनकी इस घातक गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। यही नहीं उन्होंने इस गेंदबाजी के दम पर मोहम्मद शमी के इस रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया।

वरुण चक्रवर्ती ने तोड़ा शमी का रिकॉर्ड

वरुण चक्रवर्ती ने कीवी टीम के खिलाफ 10 ओवर में 42 रन देकर 5 विकेट लिए और वो चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की तरफ से बेस्ट गेंदबाजी करने वाले दूसरे बॉलर बने। वरुण ने शमी को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने इस टूर्नामेंट में भारत के लिए बांग्लादेश के खिलाफ 53 रन देकर 5 विकेट लिए थे, लेकिन अब वो तीसरे नंबर पर चले गए जबकि 42 रन देकर 5 विकेट लेने वाले वरुण दूसरे नंबर पर आ गए। इस लिस्ट में रविंद्र जडेजा पहले स्थान पर हैं जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 36 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए बेस्ट गेंदबाजी

5/36 - रविंद्र जडेजा बनाम वेस्टइंडीज
5/42 - वरुण चक्रवर्ती बनाम न्यूजीलैंड
5/53 - मोहम्मद शमी बनाम बांग्लादेश
4/38 - सचिन तेंदुलकर बनाम ऑस्ट्रेलिया
4/45 - जहीर खान बनाम जिम्बाब्वे

हॉकी:

सीनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में तेलंगाना और दिल्ली की जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। डिवीजन बी के पूल ए में तेलंगाना ने असम पर 3-1 से जीत दर्ज कर अपने अभियान की शुरुआत की। दिन के दूसरे डिवीजन बी मैच में दिल्ली ने हिमाचल को 1-0 से हराया। तेलंगाना और दिल्ली ने रविवार को हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दूसरे दिन डिवीजन बी में जीत दर्ज की जबकि दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव ने भी डिवीजन सी के अपने मैच जीते। डिवीजन बी के पूल ए में तेलंगाना ने असम पर 3-1 से जीत दर्ज कर अपने अभियान की शुरुआत की। दिन के दूसरे डिवीजन बी मैच में दिल्ली ने हिमाचल को 1-0 से हराया। डिवीजन बी में दिन का आखिरी मैच छत्तीसगढ़ और चंडीगढ़ के बीच 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ।

भारत के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया का स्टार ओपनर चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की टीम चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में है. मगर वहां पहुंचने के बाद उसे एक बड़ा झटका लगा है. टीम के स्टार ओपनर मैथ्यू शॉर्ट को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा है. शॉर्ट के बाहर होने की वजह उन्हें लगी चोट हैं. ऑस्ट्रेलिया ने टीम में ऑलराउंडर की भूमिका निभाने वाले मैथ्यू शॉर्ट को युवा कूपर कोनोली से रिप्लेस किया है. शॉन मार्श की तरह बनने का इरादा रखने वाले कूपर भी बल्लेबाज होने के साथ-साथ शॉर्ट की ही तरह गेंद को टर्न कराने में भी माहिर हैं. मैथ्यू शॉर्ट को चोट अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में फील्डिंग करते हुए लगी थी, जिसके चलते उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होना पड़ा है. कप्तान स्टीव स्मिथ ने प्राइम वीडियो को बताया कि शॉर्ट सही से मूव भी नहीं कर पा रहे थे. हमें लगा था कि मुकाबले के बीच में मिले ब्रेक में वो रिकवर कर जाएंगे. मगर ऐसा नहीं हुआ. मैथ्यू शॉर्ट ने ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत में अहम भूमिका निभाई थी. उस मैच में उन्होंने 66 गेंदों में 63 रन की पारी खेली थी. उसके अलावा शॉर्ट ने अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में 15 गेंदों में 20 रन बनाए थे. इस तरह उन्होंने टूर्नामेंट के 2 मैचों में 83 रन बनाए.

शॉर्ट को कूपर कोनोली ने किया रिप्लेस

21 साल के कूपर कोनोली की ऑस्ट्रेलियाई टीम में एंट्री पर ICC की टेक्निकल कमेटी की तरफ से मुहर लग चुकी है. कूपर टीम के ट्रेवलिंग रिजर्व का हिस्सा थे. कूपर कोनोली ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था. उन्होंने अब तक सिर्फ 3 वनडे खेले हैं, जिसमें 10 रन बनाने के अलावा उनका कुछ खास योगदान नहीं है.

सेमीफाइनल में खेल सकते हैं कूपर

कूपर कोनोली सोमवार को यानी सेमीफाइनल मुकाबले से पहले टीम से जुड़ जाएंगे. उनके बतौर ओपनर सेमीफाइनल में खेलने के भी कयास लग रहे हैं. हालांकि टीम के पास जैक फ्रेजर जैसे ओपनर पहले से ही हैं मगर कूपर के खेलने की बड़ी वजह उनकी लेफ्ट आर्म स्पिन होगी, जो की शॉर्ट की ही तरह टीम को गेंदबाजी का एक विकल्प देने का काम करेंगे.

कबड्डी:

6 मार्च से हरिद्वार में शुरू होगा युवा ऑल स्टार्स चैंपियनशिप का महासंग्राम

हरिद्वार, एजेंसी। अपनी तरह का पहला कबड्डी टूर्नामेंट युवा ऑल स्टार्स चैंपियनशिप 6 मार्च 2025 से वंदना कटारिया इंडोर स्टेडियम हरिद्वार में शुरू होने जा रहा है। इस चैंपियनशिप के दौरान प्रतिदिन चार मुकाबले होंगे जबकि ग्रैंड फिनाले 4 अप्रैल को खेला जाएगा।

युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने वाले इस मंच के बारे में बताते हुए युवा कबड्डी सीरीज के सीईओ विकास गौतम ने कहा, यह टूर्नामेंट सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ियों की टक्कर वाला ऐसा प्रारूप होने वाला है, जैसा कबड्डी के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ।

30 दिनों तक लगातार होने वाले इन रोमांचक मुकाबलों में देश भर के युवा सितारे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते नजर आएंगे।

चर्चा को बढ़ाते हुए उन्होंने आगे कहा कि, युवा ऑल स्टार्स चैंपियनशिप हमारे और युवा खिलाड़ियों के लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। यह युवा कबड्डी को एक नए मुकाम तक ले जाने का पहला कदम है और इसमें सम्मिलित होने वाले सभी प्रतिभागियों को मैं उज्जवल भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं देता हूं।

12 टीमें भिड़ेंगी खिताब के लिए

इस टूर्नामेंट में 12 टीमें खिताब के लिए एक दूसरे के आमने-सामने नजर आएंगी। दिसंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच खेले गए 11वें युवा कबड्डी सीरीज संस्करण से 6 टीमें इस चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं।

डिवीजन 1 के विजेता पलानी टस्कर्स इस चुनौती की अगुवाई करेंगे, जबकि सोनीपत स्पार्टन्स (रनर-अप) और कुरुक्षेत्र वॉरियर्स (तीसरा स्थान) भी अपनी दावेदारी पेश करते नजर आएंगे।डिवीजन 2 से यूपी फाल्कन्स (चैंपियन) और चंडीगढ़ चार्जर्स (रनर-अप) भी इस लीग का हिस्सा रहेंगे, वहीं डिवीजन 3 के विजेता वास्को वाइपर्स भी इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। इन 6 क्वालीफाई टीमों के अलावा 6 इनविटेशनल यूथ टीमें भी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी, जिनके नाम जल्द घोषित किए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग 11 में कोई बदलाव न करे टीम इंडिया: शास्त्री

दुबई, एजेंसी। भारतीय सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री का मानना है कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम को चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में बिना किसी बदलाव के विजयी टीम के साथ उतरना चाहिए। उन्होंने इसका कारण यह बताया कि टीम ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ 44 रन की जीत के दौरान दुबई की परिस्थितियों का अच्छा अनुभव लिया है। भारत ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप ए के आखिरी मैच में न्यूजीलैंड को 44 रन से हराकर मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में जगह बनाई है। यह मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। खास बात यह है कि 2023 वनडे विश्व कप फाइनल के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 50 ओवर के किसी भी आईसीसी नॉकआउट मुकाबले में यह पहली भिड़ंत हो रही है। उस मैच में भारत को अहमदाबाद में हार का सामना करना पड़ा था। शास्त्री ने आईसीसी के इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, मुझे लगता है कि टीम में कोई बदलाव नहीं करना चाहिए क्योंकि अगले मैच के लिए केवल 48 घंटे का समय है। पिच पर खिलाड़ियों के दौड़ने से असर पड़ा है और वही पिच अगले मैच में इस्तेमाल होगी। ऐसे में स्पिनरों की भूमिका फिर से अहम रहेगी।

रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में भारत ने दुबई की धीमी पिच को देखते हुए चार स्पिनरों - रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती - को खिलाया था। इन चारों ने कुल मिलाकर 9 विकेट लिए, जिसमें चक्रवर्ती सबसे सफल रहे। उन्होंने 10 ओवर में 42 रन देकर 5 विकेट लिए, जो इस टूर्नामेंट में अब तक का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है।

शास्त्री ने सही समय पर चक्रवर्ती को मौका देने के लिए टीम मैनेजमेंट की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, अगर आप उनकी मौजूदा फॉर्म देखें, तो यह शानदार है। मैं हमेशा मानता हूं कि वर्तमान फॉर्म सबसे महत्वपूर्ण होती है। उनका आत्मविश्वास और बॉडी लैंग्वेज बेहतरीन है। न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमें इस टूर्नामेंट में बनी हुई हैं, लेकिन इनमें से किसी ने भी चक्रवर्ती को ज्यादा खेला नहीं है और न ही उन पर ज्यादा अध्ययन किया है।

उन्होंने आगे कहा, उनका प्रदर्शन मुझे बहुत प्रभावित कर रहा है। टीम मैनेजमेंट ने सही समय पर उन पर भरोसा दिखाया। वह बीच के ओवरों में विकेट निकालने वाले गेंदबाज हैं और अब जब उन्हें मौका मिला, तो उन्होंने पांच विकेट झटके। मुझे लगता है कि अब वह टीम में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। शास्त्री ने यह भी कहा कि दुबई की पिच पर पहले बल्लेबाजी करते हुए 240-250 का स्कोर बनाना सेमीफाइनल में जीत की कुंजी हो सकता है। उन्होंने कहा, अगर आप पहले बल्लेबाजी करते हैं और 240-250 से ज्यादा रन बना लेते हैं, तो यह इतने बड़े मुकाबले में काफी चुनौतीपूर्ण लक्ष्य होगा।

आईफोन 15 पर चल रहा है कार्ड डिस्काउंट

नई दिल्ली ।

अगर आप आईफोन खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, यह समय आपके लिए उपयुक्त है। वर्तमान में आईफोन 15 फोन पर कार्ड डिस्काउंट चल रहे हैं। इसकी वजह से फोन की कीमत ज्यादा डाउन हो गई है। आप भी इसे खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो हम कुछ टिप्स देने जा रहे हैं।

एप्पल आईफोन 15 (128जीबी) की एमआरपी 69,900 रुपए है, लेकिन आप इसे फ्लिपकार्ट पर 7प्रतिशत डिस्काउंट के बाद 64,999 रुपए में खरीद सकते हैं। साथ ही इस पर कार्ड डिस्काउंट भी अलग से चल रहे हैं। फोनपे यूपीआई ट्रांजैक्शन पर करीब 1प्रतिशत का डिस्काउंट मिल सकता है। लीपकार्ट एक्सीस कार्ड से पेमेंट करेंगे तो 5 प्रतिशत का अनलिमिटेड कैशबैक मिलता है। आईडीएफसी फर्स्ट पावर वूमेन प्लेटिनियम कार्ड से पेमेंट करने पर 5 प्रतिशत का डिस्काउंट मिल सकता है। ऐसे में आपको अलग-अलग डिस्काउंट ऑफर्स हासिल करने पर काफी सस्ता मिल सकता है। पुराना फोन वापस करने पर आपको अलग से डिस्काउंट मिल सकता है।

इसे एक्सचेंज ऑफर का नाम दिया गया है। एक्सचेंज ऑफर के तहत आपको ये फोन 39,150 रुपए सस्ता मिल सकता है। लेकिन इतना सस्ता फोन हासिल

करने के लिए आपके पुराने फोन की कंडीशन ठीक होनी चाहिए और ये पुराने फोन के मॉडल पर भी डिपेंड करता है। अगर ये डिस्काउंट भी आपको पूरा मिल जाता है तो आईफोन 15 आपको महज 25,849 रुपए में मिल सकता है। फोन की कंपनी की तरफ से 1 साल की वारंटी मिल रही है। आईफोन 15 के फीचर्स को लेकर आपको ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है। इस फोन में 6.1 इंच सुपर रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले दिया जाता है। फोन में डुअल रियर कैमरा दिया जाता है जिसका प्राइमरी कैमरा 48एमपी मिलता है।

साथ ही आईफोन 15 में 12एमपी फ्रंट कैमरा मिलता है। इसकी मदद से आपके लिए सेल्फी या शॉर्ट वीडियो शूट करना आसान हो जाता है।

तमिलनाडु में विनिर्माण इकाई लगाने के लिए जमीन तलाश रही टेस्ला

- दक्षिण भारत में ईवी के लिए परिवेश और लक्जरी कारों की मांग सबसे ज्यादा

नई दिल्ली ।

वाहन क्षेत्र की वैश्विक कंपनी टेस्ला द्वारा दक्षिण भारत के तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में अपनी विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए जमीन की तलाश कर रही है। इस बीच उद्योग और सरकारी विशेषज्ञ इस बात का संकेत दे रहे हैं कि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बेहतर रूप से विकसित पारिस्थितिकी तंत्र और प्रीमियम वाहनों की बढ़ती मांग अमेरिका की इस लग्जरी कार विनिर्माता को इस क्षेत्र में आकर्षित कर रही है। कंपनी महाराष्ट्र और गुजरात में भी जमीन तलाश रही है लेकिन विशेषज्ञों की बात पर भरोसा करें तो लक्जरी वाहन विनिर्माताओं की बढ़ती मांग का बड़ा हिस्सा दक्षिण भारत से आ रहा है। आंध्र प्रदेश सरकार के एक सूत्र ने कहा कि दक्षिण भारत में ईवी के लिए परिवेश और लक्जरी कारों की मांग सबसे ज्यादा है इसी वजह से टेस्ला हमसे बातचीत कर रही है। 2024 में दक्षिण भारत में लक्जरी श्रेणी के वाहनों की बिक्री में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई और तमिलनाडु में 2022-23 की तुलना में प्रीमियम कार पंजीकरण

में 19.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। बेंगलूर में भी पिछले साल अल्ट्रा-लक्जरी कार बाजार में 35 फीसदी का इजाफा हुआ है। देश की इलेक्ट्रिक वाहनों की कुल बिक्री में 45 फीसदी हिस्सेदारी दक्षिण भारत की है। इसकी मुख्य वजह तमिलनाडु में मूल उपकरण विनिर्माताओं, कलपुर्जा आपूर्तिकर्ताओं और बैटरी विनिर्माण इकाइयों के लिए दमदार परिवेश की मौजूदगी है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने हाल ही में अपने 25 शोरूम को लक्जरी लाउंज में बदलने के लिए 150 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है और मुख्य ध्यान महानगरों और मझोले शहरों पर होगा। लेम्बोर्गिनी ने भी दक्षिण में अपनी डीलरशिप विस्तार की योजना बनाई है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि भारत में बिकने वाले सभी इलेक्ट्रिक वाहनों में से 40 फीसदी तमिलनाडु में बनते हैं।

किआ ने पहला मॉडल पीवी5 किया पेश

नई दिल्ली ।

अपनी बियॉन्ड व्हीकल (पीबीवी) रणनीति के तहत कार बनाने वाली कंपनी किआ ने पहला मॉडल पीवी5 पेश किया है। पीवी5 मॉडल को स्पेन के टैरागोना में आयोजित 2025 किआ ईवी दिवस पर प्रदर्शित किया गया।

पीवी5 कोरिया और यूरोप में 2025 की दूसरी छमाही में लॉन्च होगा, जबकि अन्य बाजारों में 2026 में आएगा। इसकी प्री-बुकिंग 2025 की पहली छमाही में शुरू होने की उम्मीद है। यह ई-जीएमपी.एस प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जो बैटरी-इलेक्ट्रिक स्केटबोर्ड आर्किटेक्चर का उपयोग करता है। इसका मॉड्यूलर डिज़ाइन इसे यात्री परिवहन, कार्गो डिलीवरी और अन्य विशेष रूपांतरणों के लिए उपयुक्त बनाता है।पीवी5 को तीन बॉडी स्टाइल - पैसेंजर, कार्गो और चेसिस कैब में पेश किया जाएगा। इसके अलावा, व्हीलचेयर सुलभ मॉडल , बॉक्स वैन और लाइट कैंपर जैसे व्यावसायिक रूपांतरण विकल्प भी उपलब्ध होंगे। इसमें 51.5केडब्ल्यूएच या 71.2केडब्ल्यूएच एनसीएम बैटरी के विकल्प मिलेंगे, जबकि कार्गो वेरिएंट के लिए 43.3केडब्ल्यूएच एलएफपी बैटरी दी जाएगी।

इसकी 120 केडब्ल्यू फ्रंट मोटर 250 एनएम टॉर्क उत्पन्न करती है और 400 किमी तक की रेंज प्रदान करती है। फास्ट चार्जिंग तकनीक के तहत यह 30 मिनट में 10-80प्रतिशत तक चार्ज हो सकता है। पीवी5 में एंड्रॉइड ऑटोमोटिव ओएस-आधारित इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलेगा, जो ओवर-द-एयर (ओटीए) अपडेट और स्मार्ट कनेक्टिविटी प्रदान करता है। इसके वाहन-से-लोड (वी2एल) क्षमता के जरिए बाहरी उपकरणों को सीधे वाहन से पावर दी जा सकती है।

पैसे नहीं डाले जाने पर बंद हो सकते हैं ये अकाउंट्स

नई दिल्ली ।

पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ) और सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाय) अकाउंट में अगर चालू वित्त वर्ष में इनमें पैसे नहीं डाल पाए, तो अकाउंट एक्टिव रखने के लिए 31 मार्च 2025 तक कुछ रुपए जरूर डाल दें। इन अकाउंट में पैसे नहीं डाले जाने पर ये अकाउंट्स बंद हो सकते हैं। अगर न्यूनतम जरूरी रकम नहीं डाली, तो इन्हें दोबारा एक्टिव करवाने के लिए आपको जुर्माना देना पड़ेगा। आपको अपनी इन योजनाओं में मिनिमम निवेश बनाए रखना होता है ताकि यह पता चल सके कि आपका खाता एक्टिव है। पब्लिक प्रोविडेंट फंड अकाउंट रखने वालों के लिए मिनिमम डिपॉजिट 500 रुपए है यानी आपको इसमें एक वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपए का निवेश करना होता है। ऐसा न करने पर आपका खाता बंद हो सकता है। इसमें पैसा डालने की आखिरी तारीख 31 मार्च 2023 है तो आप उससे पहले ये मिनिमम बैलेंस डाल दें। पीपीएफ अकाउंट पर अभी 7.1 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। सुकन्या समृद्धि योजना सुकन्या समृद्धि योजना में अगर अकाउंट है तो आपको हर वर्ष में मिनिमम 250 रुपए जमा करने होते हैं। अगर आप यह पैसा नहीं जमा करते हैं तो आपको 50 रुपए जुर्माना देना पड़ेगा। सुकन्या समृद्धि योजना अकाउंट पर अभी 8.2प्रतिशत ब्याज मिल रहा है।

टैक्स छूट का मिलता है फायदा इन दोनों ही स्कीम्स में निवेश करने पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट का फायदा लिया जा सकता है। इसके तहत 1.5 लाख रुपए तक के सालाना निवेश पर आप टैक्स छूट पा सकते हैं। आसान भाषा में इसे ऐसे समझें, आप धारा 80सी के माध्यम से अपनी कुल कर योग्य आय से 1.5 लाख रुपए तक कम कर सकते हैं। बता दें कि अकाउंट में ग्राहक को मिनिमम अमाउंट जमा करना होता है। अगर आप आखिरी तारीख तक पैसा नहीं डालते हैं तो आपको हर साल के हिसाब से 50 रुपए जुर्माना देना होगा।

एआई युग में भारत रहेगा सबसे आगे : पीयूष गोयल

मुंबई ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मोदी सरकार की दमदार नीतियों के कारण उद्यमियों और इनोवेटर्स को नई डिजिटल लहर का लाभ उठाने में मदद मिलेगी, जिससे भारत एआई युग में सबसे आगे रहेगा। मुंबई टेक वीक 2025 में अपनी बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा` कि मुझे पूरा विश्वास है कि आवश्यक इंफास्ट्रक्चर, पूंजी और कौशल उपलब्धता में किए जा रहे निवेश के साथ मुंबई भारत का टेक हब बन सकता है। केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, मुंबई टेक वीक 2025 में शानदार बातचीत हुई, जहां मुझे एआई को अपनाने और इसके नैतिक उपयोग में योगदान देने में भारत के लाभ के बारे में विस्तार से बोलने का मौका मिला। भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने में लीडरशिप पोजीशन स्थापित कर रहा है। देश ने 2024 में 3 बिलियन एआई-रिलेटेड-ऐप डाउनलोड दर्ज किए, जो अमेरिका के 1.5 बिलियन और चीन के 1.3 बिलियन की संख्या से कहीं आगे था। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के अनुसार यह दर्शाता है कि भारत यूज केस कैपिटल ऑफ एआई है, जिसका अर्थ है कि देश केवल एआई के बारे में केवल बात ही नहीं कर रहा है या एआई में केवल रिसर्च ही नहीं कर रहा है; यह असल में इसे बड़े पैमाने पर लागू भी कर रहा है। पिछले महीने पेरिस में एआई एक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बारे में बात की कि कैसे एआई केवल एक

राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बल्कि एक वैश्विक जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक ऐसा एआई होना बहुत जरूरी है जो नैतिक, इंक्लूसिव और भरोसेमंद हो। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया एआई युग की शुरुआत में थी, जहां यह टेक्नोलॉजी तेजी से मानवता के लिए कोड लिख रही थी और हमारी राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज को नया आकार दे रही थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एआई का लाभ सभी तक पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी घोषणा की कि भारत अगले एआई सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

बजाज ऑटो की बिक्री फरवरी में दो प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो की फरवरी 2025 में कुल बिक्री सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर 3,52,071 इकाई हो गई। बजाज ऑटो ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने फरवरी 2024 में कुल 3,46,662 इकाइयां बेची थीं। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 2,99,418 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 2,94,684 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 14 प्रतिशत घटकर 1,46,138 इकाई रह गई। पिछले महीने दोपहिया वाहनों का निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 1,53,280 इकाई हो गया। बजाज ऑटो ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में उसके वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री एक प्रतिशत बढ़कर 52,653 इकाई हो गई।

आने वाले वर्षों में सोने की प्रासंगिकता बढ़ेगी- नागेश्वरन

नई दिल्ली । मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि आने वाले वर्षों में परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोने की प्रासंगिकता बढ़ेगी। उन्होंने आईजीपीसी - आईआईएमए वार्षिक स्वर्ण और स्वर्ण बाजार सम्मेलन 2025 में कहा कि सोना न केवल मूल्य के रूप में, सांस्कृतिक और धार्मिक उद्देश्यों के रूप में, बल्कि एक महत्वपूर्ण पोर्टफोलियो विविधीकरण तंत्र के रूप में भी प्रासंगिक बना रहेगा। उन्होंने कहा कि जब तक कि दुनिया मौजूदा अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक गैर-प्रणाली से अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली तक पहुंचने में सक्षम नहीं हो जाती, तब तक परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोने का महत्व बना रहेगा। पिछले तीन महीनों में सोने का मूल्य 200 डॉलर प्रति औंस या आठ प्रतिशत से अधिक बढ़कर 2,860 डॉलर प्रति औंस हो गया है। नागेश्वरन ने यह भी उम्मीद जताई कि भारत अपने पास मौजूद सोने की परिसंपत्तियों को उत्पादक रूप से उपयोग करने के तरीके खोजेगा।

फरवरी में हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री 17 फीसदी घटी

नई दिल्ली । हीरो मोटोकॉर्प ने सोमवार को कहा कि फरवरी में उसकी कुल बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत घटकर 3,88,068 इकाई रह गई। कंपनी ने पिछले साल फरवरी में 4,68,410 इकाइयां बेची थीं। दोपहिया वाहन विनिर्माता ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने डीलरों को घरेलू आपूर्ति 3,57,296 इकाई रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 4,45,257 इकाई था। पिछले महीने निर्यात बढ़कर 30,772 इकाई हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 23,153 इकाई था। कंपनी ने शादी के मौसम और नए उत्पादों की पेशकश के कारण आगामी महीनों में बिक्री बढ़ने की उम्मीद जताई।

चीन के कारखानों को मिलने वाले ऑर्डर में हुई बढ़ोतरी

बीजिंग । चीन के विनिर्माताओं का कहना है कि फरवरी में उन्हें मिलने वाले ऑर्डर में बढ़ोतरी हुई है। कारोबारियों के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन के सामान पर अधिक शुल्क लगाने की घोषणा से बचने के लिए आयातकों ने अपने ऑर्डर बढ़ाए। ट्रंप ने पहले चीन से आयात पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगाया था और यह मंगलवार से बढ़कर 20 प्रतिशत हो जाएगा। कारखाना प्रबंधकों के बीच किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक चीन का आधिकारिक क्रय प्रबंधक सूचकांक जनवरी में 49 प्रतिशत से बढ़कर 50.2 प्रतिशत हो गया। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थिर औद्योगिक उत्पादन से पता चलता है कि सरकारी खर्च ने पिछले महीने व्यावसायिक गतिविधियों का समर्थन किया।

भारत से आ रही नदी से सोना निकालेगा पाकिस्तान

- 800 अरब के खजाने के लिए बनाया बड़ा प्लान

इस्लामाबाद । सिंधु नदी भारत से होकर गुजरती है और पाकिस्तान के लिए एक अनमोल विरासत है। पाकिस्तान सरकार के नेस्पेक और पंजाब प्रांत के खान और खनिज विभाग ने अटक प्लेसर गोल्ड परियोजना का आयोजन किया है। नदी की घाटी में सैकड़ों अरब पाकिस्तानी रुपये का सोने का भंडार होने की संभावना है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार नेस्पेक ने सिंधु नदी के किनारे 9 प्लेसर गोल्ड ब्लॉक्स के लिए बोली दस्तावेज तैयार किए हैं। इस स्थान पर खानन सेक्टर में वैश्विक खनन उद्योग का प्रमुख खिलाड़ी बनने की संभावना है। इस साल, पाकिस्तान की रिपोर्ट में कहा गया कि पंजाब के अटक के पास 800 रुपये का सोने का भंडार हो सकता है। इसके बाद, खैबर पख्तूनखवा में नौशेरा के पास सोने की लूट शुरू हो गई है। अभी तक खुदाई नहीं शुरू हुई है, लेकिन खनन ठेकेदार इस भंडार को उड़ाने के लिए तैयार हैं। सिंधु नदी से आने वाला सोना प्लेसर गोल्ड कहलाता है जिसके टुकड़े चपटे या पूरी तरह गोल मिलते हैं।

सेबी के नए प्रस्ताव से बीएसई के शेयरों में गिरावट

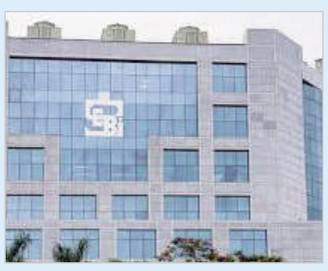

मुंबई। बाजार से जुड़े रिस्क को लेकर सेबी ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के शेयरों पर दबाव बना दिया है। इसके अलावा एक वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने इस प्रस्ताव के कारण बीएसई के टारगेट प्राइस में करीब 14 फीसदी की कटौती कर दी, जिससे शेयरों में बड़ी गिरावट देखी गई। फिलहाल बीएसई का शेयर 3.47 फीसदी गिरकर 4,473.05 रुपए पर कर रहा है, जबकि इंट्रा-डे में यह 5.14 फीसदी तक गिरकर 4,395.70 रुपए के स्तर तक पहुंच गया था। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि सेबी के प्रस्ताव से कैश इक्विटी टर्नओवर के मुकाबले इंडस्ट्री का ऑप्शंस प्रीमियम घटकर 0.4 से 0.3 पर आ जाएगा। इसके चलते इंडेक्स ऑप्शंस कॉन्ट्रैक्ट पर ट्रेड होने वाले औसतन डेली प्रीमियम की मार्केट में हिस्सेदारी 30 फीसदी पार कर जाए, ऐसा मुश्किल हो जाएगा। फरवरी में यह आंकड़ा 22 फीसदी था। ऐसे में ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि प्रप्राइइटेरी ट्रेडर्स की एक्टिविटी कम हो सकती है और इसका झटका बीएसई के शेयरों पर दिख सकता है क्योंकि बीएसई के औसतन डेली टर्नओवर का करीब 70 फीसदी इन्हीं से आता है। इन सब बातों को देखते हुए ब्रोकरेज फर्म ने टारगेट प्राइस 5,650 रुपए से घटाकर 4,880 रुपए कर दिया है। हालांकि न्यूट्रल रेटिंग बरकरार रखा है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौर दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे हैवीवेट शेयरों के साथ विदेशी निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार गिरा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 112.16 अंक करीब 0.15 फीसदी टूटकर 73,085.94 पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में 5.40 अंक तकरीबन 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ ही 22,119.30 पर बंद हुआ।

जानकारों के अनुसार वैश्विक स्तर पर अनिश्चताओं के कारण बाजार में कमजोरी आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प की टैरिफ लगाने की घोषणाओं से बाजार में संशय का माहौल है। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी के शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नीचे आया है।

वहीं गत माह फरवरी में निवेशकों को 40

लाख करोड़ का नुकसान हुआ।

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण पिछले महीने में 40 लाख करोड़ रुपये घट गया। 31 जनवरी को बाजार बंद होने के बाद बीएसई में लिस्टेड सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 424,99,887 करोड़ रुपये था। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त पर हुई लेकिन ये कुछ समय बाद ही नीचे आने लगा। सुबह बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक चढ़कर 73,427 अंक पर खुला। यह 73,649 अंक तक चढ़ गया था। हालांकि, कारोबार शुरू होने के आधे घंटे के बाद यह लाल निशान में फिसल गया। जिसके बाद सेंसेक्स 235.54 अंक गिरकर 72,962.56 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी मजबूती के साथ 22,194 अंक पर खुला। हालांकि, कुछ ही देर में यह भी लाल निशान में चला गया। अन्य बाजारों की बात करें तो वहीं एशिया-प्रशांत के शेयर बाजारों में सोमवार को तेजी देखी गई, क्योंकि निवेशक इस सप्ताह अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा घोषित किए जाने वाले टैरिफ योजनाओं को लेकर स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.67 फीसदी चढ़ा, जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में 0.75 फीसदी की बढ़त देखी गई। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स भी 0.22 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार करता दिखा। हालांकि, दक्षिण कोरिया के बाजार सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद रहे। अमेरिकी बाजारों में भी मजबूती देखने को मिली, जहां एसएंडपी 500 में 1.59 फीसदी, डॉव जोन्स में 1.39 फीसदी और नैस्डैक में 1.63 फीसदी की बढ़त रही।

म्यूचुअल फंड के नये निवेशकों की संख्या में लगातार हो रहा इजाफा

- बाजार में गिरावट के बीच हर महीने जोड़े 8 लाख नए निवेशक

नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में नए निवेशकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भले ही इक्विटी स्कीम्स के रिटर्न बाजार में तेज गिरावट के कारण प्रभावित हुए हों। नवंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच, इंडस्ट्री ने हर महीने 8 लाख (0.8 मिलियन) नए निवेशक जोड़े, जिससे कुल यूनिक निवेशकों की संख्या 5.33 करोड़ तक पहुंच गई। पिछले छह महीनों में हर महीने औसतन 10 लाख नए निवेशक जुड़ रहे थे, लेकिन अब यह रफ्तार थोड़ी कम हो गई है। हालांकि, म्युचुअल फंड इंडस्ट्री को अभी भी लॉन्ग टर्म में विस्तार पर पूरा भरोसा है। एमएफ इंडस्ट्री यूनिक निवेशकों को उनके म्युचुअल फंड स्कीम्स में रजिस्टर्ड परमानेंट अकाउंट नंबर के आधार पर ट्रैक करती है। सितंबर 2024 तक खत्म हुए 12 महीनों में, म्युचुअल फंड इंडस्ट्री ने रिकॉर्ड गति से नए निवेशक जोड़े, जिससे निवेशकों की संख्या 4 करोड़ से बढ़कर 5 करोड़ हो गई। इस तेज बढ़ोतरी का कारण मजबूत इक्विटी बाजार और नए इक्विटी फंड लॉन्च की लहर रही। अब इंडस्ट्री का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में निवेशकों की संख्या दोगुनी कर 10 करोड़ तक पहुंचने का है। हालांकि नए निवेशक जुड़ रहे हैं, लेकिन मौजूदा निवेश खातों के बंद होने की संख्या बढ़ रही है। जनवरी 2025 में वर्षों बाद पहली बार

सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) अकाउंट्स में गिरावट देखी गई, क्योंकि बंद होने की संख्या में तेज बढ़ोतरी हुई। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस ट्रेंड की वजह यह है कि निवेशक बाजार में गिरावट और कमजोर इक्विटी म्युचुअल फंड रिटर्न के बीच अपनी स्थिति पर दोबारा विचार कर रहे हैं।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर फरवरी में 14 महीने के निचले स्तर पर: पीएमआई

नई दिल्ली । नये ठेके और उत्पादन में गिरावट के बीच फरवरी में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 14 महीने के निचले स्तर पर आ गई। एक मासिक सर्वेक्षण में सोमवार को यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) फरवरी में 56.3 अंक पर रहा, जो जनवरी के 57.7 अंक से कम है। हालांकि, विनिर्माण पीएमआई विस्तारकारी क्षेत्र में बना हुआ है। पीएमआई की भाषा में 50 से ऊपर अंक विस्तार, जबकि 50 से नीचे का अंक गतिविधियों में संकुचन का संकेत है। एचएसबीसी के भारत में एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कह कि हालांकि, दिसंबर 2023 के बाद से उत्पादन वृद्धि सबसे कमजोर स्तर पर आ गई है, लेकिन भारत के विनिर्माण क्षेत्र में कुल मिलाकर गति फरवरी में व्यापक रूप से सकारात्मक रही। सर्वेक्षण में कहा गया कि जनवरी के 14 साल के उच्चतम स्तर से कम होने के बावजूद विस्तार की गति तेज थी। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया कि फरवरी में नए निर्यात ऑर्डर में जोरदार वृद्धि हुई, क्योंकि निर्माताओं ने अपने माल की मजबूत वैश्विक मांग का लाभ उठाना जारी रखा। नौकरी के मोर्चे पर, विनिर्माताओं ने फरवरी में अपने कर्मचारियों की संख्या में विस्तार करना जारी रखा।

नृत्य स्पर्श डांस स्टूडियो कर छउवामन बिरसा मुंडा फन पार्क में बांधलयं समा

रांची। बिरसा मुंडा फन पार्क, रिलेशंस आउर नृत्य स्पर्श डांस स्टूडियो कर संजुक्त तत्वावधान में जेल मोड़ इस्थित बिरसा मुंडा फन पार्क में सांस्कृतिक कार्जकरम 'सवारियां' कर आयोजन 3 मार्च के करल गेलक। ई अवसर में नृत्य स्पर्श स्टूडियो कर छउवामन एक से बइढ़ के एक नृत्य प्रस्तुत कइर के अद्भुत समा बांधलयं।

ई अवसर में सब जूनियर किड्स कर सानदार परदरसन रहे। स्नेहा नायक कर कोरियोग्राफी में अध्ययन चौधरी, ख्याति मौर्य,जानवी सिंह, जयदित्य सिंह, अद्विका केरकेट्टा, आरोही, तेजस्वी कुजूर, यशवी राज, अनायिका राज , अभिलाषा कुमारी ने स्वीटी तेरा ड्रामा आउर अंगारों गाना में सानदार प्रस्तुति देलयं।

जूनियर इंटरमीडिएट किड्स कर सानदार परदरसन रहे। इकर में राजा नायक कर कोरियोग्राफी में अनुष्का गुप्ता, आरोही श्रीवास्तव, काव्या गुप्ता, सौम्या वर्मा, अध्या चौधरी, अंशिका कुमारी, अंशिका भगत, अराध्या सिंह, वैष्णवी श्रेष्ठ, शाश्वत गांगुली उड़ी उड़ी जाए आउर दावड़ी गाना में सानदार प्रस्तुति देलयं।

ई अवसर में मुध गोतिया समाजसेवी राज कुमार पोद्दार, अन्नू पोद्दार, डॉ अनिल कुमार, नृत्य स्पर्श डांस स्टूडियो कर निदेसिका वसुंधरा प्रसाद, रिलेशंस कर निदेसक आशुतोष द्विवेदी, जेल पार्क कर संचालक आर्यन चोपड़ा आदि संजुक्त रूप से सउब बिद्यार्थीमन के परसस्ति पत्र देइ के सम्मानित करलयं। ई अवसर में बिरसा मुंडा फन पार्क आउर रेमेडी हेल्थ केयर कर संजुक्त तत्वावधान में पार्क परिसर में डॉ प्रमोद कुमार कर नेतृत्व में निःसुल्क हृदय, बल्ड प्रेसर, थाइराइड, मधुमेह संबंधित सिबिर लगाल गेलक। इकर में सैकड़ों पार्क कर सैलानीमन कर जांच करल गेलक। उनके उचित सलाह भी देल गेलक।

ई अवसर में अमित कुमार, मनी कच्छप, अदिति कुमारी, सूरज कुमार यादव, पवन ठाकुर, आशीष रौशन आदि ढेइरे अदमीमन उपस्थित रहयं। कार्जकरम के सफल बनायेक में कुंदन सोनी, अभिषेक कुमार, निरंजन राम, दीपक कुमार, सूरज कुमार, अभिषेक कुमार, मुन्ना दास, राधे भट्ट, नरसिमा, इम्तियाज शेख आदि उपस्थित रहयं।

बाल बिहा कानून-2006 में आहे सजा कर प्रावधान : राजेश सिन्हा

- लोवादाग पंचायत भवन में जागरुकता कार्जकरम
- बाल बिहा कानून आउर बाल श्रम कर जानकारी

सोनू सपरवार

रांची। झालसा कर निरदेस आउर न्यायायुक्त-सह-डालसा अध्यछ कर मार्गदरसन में रांची जिला कर सिल्ली परखंड कर लोवादाग पंचायत भवन में 90 डेज जागरुकता कार्जकरम कर तहत डोर-टू-डोर जागरुकता कार्जकरम कर आयोजन करल गेलक। ई अवसर में एलएडीसी डिप्टी चीफ राजेश कुमार सिन्हा, पीएलवी कौशल्या देवी, ब्रजेश कुमार माहतो, बंशीधर महतो, बंशीधर घटवार, सुनील कुमार महतो, बबलू कुमार महतो, पंकज कुमार महतो, राजकुमार महतो आउर राजा वर्मा उपस्थित रहयं। राजेश कुमार सिन्हा बाल-बिहा, दहेज प्रथा, डायन बिसाही, कन्या भ्रून हत्या इत्यादि बिसय कर संबंध में न्याय प्राप्त करेक कर बारे में जानकारी देलयं। गंवईयामन के डालसा कर दन से निःसुल्क विधिक सेवा प्राप्त करेक कर तरीका कर बारे में बताल गेलक।

मौका में श्री सिन्हा मोटर व्हीकल एक्ट, बाल बिहा कानून आउर दहेज प्रथा कानून कर बारे में फोकस करलयं। ऊ कहलयं कि जुवामन के नसा से दूर रहेक चाही। नसा से घर आउर परिवार दुईयों नस्ट होवेला। ऊ कहलयं रास्ट्रीय लोक अदालत कर दिन वादकारीमन कर वाद के अधिवक्तामन आउर मध्यस्थ कर द्वारा निःसुल्क निस्तारन करल जायेला।

पीएलवी शंकर महतो वृद्ध पेंसन, ब्रजेश कुमार ने बिधवा पेंसन, बंशीधर महतो प्रधानमंत्री आवास योजना, बंशीधर घटवार मईंया सम्मान योजना, सुनील कुमार महतो ने जॉब कार्ड, बबलू कुमार महतो ने प्री-लिटिगेसन वाद, पंकज कुमार माहतो कन्या भ्रून हत्या आउर राजकुमार महतो डालसा, रांची से मिलेक वाला सुबिधा कर बारे में जानकारी देलयं।

एलएडीसी डिप्टी चीफ कन्या भ्रून हत्या आउर इकर से संबंधित कानून कर बारे में भी आपन बिचार राखलयं। ऊ बाल बिहा कानून-2006, बाल श्रम, पोक्सो एक्ट, मानव तस्करी, सिछा कर अधिकार, नालसा, झालसा आउर डालसा का हेके? इकर उपरे चर्चा करलयं।

मालूम होवी कि 8 मार्च के आयोजित होवेक वाला रास्ट्रीय लोक अदालत कर बारे में डालसा कर अधिवक्ता जानकारी देलयं। ऊ कहलयं कि न्यायालय में केऊ भी वाद लंबित आहे, तो रास्ट्रीय लोक अदालत कर दिन आपन वाद कर निबटरा कराय सकयंना। इकर से आपने कर समय आउर धन कर बचत होवी।

आखरी में डालसा कर पीएलवी राहगीर कर बीच पम्पलेट, लिफलेट आउर कानूनी पुस्तिका कर बितरन करलयं। निःसुल्क विधिक सहायता कर बारे में जानकारी देलयं। ऊ इकर अलावा झारखंड सरकार कर द्वारा चलाल जायेक वाला जोजनामन कर लाभ लेवेक कर बारे में बिस्तार से बतालयं।

छात्रमन के अग्नि वीर जोजना कर देल गेलक जानकारी

लोहरदगा। रांची आर्मी भर्ती कार्यालय कर एआरओ सूबेदार मेजर राम पॉल, हवलदार समरजीत छात्रमन के अग्निवीर योजना कर बारे में जानकारी देलयं। कार्जकरम कर आयोजन 3 मार्च के जिला मुख्यमंत्री उत्कृस्ट बिद्यालय नदिया हिंदू लोहरदगा कर सभागार में करल गेलक।

एआरओ छात्रमन के बतालयं कि अग्निवीर जोजना में रजिस्ट्रेसन, ऑनलाइन आवेदन, लिखित परीछा, शॉर्टलिस्टिंग, रनिंग , सारीरिक फिटनेस टेस्ट, डॉक्यूमेंटेसन, मेडिकल कइसे होवेला। बिचौलियामन से दूर रहेक ले कहलयं।

सेना में जायेक ले कुछ बोनस मार्क्स देवल जायेला। एनसीसी कर ए सर्टिफिकेट वाला के पांच, बी सर्टिफिकेट वाला के दस, सी सर्टिफिकेट वाला के 20 आउर सी सर्टिफिकेट कर संगे आरडी परेड आहे तो 25 बोनस मार्क्स देवल जायेला।

खेल कर छेतर में भाइग लेवेक वाला छउवामन के भी बोनस अंक देवल जायेला। अनुसूचित जनजाति कर छउवामन के भी ऊंचाई आउर वजन में छूट देवल जायेला। मौका में बिद्यार्थीमन भी आपन संका कर समाधान करलयं।

नागपुरी कविता

रमजान होली सरहुल

संतोष महली

रमजान होली सरहुल में
राखू अपन धेयान भाइ।
बाजार हाट में बेचाय ला
मिलाउटी सामान भाइ,
रमजान होली सरहुल में
राखू अपन धेयान भाइ।

सासता तो मिली
बानाय ले पाकवान भाइ,
पोछल पाछल (पोलिश)रही
खाले होवी थाकान भाइ।
रमजान होली सरहुल में
राखू अपन धेयान भाइ।

बहुते दोकान दउरी होटल कर
हइये नखे लाइसन भाइ,
सिकाइत करे जाब भी तो
के लेवी टेनसन भाइ।
रमजान होली सरहुल में
राखू अपन धेयान भाइ।

असपाताल कर होवे हाल
फंड नी मिलेक कारन
सवचालय भी नी रहेला चीकन भाइ।
बातालहो नी बुझब तो
चइल जाइ जान भाइ।

रमजान होली सरहुल में
राखू अपन धेयान भाइ।
बाजार हाट में बेचाय ला
मिलाउटी सामान भाइ,
रमजान होली सरहुल में
राखू अपन धेयान भाइ।

टाटा स्टील संस्थापक के 186वीं जयंती में श्रद्धांजलि अर्पित करलक

जमशेदपुर। टाटा स्टील आपन संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा के 3 मार्च के श्रद्धांजलि अर्पित करलक, जिनके भारतीय उद्योग जगत कर जनक कर रूप में मानल जायेला। उनकर 186वीं जयंती कर अवसर में संस्थापक दिवस पूरा सम्मान आउर उत्साह कर संगे मनाल गेलक। ई प्रतिष्ठित आयोजन हर बछर 3 मार्च के जमशेदपुर में आयोजित करल जायेला, जहां जमशेदजी टाटा कर दूरदृष्टि आउर औद्योगिक भविस कर उनकर कल्पना के याइद करल जायेला। उनकर बिचार खली औद्योगीकरण तक सीमित नई रहे, बलकि उकर में सामुदायिक बिकास आउर सामाजिक कल्यान कर नींव भी सामिल रहे। संस्थापक दिवस एहे भावना कर प्रतीक आहे, जे टाटा स्टील कर मूल मूल्य आउर उकर प्रतिबद्धता के दरसायला।

ई बछर कर संस्थापक दिवस कर थीम ₹बाज़ार, तकनीक आउर लागत में नेतृत्व₹ आहे, जे हमिन कर ई संकल्प के दोहरायेला कि हमिन ग्राहकमन कर आवसकता के प्राथमिकता देंवब। बैश्विक लागत नेतृत्व हासिल करेक ले प्रौद्योगिकी कर प्रभावी उपयोग करबयं।

जमशेदपुर वर्क्स में कार्जकरम कर सुरुआत वर्क्स मेन गेट में संस्थापक के श्रद्धांजलि अर्पित करेक कर संगे होलक। ई अवसर में बरिसठ अधिकारी, टाटा वर्कर्स यूनियन (टीडब्ल्यूयू) कर बरिसठ पदाधिकारी, ग्रुप कंपनी कर अधिकारीमन आउर जमशेदपुर कर नागरिकमन संस्थापक के नमन करलयं।

एन चंद्रशेखरन (चेयरमैन, टाटा संस), टी.वी. नरेंद्रन (सीईओ एवं एमडी, टाटा स्टील), कौशिक चटर्जी (एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर, टाटा स्टील), ऋतुराज सिन्हा (मैनेजिंग डायरेक्टर, टाटा स्टील यूआईएसएल), संजीव कुमार चौधरी (प्रेसिडेंट, टाटा वर्कर्स यूनियन) आउर अन्य गनमान्य बेक्तिमन जमशेदपुर वर्क्स में आयोजित समारोह में संस्थापक के श्रद्धांजलि अर्पित करलयं।

इकर बाद, जमशेदपुर सहर कर मध्य इस्थित पोस्टल पार्क में भी संस्थापक के श्रद्धांजलि अर्पित करल गेलक।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेश प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक** : रतन लाल अग्रवाल। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com